जबलपुर
मंगलवार, 29 जुलाई 2025
श्रावण मास शुक्ल पक्ष–5
वर्ष : 20, अंक : 90
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 26
न्यून. 23

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखो
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

हरिभूमि सहेली
आज के अंक के साथ

लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर 16 घंटे की चर्चा की शुरुआत, रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा- हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया है, लेकिन हमारा मूल संस्कार बुद्ध का, युद्ध का नहीं

लड़ाई हमेशा बराबरी वालों से, शेर कभी मेंढक पर हमला नहीं करता

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

◆ राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि परीक्षा में परिणाम मायने रखता है, न कि यह कि छात्र की पेंसिल टूटी थी या नहीं? उन्होंने दोहराया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सफल और निर्णायक अभियान था, और विपक्ष को उसमें सिर्फ नकारात्मकता नहीं तलाशनी चाहिए

लोकसभा में सोमवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे की चर्चा की शुरुआत हुई। सरकार की तरफ से पहले वक्ता के रूप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की सेना ने पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने में पूरी सफलता पाई है। भारतीय सेना को किसी भी तरह की सैन्य क्षति नहीं हुई है। राजनाथ सिंह ने विपक्षी दलों को भी आड़े हाथों लिया।

उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए और कहा कि संसद को एक सुर में देश की सेना के पराक्रम को सलाम करना चाहिए। राजनाथ सिंह ने पड़ोसी देश के साथ-साथ पूरी दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया और कहा कि लड़ाई हमेशा बराबरी वालों से की जाती है, शेर कभी मेंढक पर हमला नहीं करता, पाकिस्तान से मुकाबला कर भारत लेवल खराब नहीं करेगा। उन्होंने कहा, आतंकवाद को समर्थन देने वालों को यह स्पष्ट संदेश चला गया है कि भारत अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने विपक्षी दलों से आह्वान किया कि आइए, हम सभी दलगत भेदभाव से ऊपर उठकर 'संगच्छध्वं संवदध्वं' के मंत्र से प्रेरणा लेकर एक साथ खड़े हों। हम इस राष्ट्रीय संकल्प को मजबूत करें।

राजनाथ ने विपक्ष से कहा-हम सभी दलगत भेदभाव से ऊपर उठकर 'संगच्छध्वं संवदध्वं' के मंत्र से प्रेरणा लेकर एक साथ खड़े हों

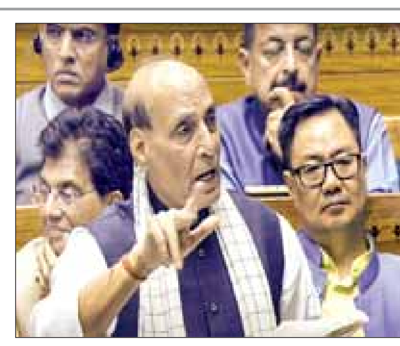

सिंह का विपक्ष पर प्रहार

हमारे कितने विमान गिरे पूछा, दुश्मन के कितने गिराए यह कभी नहीं पूछा?

राजनाथ सिंह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा यह सवाल किया कि हमारे कितने विमान पाकिस्तान ने मार गिराए, लेकिन कभी यह नहीं पूछा कि भारत ने दुश्मन के कितने विमान गिराए। राजनाथ सिंह ने कहा कि विपक्ष को सवाल जरूर पूछना चाहिए, लेकिन सवाल राष्ट्रहित में होने चाहिए।

कांग्रेस के गौरव गोगोई का सरकार से तीखा सवाल

आतंकी पहलगाम में कैसे आए? रक्षा मंत्री यह तो नहीं बता पाए

नई दिल्ली। कांग्रेस के गौरव गोगोई ने लोकसभा में कहा कि राजनाथ सिंह ने बहुत सारी जानकारी दी, लेकिन रक्षा मंत्री के रूप में यह नहीं बताया कि आतंकवादी पहलगाम में कैसे आए। राष्ट्रहित में ये सवाल पूछना हमारा कर्तव्य है। देश जानना चाहता है कि पहलगाम हमले को 100 दिन बीत चुके हैं, लेकिन यह सरकार आतंकवादियों को न्याय के कठघरे में नहीं ला पाई है। आज आपके पास ड्रोन, पेगासस, सैटेलाइट, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ हैं। रक्षा मंत्री कुछ दिन पहले वहां गए थे, फिर भी आप उन्हें पकड़ नहीं पा रहे हैं। बैसरन, जहां हमला हुआ था, वहां एम्बुलेंस पहुंचने में लगभग एक घंटा लग गया।

देश जानना चाहता है कि पहलगाम हमले को 100 दिन बीत चुके हैं, लेकिन यह सरकार आतंकवादियों को न्याय के कठघरे में नहीं ला पाई है।

अचानक 10 मई को हमें पता चला कि युद्धविराम हो गया है, क्यों?

गोगोई ने कहा कि पूरा देश और विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन कर रहे थे। अचानक 10 मई को हमें पता चला कि युद्धविराम हो गया है। क्यों? हम प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहते थे कि अगर पाकिस्तान घुटने टेकने को तैयार था, तो आप क्यों रुके और किसके सामने आत्मसमर्पण किया? अमेरिकी राष्ट्रपति ने 26 बार कहा है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को युद्धविराम की घोषणा करने के लिए मजबूर किया।

अंजना ने की यूरोप की सबसे ऊंची चोटी फतह

मैहर। जिले के छोटे से गांव बेंदुरा कला की बेटी अंजना सिंह ने देश का नाम रोशन किया है। अंजना ने

यूरोपीय महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस (5,642 मीटर/18,510 फीट) पर रविवार की सुबह 6 बजे सफलतापूर्वक चढ़ाई कर भारत का तिरंगा फहराया। शिखर पर पहुंचकर राष्ट्रगान गाया।

सतना में शून्य आमदनी का आय प्रमाण पत्र जारी

सतना। देश का सबसे गरीब आदमी मिला है। उचेहरा तहसील के अमदरी गांव के रहने वाले संदीप कुमार नामदेव की वार्षिक आय शून्य है। तहसीलदार ने इसका प्रमाण पत्र भी बनाकर दिया है। आय प्रमाण पत्र 7 अप्रैल 2025 को जारी किया गया था। प्रमाण पत्र वायरल हो गया। इस मामले में परियोजना अधिकारी रविकांत शर्मा ने बताया कि त्रुटि मिलने पर 20 जुलाई को आय प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया था। इसके बाद संदीप को 40 हजार रुपए सालाना आय वाला प्रमाण पत्र जारी कर दिया था।

तीसरे सोमवार को निकली महाकाल की सवारी

श्री चंद्रमौलेश्वर के साथ शिव व तांडव स्वरूप में दर्शन देने निकले महाकाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ उज्जैन

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में दोपहर एक बजे तक 3 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। विनायक चतुर्थी होने के कारण भगवान महाकाल का गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया है। तीसरी सवारी में भगवान श्री

■ राम घाट पर पूजन, करीब 3 लाख से ज्यादा भक्त पहुंचे

चंद्रमौलेश्वर पालकी में विराजित हुए, जबकि भगवान श्री मनमहेश को हाथी पर और श्री शिव-तांडव की प्रतिमा को गरूड़ रथ पर विराजित किया गया। सवारी शिप्रा घाट पर पहुंची। यहां भगवान का पूजन किया गया।

एक दिन में करीबन 10 लाख श्रद्धालुओं के दर्शन करने की संभावना

रात 12 बजे खुल गए महाकाल के तीसरी मंजिल पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के कपाट

उज्जैन। उज्जैन जिले का नागचंद्रेश्वर मंदिर है, जो कि साल में बस एक बार श्रावण शुक्ल पंचमी यानी नागपंचमी के दिन खुलता है। वो भी साल भर में केवल और केवल 24 घंटे के लिए। यह महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित है। श्री महाकाल मंदिर के गर्भगृह के ऊपर ओंकरेश्वर मंदिर और उसके भी ऊपर श्री नागचंद्रेश्वर का मंदिर मौजूद है, जहां दर्शन करने से दोषों से मुक्ति मिलती है। नागचंद्रेश्वर के पट 28-29 जुलाई को रात 12 बजे 24 घंटे के लिए खोल दिए गए। एक दिन में करीबन 10 लाख श्रद्धालुओं के दर्शन करने की संभावना बताई जा रही है। माना जाता है, मालवा साम्राज्य के परमार राजा भोज ने 1050 ईस्वी में लगभग मंदिर का निर्माण करवाया था।

■ साल भर में 24 घंटे के लिए खुलते हैं ये कपाट

मप्र हाईकोर्ट को मिलेंगे 11 नए जज, कानून मंत्रालय ने की नियुक्ति

जजों की संख्या बढ़कर होगी 45, अभी भी जजों के 9 पद खाली

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में 11 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई है। इनमें से सात पूर्णकालिक और 4 अतिरिक्त न्यायाधीश बनाए गए हैं। राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद सोमवार को केन्द्रीय कानून विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी। अधिवक्ता कोटे से पुष्पेंद्र यादव (जबलपुर), जय कुमार पिल्लई (जबलपुर), आनंद सिंह बहरावत (इंदौर), हिमांशु जोशी (इंदौर), अजय कुमार निरंकारी (ग्वालियर) को न्यायाधीश बनाया गया है। वहीं न्यायिक कोटे से रामकुमार चौबे, राजेश कुमार गुप्ता, आलोक अवस्थी, रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन, भगवती प्रसाद शर्मा और प्रदीप मित्तल को अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। संभवतः बुधवार को नवनियुक्त न्यायाधीशों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा।वर्तमान में मप्र हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत पद 53 हैं। अभी 34 जज कार्यरत हैं। ग्यारह नए न्यायाधीशों के साथ अब कार्यरत जजों की संख्या बढ़कर 45 हो गई है। अभी भी जजों के 9 पद खाली हैं।

संत प्रेमानंद का बयान हुआ वायरल

अब तो 100 में से दो-चार लड़कियां ही पवित्र आ रहीं

मथुरा। भागवताचार्य अनिरुद्धाचार्य द्वारा महिलाओं को लेकर दिए गए बयान को लेकर विवाद शांत नहीं हुआ कि संत प्रेमानंद के बयान ने नया बखेड़ा कर दिया है। यहां तक कि महिला आयोग ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया। अब संत प्रेमानंद महाराज का बयान सुर्खियों में है। उन्होंने भी अनिरुद्धाचार्य से मिलता जुलता बयान दिया। उन्होंने कहा कि 100 में से 2-4 लड़कियां ही पवित्र आ रही हैं।

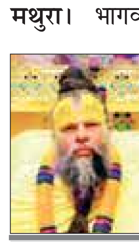

■ अनिरुद्धाचार्य की तरह ये क्या बोल गए?

झाबुआ कलेक्टर की गाड़ी को डंपर ने मार दी टक्कर

झाबुआ। झाबुआ में तेज रफ्तार डंपर ने कलेक्टर की कार को टक्कर मार दी। हादसे के समय कलेक्टर नेहा मीणा कार में मौजूद थीं। हालांकि, उन्हें कोई चोट नहीं आई। डंपर कल्याणपुरा से राणापुर की ओर जा रहा था। डंपर चालक राम सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना सोमवार सुबह 10 बजे की है। कलेक्टर की गाड़ी बंगले से बाहर निकल रही थी।

हम्पी को टाईब्रेकर में हराकर दिव्या बनीं फिडे महिला विश्व कप चैंपियन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

महिला शतरंज विश्व कप के फाइनल मुकाबले में दिव्या देशमुख ने ग्रैंडमास्टर और हमवतन कोनेरू हम्पी को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वह फिडे महिला शतरंज विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। कोनेरू हम्पी के पास वापसी का एक छोटा सा मौका था।

■ दिव्या ने काले मोहरों पर एक शानदार जीत दर्ज की

खिताबी जीत के बाद भावुक हुईं दिव्या

19 वर्षीय दिव्या ने न केवल फिडे महिला शतरंज विश्व कप जीता है, बल्कि इस जीत के साथ 'ग्रैंडमास्टर' का खिताब भी हासिल किया है। इस जीत के बाद भावुक हो गईं। दिव्या के लिए ये यादगार पल हैं। दिव्या कैंडिडेट्स शतरंज के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं। नौ दिसंबर 2005 को नागपुर में जन्मीं दिव्या ने पांच साल की उम्र से शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उनके माता-पिता डॉक्टर हैं। उनके पिता का नाम जितेंद्र और माता का नाम नम्रता है। दिव्या ने 2012 में सात साल की उम्र में अंडर-7 नेशनल चैंपियनशिप जीती। इसके बाद उन्होंने अंडर-10 (डरबन, 2014) और अंडर-12 (ब्राजील, 2017) कैटेगरी में विश्व युवा खिताब भीजीते। इसके बाद 2014 में डरबन में आयोजित अंडर-10 वर्ल्ड यूथ टाइटल और 2017 में ब्राजील में अंडर-12 कैटेगरी में भी खिताब अपने नाम किए।

अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मंत्री का अब तक सार्वजनिक रूप से माफी न मांगना उनकी नीयत और ईमानदारी पर सवाल खड़े करता है

मंत्री विजय शाह की नीयत पर संदेह, अदालत ने कहा: 13 अगस्त तक जांच रिपोर्ट दे 'एसआईटी'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया है कि सेना और उसके अधिकारियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह को भारतीय सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मंत्री का अब तक सार्वजनिक रूप से माफी न मांगना उनकी नीयत और ईमानदारी पर सवाल खड़े करता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मंत्री विजय शाह का व्यवहार संदेह पैदा करता है कि क्या उन्होंने जानबूझकर यह टिप्पणी की थी।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया है कि सेना और उसके अधिकारियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे में अब सभी की नजर एसआईटी की रिपोर्ट पर है, जो 13 अगस्त तक कोर्ट में दाखिल की जानी है। यदि जांच में मंत्री की गलती पाई जाती है, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

बिहार मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक लगाने से किया इंकार

अदालत ने कहा- आधार और मतदाता आईडी पर विचार करे आयोग

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बिहार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर चुनाव आयोग से कहा है कि वह बिहार में चल रही मतदाता सूची की स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के दौरान आधार कार्ड और मतदाता आईडी कार्ड को पहचान के वैध दस्तावेज के रूप में मानने पर विचार करे। अदालत ने यह बात उस मामले की सुनवाई के दौरान कही, जिसमें यह मुद्दा उठा है कि मतदाता सूची की जांच प्रक्रिया में किन दस्तावेजों को मान्य माना जाए। एक गैर सरकारी संगठन की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि मतदाता सूची को अस्थायी तौर पर अंतिम रूप नहीं दिया जाना चाहिए और मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर अंतरिम रोक लगनी चाहिए। पीठ ने न्यायालय के पिछले आदेश पर गौर किया, जिसमें कहा गया था कि याचिकाकर्ता अंतरिम राहत के लिए अनुरोध नहीं कर रहे थे। पीठ ने कहा कि इसलिए अब ऐसा नहीं किया जा सकता तथा मामले का स्थायी निपटारा किया जाएगा।

आज अगली सुनवाई की तारीख तय करेगा सुप्रीम कोर्ट

राशन कार्ड की जालसाजी संभव

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह प्रारंभिक रूप से हाई कोर्ट के आदेश से सहमत है और निर्वाचन आयोग ने अपने जवाबी हलफनामे में माना है कि आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को स्वीकार किये जाने की आवश्यकता है। पीठ ने कहा कि जहां तक राशन कार्ड का सवाल है, तो हम यह कह सकते हैं कि उसकी आसानी से जालसाजी की जा सकती है, लेकिन आधार और मतदाता पहचान पत्र की कुछ विश्वसनीयता है और उनके प्रामाणिक होने की धारणा है। आप इन दस्तावेजों को स्वीकार करना जारी रखें।

एसआईआर पर जल्द अंतिम निर्णय लेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में कराए जा रहे मतदाता सूची के एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर हमेशा के लिये अंतिम निर्णय लेगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह मंगलवार को इस मामले की अंतिम सुनवाई की समय-सारणी तय करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों से कहा है कि वे यह तय करें कि उन्हें अपनी दलीलें पेश करने में कितना समय लगेगा।

विपक्षी दलों ने कई याचिकाएं दायर कीं

कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार), शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, जेएमएम, सीपीआई और सीपीआई (एमएल) के विपक्षी दलों के नेताओं की ओर से बिहार में चुनाव से पहले एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। राजद सांसद मनोज झा और तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा की अलग-अलग याचिकाओं के अलावा कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल, शरद पवार एनसीपी गुट की सुप्रिया सुले, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के डी राजा, समाजवादी पार्टी के हरिंदर सिंह मलिक, शिवसेना (उद्धव गुट) के अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा के सरफराज अहमद और सीपीआई (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य ने संयुक्त रूप से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

एसआईआर को लेकर लोकसभा में विरोध

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर सोमवार को संसद के बाहर विपक्ष का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। इसमें प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस से लोकसभा नेता प्रतिपक्ष सांसद राहुल गांधी, सांसद सोनिया गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सपा प्रमुख अखिलेश यादव सहित अन्य विपक्षी दलों ने भाग लिया। वहीं, लोकसभा के अंदर विपक्ष के हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले भी दो बार सदन की कार्यवाही स्थगित हुई। विपक्ष के संसद में हंगामे पर नाराजगी जाहिर करते हुए संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से भाग रहा है। विपक्ष अब ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से पहले मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले पर भी चर्चा करने की गारंटी मांग रहा है।

खबर संक्षेप

मराठा हूं इसलिए मंत्री पद नहीं मिला: सोलंके

मुंबई। महाराष्ट्र में बीड जिले के माजलगांव से एनसीपी विधायक प्रकाश सोलंके ने आरोप लगाया है कि मराठा समुदाय से होने के कारण उन्हें महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पद नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि बीड जिले में मराठाओं ने पार्टी को ताकत दी, लेकिन मराठाओं को अनदेखा कर दिया जाता है। अगर वह ओबीसी होते तो मंत्री बन जाते।

अनुपस्थित रहने पर जेएनयू कुलपति को नोटिस

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री धुलीपुडी पंडित से एक महत्वपूर्ण सम्मेलन में अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण मांगा है। कुलपति बिना औपचारिक अनुमति लिए केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के सम्मेलन में शामिल नहीं हुईं। मंत्रालय ने इस अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया।

12.44 करोड़ घरों को पानी का कनेक्शन दिया

नई दिल्ली। जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने संसद को बताया कि जल जीवन मिशन हर घर जल के तहत अब तक लगभग 12.44 करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण घरों को नल के पानी के कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। शुरुआत में, केवल 3.23 करोड़ (16.7 प्रतिशत) ग्रामीण घरों में ही नल के पानी के कनेक्शन होने की सूचना थी।

हिसार में सड़क हादसा 4 दोस्तों की मौत

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले में एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक कार को टक्कर मार दी, जिससे चार दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि चारों रविवार रात बरवाला से अग्रोहा जा रहे थे, तभी अग्रोहा थानाक्षेत्र में नंगथला गांव के पास खाद से भरे ट्रक ने कार में टक्कर मार दी।

राहुल-गोगोई का नाम लेकर बिफरे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

सदन में योजना बनाकर व्यवधान पैदा कर रहे

आपको पर्चे फेंकने और तख्तियां लहराने के लिए नहीं भेजा गया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र में छठे दिन की कार्यवाही शुरू होने के बाद भी सत्ताधारी दल और विपक्ष के बीच का गतिरोध समाप्त नहीं हुआ। लोकसभा की कार्यवाही बाधित होने पर अध्यक्ष ओम बिरला नाराज हो गए और उन्होंने कांग्रेस सांसदों का नाम लेकर सदन में योजना बनाकर व्यवधान पैदा करने का आरोप लगाया।

बिरला ने राहुल गांधी और असम से निर्वाचित सांसद गौरव गोगोई का नाम लेकर उन्हें टोका। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष के हंगामे पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि मिस्टर गोगोई और आप सब राजनीतिक दलों के लोग आए थे, आपने कहा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होनी चाहिए, फिर आप सदन बाधित कर रहे हैं। आखिर सदन आप क्यों नहीं चलने दे रहे? प्रश्नकाल सदस्यों का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। आखिर देश जानना चाहता है कि आप प्रश्नकाल क्यों स्थगित करना चाहते हैं? क्यों आप प्रश्नकाल के अंदर नियोजित बाधा करना चाहते हैं?

ये भी बोले

सदन क्यों नहीं चलने दे रहे? | प्रश्नकाल क्यों स्थगित करना चाहते हैं?

राहुल गांधी से पूछे कड़े सवाल

ओम बिरला ने सांसद राहुल गांधी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिपक्ष के नेता, आपके दल के नेताओं को समझाओ, इनको सदन में पर्चे फेंकने के लिए, तख्तियां लाने के लिए नहीं भेजा है। आप प्रश्नकाल नहीं चलाना चाहते। जवाब दो, देश जानना चाहता है कि आप प्रश्नकाल क्यों नहीं चलाना चाहते। 10 महत्वपूर्ण मंत्रालयों पर चर्चा होने वाली है। शिक्षा, पर्यावरण, विधि, श्रम जैसे महत्वपूर्ण विभागों पर चर्चा। सदस्यों का समय होता है। आखिर क्यों प्रश्नकाल स्थगित करा रहे हो आप?

देश देख रहा सदन की मर्यादा बनाकर रखें

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि प्रश्नकाल में सदस्यों को बोलने नहीं देते आप। ये तरीका आपका उचित नहीं है। आग्रह कर रहा हूं सदन की मर्यादा बनाकर रखो। सदन सबका है। देश की 140 करोड़ जनता की अभिव्यक्ति की सर्वोच्च संस्था है। आप इसी तरीके का आचरण व्यवहार करना चाहते हैं, ये देश देखेगा कि आपने प्रश्नकाल को नियोजित तरीके से बाधा पहुंचाई, तख्तियां लहराईं, पर्चे फेंके, नारेबाजी की।

जिनने कुछ नहीं किया, वे सवाल उठा रहे

ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने कुछ नहीं किया, वे बहावलपुर और मुरीदके में आतंकी स्थलों को ध्वस्त करने वाली सरकार पर सवाल उठाने की हिम्मत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारी कूटनीति का ही परिणाम था कि 'टीआरएफ' को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के समय अमेरिका के साथ बातचीत में व्यापार का कोई जिक्र नहीं हुआ था। 22 अप्रैल से 17 जून के बीच पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई सीधा संवाद नहीं हुआ।

देश ने पाक के झूठ का पर्दाफाश किया

टीडीपी सांसद लवू श्री कृष्ण देवरायलु ने कहा कि पहलगाम हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर ने भारत ने हमला किया था। हमने दुश्मन को बताया हम जवाब देंगे। हमने ऐसा पहले भी देखा है। इसके बाद हमने अलग-अलग देशों में जाकर पाकिस्तान के झूठ का पर्दाफाश किया। हमने तकनीक को बढ़ाया है और पाकिस्तान ने आतंक को बढ़ाया है।

देश को ऑपरेशन तंदूर चाहिए था, सिंदूर नहीं

समाजवादी पार्टी के सांसद रमाशंकर राजभर ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश 'ऑपरेशन तंदूर' चाहता था, ताकि इसके जिम्मेदार आतंकवादियों को भून दिया जाए। देश ऑपरेशन सिंदूर नहीं, ऑपरेशन तंदूर चाहता था। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर निचले सदन में बहस के दौरान बोलते हुए उन्होंने सरकार पर निर्णायक कार्रवाई करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

ममता ने 'भाषा आंदोलन' शुरू किया

बंगाल में एनआरसी लागू कभी भी 'नहीं' होने दूंगी

ये भी बोलीं- भाषा छीनने की इजाजत नहीं दूंगी

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने देशभर में बांग्ला भाषी प्रवासियों पर कथित हमलों के विरोध में सोमवार को बीरभूम जिले के बोलपुर से 'भाषा आंदोलन' की शुरुआत की और कहा कि मैं जान दे दूंगी, लेकिन किसी को अपनी भाषा छीनने की इजाजत नहीं दूंगी।

उन्होंने कहा कि वह भाषा के आधार पर विभाजन नहीं चाहतीं। मैं किसी भाषा के खिलाफ नहीं हूं, मेरा मानना है कि विविधता में एकता हमारे राष्ट्र की नींव है। ममता ने कहा कि आप सब कुछ भूल सकते हैं, लेकिन आपको अपनी 'अस्मिता', मातृभाषा और मातृभूमि को नहीं भूलना चाहिए। ममता ने दावा किया कि बांग्ला दुनिया में पांचवीं और एशिया में दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, फिर भी बंगालियों पर अत्याचार हो रहा है।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले पर 'सुप्रीम' रोक

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को राहत देते हुए सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के 17 जून के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की संशोधित सूची के कार्यान्वयन को स्थगित कर दिया गया था। सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया उच्च न्यायालय का आदेश त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है। इससे पहले पीठ ने राज्य सरकार का पक्ष रखने के लिए पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर संज्ञान लेते हुए कहा कि यह आश्चर्यजनक है। उच्च न्यायालय ऐसा आदेश कैसे दे सकता है? आरक्षण कार्यपालिका के कार्य का हिस्सा है।

एसआईआर का किया विरोध

ममता ने पड़ोसी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का परोक्ष संदर्भ देते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के इशारे पर निर्वाचन आयोग पिछले दरवाजे से राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि वह पश्चिम बंगाल में न तो एनआरसी लागू होने देंगी और न ही कोई निरुद्ध केंद्र स्थापित करने देंगी।

संसद में सरकार ने स्वीकारा

इस साल 183 बार फ्लाइट्स में आई तकनीकी खराबियां

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने संसद में बताया कि 2025 में 23 जुलाई तक कुल 183 तकनीकी खराबियों की रिपोर्ट मिली है। 2024 में यह संख्या 421 रही जो 2023 की 448 रिपोर्ट की तुलना में थोड़ी कम है। 2022 में 528 और 2021 में 514 तकनीकी खराबियां दर्ज की गई थीं। पिछले पांच वर्षों में गंभीर खराबियों और गड़बड़ियों पर 2094 जांचे की गई हैं।

नियम मजबूत किए गए

केंद्रीय मंत्री के अनुसार, विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के पास सुरक्षा के लिए एक मजबूत और नियमित रूप से अपडेट किया जाने वाला नियमों का ढांचा है। ये नियम अंतरराष्ट्रीय स्तर के आईसीएओ (अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन) और ईएएसए (यूरोपीय विमानन सुरक्षा एजेंसी) के मानकों से मेल खाते हैं। डीजीसीए ने सुरक्षा से जुड़े अहम हिस्सों की जांच को और सख्त कर दिया है।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर बोले नड्डा

खतरनाक बीमारी के खिलाफ मजबूती से आगे बढ़ रहा भारत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को विश्व हेपेटाइटिस दिवस के मौके पर कहा कि भारत इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ मजबूती से आगे बढ़ रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के जरिए देशभर में लोगों की जान बचाने और बीमारी को खत्म करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें, हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है।

भारत दूसरे स्थान पर

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक भारत हेपेटाइटिस बी और सी मामलों में चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है। साल 2022 के आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2.98 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी और 55 लाख लोग हेपेटाइटिस सी से पीड़ित थे। यह संख्या वैश्विक हेपेटाइटिस मामलों का लगभग 11.6% है।

बैद्यनाथ धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

देवघर। बिहार के देवघर में श्रावणी मेला और तीसरे सोमवार के दिन बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सोमवार को लाखों की संख्या में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है और इस दौरान देवघर में श्रावणी मेला लगता है, जिसमें कांवरिया बाबा बैद्यनाथ को जल चढ़ाने आते हैं। यह बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है और 51 शक्तिपीठों में से एक है। श्रावणी मेले में, कांवरिया गंगा नदी से जल भरकर लाते हैं और बाबा बैद्यनाथ को अर्पित करते हैं।

हैदराबाद में अवैध सरोगेसी घोटाला का भंडाफोड़

आईवीएफ केंद्र की डॉक्टर समेत 10 गिरफ्तार, कई दस्तावेज बरामद

एजेंसी ⏭ हैदराबाद

हैदराबाद पुलिस ने एक अवैध सरोगेसी और नवजात बच्चों की तस्करी के गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने आईवीएफ केंद्र की डॉक्टर सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने क्लिनिक में इस्तेमाल किए जा रहे चिकित्सा उपकरण और दवाइयां, अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन और डिजिटल उपकरण भी जब्त किए हैं। पुलिस ने आईवीएफ सेंटर से केस रिकॉर्ड और सरोगेसी मामलों से जुड़े दस्तावेज भी जब्त किए हैं। मुख्य आरोपी की पहचान तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर्स की मालिक अथलुरी नम्रता के रूप में हुई है।

डीएनए मिलान नहीं होने पर दंपती ने की शिकायत

पुलिस ने बताया कि इस मामले का भंडाफोड़ तब हुआ जब एक दंपती ने शिकायत की। दंपती ने सरोगेसी के जरिए बच्चा पैदा करने के लिए आईवीएफ सेंटर को 35 लाख रुपए का भुगतान किया। हालांकि, नौ महीनों के दौरान क्लिनिक को कई भुगतान करने के बाद, दंपती को पता चला कि सरोगेसी के जरिए पैदा हुए नवजात शिशु का डीएनए उनके डीएनए से बिल्कुल भी मेल नहीं खाता। इस पर दंपती को शक हुआ और उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस से की।

आरोपी डॉक्टर का बेटा भी इस घोटाले में शामिल

आरोपी डॉक्टर द्वारा संचालित यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर्स नामक आईवीएफ सेंटर के विजयवाड़ा, सिकंदराबाद, विशाखापत्तनम और कोंडापुर में भी केंद्र हैं। पुलिस ने बताया कि उसने 1995 में प्रैक्टिस शुरू की और साल 1998 से प्रजनन और आईवीएफ सेवाओं में कदम रखा। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर के आईवीएफ सेंटर्स को जब्त कर लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने देश के दो कॉलेज से मांगा जवाब

छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे? हमारे आदेश का पालन क्यों नहीं?

सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी खड़गपुर से पूछा कि छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? संस्थान क्या कर रहा है? सुप्रीम कोर्ट ने शारदा यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट को कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के लिए फटकार लगाई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी और आईआईटी खड़गपुर में छात्रों की आत्महत्या से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में भी गूंजा।

सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी खड़गपुर से पूछा कि छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? संस्थान क्या कर रहा है? सुप्रीम कोर्ट ने शारदा यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट को कोर्ट के दिशानिर्देशों का पालन न करने के लिए फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट आईआईटी खड़गपुर और शारदा विश्वविद्यालय में छात्रों की आत्महत्याओं के स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा था।

सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर कर रहा है सुनवाई

मैनेजमेंट ने अभिभावकों को क्यों सूचना नहीं दी?

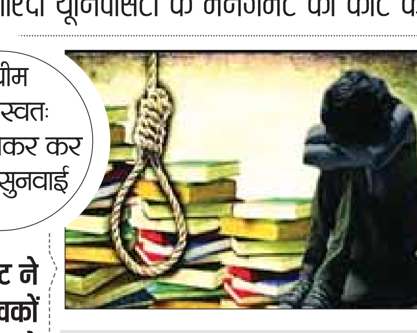

कोर्ट ने कॉलेज प्रबंधन पर उठाए कई गंभीर सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि कॉलेज के छात्रों ने पिता को बताया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली है? मैनेजमेंट ने क्यों नहीं बताया? मैनेजमेंट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन क्यों नहीं किया? क्या पुलिस और अभिभावकों को सूचित करना मैनेजमेंट का कर्तव्य नहीं है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस बारे में और कुछ नहीं कहेंगे क्योंकि जाँच चल रही है। आईआईटी खड़गपुर मामले मे अमाइकस अपर्णा भट्ट ने कहा कि पुलिस ने उन्हें कोई जानकारी नहीं दी।

चार हफ्तों में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों की पुलिस को चार हफ्तों में स्टेटस रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। शारदा यूनिवर्सिटी के मामले में अमाइकस अपर्णा भट्ट ने अदालत को बताया कि लड़की के पिता ने एफआईआर दर्ज कराई थी। एक सुसाइड नोट मिला है। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

खबर संक्षेप

भारी बारिश से चीन में भूस्खलन, चार की मौत

बीजिंग। चीन के हेबेई प्रांत में भारी बारिश के चलते भूस्खलन की घटना में चार लोगों की मौत

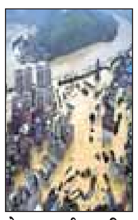

हो गई जबकि 8 अब भी लापता हैं। बीजिंग में जल स्तर बढ़ने से बाढ़ की आशंका जताई गई है। प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। चीन के हेबेई प्रांत में सोमवार को भारी बारिश के बाद भूस्खलन की बड़ी घटना हुई है, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई है और आठ अन्य अब भी लापता हैं।

जर्मनी में ट्रेन पटरी से उतरी, तीन की मौत

बर्लिन। दक्षिणी जर्मनी में रविवार को एक क्षेत्रीय यात्री ट्रेन के पटरी से उतर जाने से कम से

कम तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 41 अन्य घायल हो गए। जांचकर्ताओं का मानना है कि भारी वर्षा के कारण भूस्खलन हुआ और उसके चलते ट्रेन पटरी से उतर गई। म्यूनिख से लगभग 158 किलोमीटर दूर पश्चिम में रीडलिंगन के निकट एक वन क्षेत्र में रविवार शाम 'डॉयचे बान' ट्रेन के कम से कम दो डिब्बे पटरी से उतर गए। ट्रेन में 100 से अधिक लोग सवार थे।

चीनी नागरिकों पर हमले के 3 आतंकवादी ढेर

कराची। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने पिछली रात तीन संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया

जिनपर पिछले साल कराची में चीनी नागरिकों पर हमले की साजिश रचने का आरोप था। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पिछले साल कराची में आतंकवादी हमले में एक कपड़ा मिल में काम कर रहे दो चीनी नागरिक घायल हो गए थे। आतंकवाद निरोधक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आजाद खान ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में नवंबर 2024 के हमले का कथित मास्टरमाइंड भी शामिल है।

इसरो अध्यक्ष डॉ. वी नारायणन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा

इसरो-नासा का संयुक्त उपग्रह 30 जुलाई को होगा लॉन्च आपदा प्रबंधन में मददगार, पूरी दुनिया को होगा फायदा

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर एक अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह विकसित किया है, जिसे 30 जुलाई को लॉन्च किया जाएगा। इस उपग्रह को भारत में निर्मित जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के जरिए 740 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा।

यह उपग्रह खराब मौसम, बादलों और बारिश के बावजूद दिन-रात पृथ्वी की स्पष्ट तस्वीरें लेने में सक्षम होगा। इसका उपयोग भूस्खलन, प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन की निगरानी के लिए किया जाएगा। इसरो अध्यक्ष डॉ. वी नारायणन ने चेन्नई हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में बताया कि यह उपग्रह केवल भारत और अमेरिका ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए उपयोगी होगा। उन्होंने बताया कि इसरो फिलहाल 55 उपग्रहों का संचालन कर रहा है और आने वाले चार वर्षों में इन्हें तीन अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित करने की योजना है। नारायणन ने सूर्य के अध्ययन के लिए भेजे गए आदित्य एल1 मिशन की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह उपग्रह 26 जनवरी को 1.5 किलोग्राम वजन के साथ लॉन्च किया गया था और इसने सूर्य से जुड़े अहम डेटा इसरो को भेजे हैं, जिनका वैज्ञानिक विश्लेषण जारी है।

यह उपग्रह 740 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित होगा। यह एक अत्याधुनिक रडार उपग्रह है, जो बादलों और बारिश के बावजूद 24 घंटे पृथ्वी की तस्वीरें ले सकता है। यह उपग्रह भूस्खलन, आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन की निगरानी में मदद करेगा।

1. चंद्रयान-5 मिशन भारत और जापान का संयुक्त प्रोजेक्ट होगा
2. प्रोजेक्ट चंद्रमा की सतह पर 100 दिनों तक काम करेगा
3. पूर्व में यह उपग्रह 26 जनवरी को 1.5 किलोग्राम वजन के साथ लॉन्च किया गया था

इसरो इसे पूरी तरह सफल बनाने को प्रतिबद्ध

मानव मिशन की तैयारियों पर बात करते हुए नारायणन ने बताया कि इस साल दिसंबर में एक मानवरहित मिशन लॉन्च किया जाएगा। अगर यह सफल होता है, तो अगले साल दो और मानवरहित मिशन भेजे जाएंगे। प्रधानमंत्री की ओर से घोषित योजना के अनुसार, मार्च 2027 में भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन लॉन्च किया जाएगा, जिसके लिए श्रीहरिकोटा में पहला प्रक्षेपण वाहन तैयार किया जा रहा है। इसरो प्रमुख ने चंद्रयान-4 मिशन के प्रति भी उत्साह जताया। यह मिशन चंद्रमा की सतह से नमूने लाने के लिए होगा और इसरो इसे पूरी तरह सफल बनाने को प्रतिबद्ध है। इसके बाद चंद्रयान-5 मिशन भारत और जापान का संयुक्त प्रोजेक्ट होगा, जो चंद्रमा की सतह पर 100 दिनों तक काम करेगा।

भारत की सतत विकास लक्ष्यों की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया

यूएन में भारत ने पेश की तीसरी एसडीजी रिपोर्ट, गरीबी, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल विकास में उल्लेखनीय प्रगति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने 23 जुलाई 2025 को संयुक्त राष्ट्र के इकोनॉमिक एंड सोशल काउंसिल द्वारा आयोजित उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच पर भारत की तीसरी स्वैच्छिक राष्ट्रीय समीक्षा (वीएनआप) रिपोर्ट प्रस्तुत की। यह रिपोर्ट भारत की सतत विकास लक्ष्यों एसडीजीएस (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल रिपोर्ट) की दिशा में की गई प्रगति का व्यापक लेखा-जोखा है। यह रिपोर्ट देश की यूएन 2030 एजेंडा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस रिपोर्ट में सरकार और समाज दोनों के समन्वय से किए गए प्रयासों को प्रमुख रूप से दर्शाया गया है। नीति आयोग के नेतृत्व में तैयार की गई इस रिपोर्ट में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, नागरिक समाज, विकास भागीदारों और निजी क्षेत्र की भागीदारी से एक समावेशी प्रक्रिया अपनाई गई। यूएनडीपी ने राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों में एसडीजी समन्वय और त्वरित कार्यान्वयन केंद्र स्थापित करने में सहयोग किया है।

भारत की सतत विकास लक्ष्यों एसडीजीएस की दिशा में की गई प्रगति का व्यापक लेखा-जोखा है। यह रिपोर्ट देश की यूएन 2030 एजेंडा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उद्देश्य समावेशी, नवाचारी और सशक्त भारत का निर्माण करना

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप ईकोसिस्टम बना

भारत ने सतत विकास के कई क्षेत्रों में उपलब्धियों को प्रस्तुत किया

स्वैच्छिक राष्ट्रीय समीक्षा की रिपोर्ट में पिछले एक दशक में भारत द्वारा सतत विकास के कई क्षेत्रों में किए गए निर्णायक कदमों और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक गरीबी उन्मूलन के तहत लगभग 24.8 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी (एमपीआई) से बाहर निकले हैं। खाद्य सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने करोड़ों लोगों को पोषण सहायता दी। अभियान और आयुष्मान भारत ने पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर सुविधाएं पहुंचाई हैं।

योजनाएं भारत की ऊर्जा संक्रमण को गति देगी

स्वच्छ ऊर्जा के लिए नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, पीएम-कुसुम और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली स्कीम जैसी योजनाएं भारत की ऊर्जा संक्रमण को गति दे रही हैं। आर्थिक नवाचार में भारत अब विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। वहीं, पीएम गतिशक्ति 'मेक इन इंडिया' और राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास कार्यक्रम जैसी योजनाएं अगली पीढ़ी की आधारभूत संरचना तैयार कर रही हैं। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना डीपीआई के निर्माण में भारत ने जनधन-आधार-मोबाइल जेएएम ट्रिनिटी के जरिए वैश्विक मॉडल स्थापित किया है, जिससे पारदर्शी और समावेशी सेवा वितरण हुआ है। इसके अलावा, एसडीजी इंडिया इंडेक्स, पूर्वोत्तर क्षेत्र जिला इंडेक्स और राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक जैसे टूल्स के जरिए डेटा आधारित प्रशासन को और मजबूत किया गया है। आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रमों के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक सरकारी सेवाएं पहुंचाने पर जोर दिया गया है।

उद्देश्य नवाचारी और सशक्त भारत का निर्माण करना

व्हीएनआर रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि भारत अब ग्लोबल साउथ सहयोग में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिससे विकासशील देशों के लिए संस्थागत और क्षमता निर्माण सहयोग को बढ़ावा मिल रहा है। भारत का यह दृष्टिकोण उसके दीर्घकालिक विजन "विकसित भारत@2047" के साथ जुड़ा हुआ है, जिसका उद्देश्य देश की आजादी के 100 साल पूरे होने तक समावेशी, नवाचारी और सशक्त भारत का निर्माण करना है।

ऑपरेशन महादेवः सेना को मिली बड़ी कामयाबी

हरवान में तीन आतंकी ढेर, पहलगाम हमले से जुड़े हो सकते हैं दहशतगर्द

एजेंसी ▶▶ जम्मू

श्रीनगर के हरवान इलाके में जारी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। वही तीन आतंकवादियों को मार गिराया है। बता दे कि आतंकियों के खिलाफ इस कार्रवाई को ऑपरेशन महादेव नाम दिया गया है। माना जा रहा है कि इस ऑपरेशन में जिन आतंकियों को ढेर किया गया है, उनका संबंध पहलगाम में हुए आतंकी हमले से है।

इस ऑपरेशन में अब तक तीन आतंकियों को मार गिराया है। ये आतंकी लंबे समय से सक्रिय और वांछित थे। मुठभेड़ अब भी जारी है, इलाके में सर्च ऑपरेशन चल रहा है।

सुरक्षा बल पूरी सतर्कता से अभियान को अंजाम दे रहे हैं। श्रीनगर जिले के हरवन इलाके में सोमवार को एक कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन के दौरान गोलीबारी की आवाजें सुनाई दीं। जंगल क्षेत्र में संदिग्ध आतंकियों की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने घेराबंदी की। जबकि दो आतंकियों के घायल होने की खबर है। इस अभियान में 50 राष्ट्रीय राइफल्स आरआर, 24 आरआर, श्रीनगर पुलिस और सीआरपीएफ की टीमें शामिल हैं।

सैनिकों का सर्च ऑपरेशन जारी

सेना की चिनार कोर ने बताया कि तीन आतंकियों को एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया है, ऑपरेशन अब भी जारी है। मारे गए आतंकियों की पहचान और उनका किस संगठन से संबंध था, इसका पता लगाया जा रहा है। यह ऑपरेशन उन आतंकियों की तलाश में शुरू किया गया था, जो अप्रैल में पहलगाम हमले में शामिल हो सकते हैं, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। हाल के खुफिया इनपुट में यह संकेत मिला था कि संदिग्ध आतंकी दाछिगाम की ओर बढ़ सकते हैं। सोमवार सुबह हरवान के मुलनार इलाके में खुफिया सूचना के आधार पर अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान गोलियों की आवाजें सुनी गईं। इसके बाद अतिरिक्त सुरक्षाबल मौके पर भेजे गए और तलाशी अभियान तेज कर तीन आतंकियों को मार गिराया गया।

वीर नारियों और शहीदों की पत्नियों के समूह ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में एक बैठक के दौरान वीर नारियों और शहीद सैनिकों की विधवाओं के एक समूह के साथ मुलाकात की।

दोनों देशों ने युद्धविराम पर सहमति व्यक्त की

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीजफायर मलेशियाई प्रधानमंत्री ने की घोषणा

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच पिछले कई दिनों से चल रहे सीमा संघर्ष पर अब विराम लग गया। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने घोषणा की कि दोनों देशों ने बिना किसी शर्त के तत्काल प्रभाव से युद्धविराम (सीजफायर) पर सहमति व्यक्त की है। यह फैसला मलेशिया की मध्यस्थता की पेशकश के बाद हुआ, जिसका उद्देश्य सीमा क्षेत्र में बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करना था। अनवर इब्राहिम ने इसे दोनों देशों द्वारा शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताया।

पिछले सप्ताह शुरू हुए इस संघर्ष में थाईलैंड और कंबोडिया ने

एक-दूसरे पर हमले शुरू करने के आरोप लगाए थे। हालात इतने बिगड़े कि दोनों देशों ने भारी तोपखाना और हवाई हमलों का इस्तेमाल किया। इस झड़प में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि इंफ्रास्ट्रक्चर को भी नुकसान पहुंचा है। इस बीच, कई देशों ने अपने नागरिकों को प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहने और दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी थी। वही पिछले पांच दिनों से जंग जारी थी।

नेतन्याहू के लिए गले की हड्डी बने हूती, कहा- गाजा पर हमला नहीं रोका तो हर इजराइली जहाज को उड़ाएंगे

गाजा में राहत की घोषणा

एजेंसी ▶▶ सना

यमन के हूती विद्रोहियों ने चेतावनी दी है कि अब वे इजराइल को निशाना बनाएंगे। यह धमकी रेड सी और अन्य समुद्री मार्गों परतनाव के बीच आई है। हूतियों ने कहा कि जब तक गाजा पर इजराइली हमले नहीं रुकते, उनका सैन्य अभियान जारी रहेगा। इससे वैश्विक समुद्री व्यापार और सुरक्षा पर गहरा असर पड़ सकता है।

यमन के हूती विद्रोहियों ने एर्क बार फिर इजराइल और उसके समर्थन वाले जहाजों को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। हूतियों ने साफ कहा है कि अब वे इजराइल से जुड़े हर जहाज को अपना निशाना बनाएंगे, यह बयान ऐसे समय आया है जब रेड सी और अरब सागर में पहले ही हूतियों के हमलों से समुद्री परिवहन में रुकावटें आ रही हैं।

अमेरिकी और ब्रिटिश जहाजों को चेतावनी दी थी

हूती प्रवक्ता याह्या सारी ने रविवार को एक वीडियो बयान में कहा कि इजराइल से जुड़े सभी कमर्शियल, तेल या हथियार ले जाने वाले जहाज अब उनके रडार पर हैं। उन्होंने कहा कि जब तक गाजा पर इजराइल हमले बंद नहीं होते, तब तक वे अपने 'सैन्य प्रतिरोध' को जारी रखेंगे। इससे पहले भी उन्होंने अमेरिकी और ब्रिटिश जहाजों को चेतावनी दी थी, लेकिन अब उन्होंने अपने दायरे को और बढ़ा दिया है।

समुद्री परिवहन पर मंडराया संकट

हूतियों की धमकी से अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों में चिंता बढ़ गई है। पिछले कुछ महीनों में कई जहाज हूतियों के ड्रोन और मिसाइल हमलों का शिकार हुए हैं, जिनमें भारतीय और फिलीपीन मूल के नाविक भी घायल हुए हैं। इसके चलते कई बड़ी कंपनियों ने रेड सी और बाब अल-मंडब जलडमरूमध्य से गुजरना बंद कर दिया है।

खतराः वैज्ञानिकों ने किया खुलासा, एलियन का यान पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है

तूफानी रफ्तार से बढ़ रहा विशालकाय 'एलियन शिप', नवंबर में टक्कर की चेतावनी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

मौजूदा साल, 2025 को लेकर वैज्ञानिकों ने बड़ा दावा किया है। यह दावा एलियंस के धरती पर आने से जुड़ा है। साल 1996 में अपने निधन से पहले बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि 2025 में पृथ्वी का एक अलौकिक जीवन से संपर्क होगा। ये भविष्यवाणी सच साबित हो सकती है क्योंकि वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एलियन का यान पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है।

खगोलविदों ने पुष्टि की, 15 मील व्यास का घूमकेतू हो सकता है

तीन एक्सपर्ट ने अपने शोधपत्र में यह प्रस्तावित किया

क्या है ये विशाल वस्तु

रिपोर्ट के मुताबिक, एक जुलाई को 3 आई एटलस नाम की इस वस्तु का पता चला है। यह 1,30,000 मील प्रति घंटे से भी ज्यादा की रफ्तार से सूर्य की ओर बढ़ रही है। खगोलविदों ने पुष्टि की है कि इसकी उत्पत्ति हमारे सौर मंडल के बाहर से हुई है। शुरुआती जांच से पता चला है कि यह 15 मील व्यास का एक धूमकेतु हो सकता है, जो अमेरिकी शहर मैनहट्टन से भी बड़ा है। इनिशिएटिव फॉर इंटरस्टेलर स्टडीज के शोधकर्ता एवी लोएब, एडम हिबर्ड और एडम क्राउल का कहना है कि यह कोई धूमकेतु नहीं है। इन तीनों एक्सपर्ट ने अपने शोधपत्र में यह प्रस्तावित किया है ।

वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

वैज्ञानिकों की टीम ने चेतावनी दी है कि एलियंस का एक अंतरिक्ष यान पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। यह यान इसी साल नवंबर में धरती पर हमला कर सकता है। यह यान आकार में किसी शहर जितना बड़ा है और तेजी से पृथ्वी की तरफ बढ़ रहा है।

खगोलभौतिकीविद लोएब ने दिया तर्क

हार्वर्ड के खगोलभौतिकीविद् लोएब का तर्क है कि 3 आई एटलस में कई असामान्य विशेषताएं हैं। इसमें एक अनोखा प्रक्षेप पथ और असाधारण रूप से तेज गति शामिल है। लोएब ने कहा कि सौर मंडल में इस वस्तु का मार्ग इसे बृहस्पति, मंगल और शुक्र के करीब से गुजरने की अनुमति देता है। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि नवंबर में जब 3 आई एटलस सूर्य के सबसे नजदीकी बिंदु पर पहुंचेगा तो यह अस्थायी रूप से पृथ्वी की नजरों से ओझल हो जाएगा। लोएब का सुझाव है कि यह दूरबीनों से बचने के लिए एक जानबूझकर उठाया गया कदम हो सकता है। यह वह वह क्षण होगा, जब एलियन तकनीक हमारे ग्रह की ओर भेजी जा सकती है। अगर 3 आई एटलस वाकई एक तकनीकी कलाकृति है तो यह डार्क फॉरेस्ट परिकल्पना का समर्थन कर सकती है। ऐसा एलियन संभावित खतरों से बचने के लिए करते हैं। लोएब चेतावनी देते हैं कि यह स्थिति निगरानी के साथ संभावित एलियन हमले का पूर्वाभास भी हो सकती है।

हमलावर ने खुद को मारी गोली

बैंकॉक के मार्केट में अंधाधुंध गोलीबारी से 6 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के पास एक मार्केट में सोमवार को एक व्यक्ति ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में हमलावर भी शामिल है, जिसने खुद को गोली मार ली। रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना शहर के चाटुचक जिले में स्थित ओर टोर कोर मार्केट में हुई। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार हमलावर ने गोलीबारी के बाद अपनी जान ले ली। पुलिस उसकी पहचान करने के साथ-साथ थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहे सीमा संघर्षों से किसी भी संभावित संबंध की जांच कर रही

है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में कथित तौर पर शूटर को मौके पर देखा गया है, जिसमें एक व्यक्ति हाथ में बंदूक लिए घूमता दिख रहा है।

एक अन्य कथित वीडियो में बैंकॉक में गोलीबारी की घटना के बाद मार्केट में अफरा-तफरी का माहौल दिखाया गया है।

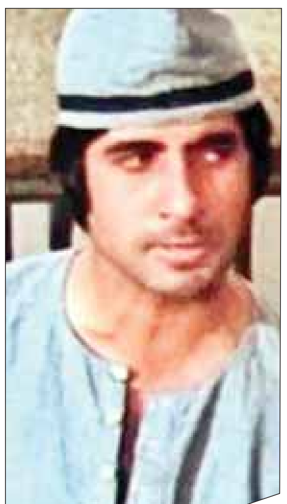

अमिताभ ने शेयर की फिल्म शोले की पुरानी टिकट

मुंबई। दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग और सोशल मीडिया पर अक्सर दिलचस्प बातें शेयर करते हैं। हाल ही में उन्होंने एक फिल्म की टिकट का फोटो शेयर किया है। यह टिकट उन्ही की फिल्म शोले का है। इसकी कीमत 20 रुपए है। अमिताभ ने सोमवार सुबह अपने निजी ब्लॉग पर अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें से एक में टिकट भी था। अभिनेता ने बताया कि आज एक पेय की कीमत उतनी ही है, जितनी पहले टिकटों की होती थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा शोले का टिकट संभाल कर रखा गया है। इसकी कीमत 20 रुपए है। मुझे बताया गया है कि आजकल सिनेमाघरों में एक ड्रिंक की कीमत यही है।

लाइफ Style

मेधा

बॉर्डर 2 में बनेंगी वरुण धवन की प्रेमिका

फ्राइडे नाइट प्लान, इश्क इन द एयर, डांसिंग ऑन द ग्रेव और लंदन फाइल्स में अपने दमदार अभिनय से सबको चौंकाने वाली अभिनेत्री मेधा राणा बॉर्डर 2 में बॉलीवुड स्टार वरुण धवन की प्रेमिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मेधा के चुनाव को लेकर निर्माता भूषण कुमार ने कहा, 'हमारे लिए किसी ऐसी अभिनेत्री को ढूंढना बेहद जरूरी था जो स्वाभाविक रूप से उस क्षेत्र की भाषा, भाव और असली माहौल को फिल्म में सही तरीके से दिखा सके। मेधा ने अपनी काबिलियत से सबको प्रभावित किया, खासकर क्षेत्र की बोली, बोलने के तरीके, और अभिनय में भावों की गहराई ने सभी को चौंका दिया। हमें पूरा विश्वास है कि मेधा इस रोल में बिल्कुल परफेक्ट है।' बता दें कि मेधा सैन्य परिवार से आती है। प्रोड्यूसर निधि दत्त ने कहा कि बॉर्डर 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक भावना है। इसमें गहरा एहसास और अटूट जज्बा है। मेधा को कास्ट करने के बारे में उन्होंने कहा, 'फिल्म में डायरेक्टर से लेकर सभी कलाकारों का चुनाव इस वजह से किया गया है ताकि एक ऐसी कहानी दिखाई जा सके जो सच्ची और प्रेरणादायक लगे। मेधा राणा और वरुण धवन साथ मिलकर फिल्म में एक नई ताजगी लाएंगे, यह जोड़ी कहानी को खूबसूरत बना देगी। मेधा राणा की उम्र 24 साल बताई जा रही है। उनका जन्म 25 दिसंबर 1999 को गुरुग्राम में हुआ है। हालांकि, उनकी पढ़ाई-लिखाई चंडीगढ़ और बेंलगुरु में हुई है।

हॉलीवुड मसाला

स्टेज शो में अचानक उतर गई स्कर्ट

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सिंगर और एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज ने 25 जुलाई को पोलैंड के वारसॉ में अपना कॉन्सर्ट कर रही थीं। इसी दौरान ये हादसा हुआ। जेनिफर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में जेनिफर स्टेज पर अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस दे रही थीं। इस दौरान सिंगर ने एक गोल्डन कलर की शॉर्ट स्कर्ट पहली थी, जो अचानक ही स्टेज पर सबके सामने ढीली होकर नीचे गिर गई। इससे वो काफी घबरा जाती हैं, लेकिन जेनिफर ने वार्डरोब मालफंक्शन को बहुत ही अच्छे से हैंडल किया।

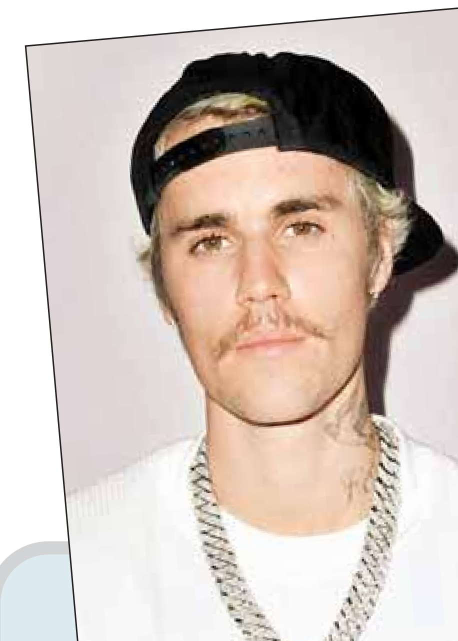

सैयारा के टाइटल ट्रैक ने जस्टिन बीबर को पछाड़ा

मुंबई। आईएमडीबी की टॉप 10 सिलेब्रिटीज में मोहित सूरी के साथ-साथ 'सैयारा' के कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा ने भी टॉप पर जगह बना ली है। हॉलीवुड गानों की और यहां भी सैयारा ने ही बाजी मार ली है। अहान और अनीत की ये फिल्म दुनिया भर में तहलका मचाए हैं। इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि सैयारा ने जस्टिन बीबर, बिली इलिश, ब्लैकपिंक और ब्रूनो मार्स जैसे सितारों को भी पछाड़ दिया है। सैयारा की सफलता का सिलसिला अभी थमता नहीं दिख रहा। फहीम अब्दुल्ला द्वारा गाए और हिटमेकर तनिष्क बागची के लिखे इस फिल्म के टाइटल ट्रैक ने न केवल भारतीय रेडियो पर धूम मचाई है, बल्कि दुनिया भर के ऑडियंस का दिल भी जीत लिया है। सैयारा का टाइटल ट्रैक ऑफिशियली स्पॉटिफाई के ग्लोबल वायरल 50 चार्ट में टॉप पर पहुंचने वाला पहला भारतीय सॉन्ग बन गया है।

देवदास देख लिया अभिनेत्री बनने का फैसला

नई दिल्ली। एली अवराम उन चुनिंदा एक्ट्रेसेज में से हैं जो बाहर से भारत आईं और यहां अपने दम पर पहचान बनाई। उनकी खूबसूरती, डांस और मासूमियत ने लोगों को खूब पसंद आया। फिल्म किस किसको प्यार करूं और रियलिटी शो बिग बॉस से उन्होंने बॉलीवुड में अच्छी पहचान बनाई। एली का जन्म 29 जुलाई 1990 को स्वीडन के स्टॉकहोम में हुआ था। वो स्वीडिश-ग्रीक मूल की हैं। बचपन से ही उन्हें डांस और एक्टिंग का शौक था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि जब वो सिर्फ 14 साल की थीं, तब उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म देवदास देखी थी। उसी दिन उन्होंने सोच लिया था कि उन्हें बॉलीवुड में काम करना है। एली अवराम टूरिस्ट वीजा लेकर बॉलीवुड में यानी मुंबई में आई थीं। यहां उन्होंने हिंदी बोलना सीखा, ऑडिशन दिए और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में जगह बना ली।

वॉर-2 की रिलीज से पहले हो गई बंपर कमाई

नई दिल्ली। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की मोस्ट अवेटेड फिल्म वॉर 2 को लेकर बॉलीवुड में काफी क्रेज है। कहा जा रहा है कि 400 करोड़ में बनने वाली ये फिल्म 15 अगस्त के मौके पर रिलीज होने जा रही है। एक तरफ जहां वॉर 2 ने रिलीज से पहले ही लोगों में इसे देखने का क्रेज बढ़ता जा रहा है वहीं, फिल्म ने रिलीज होने से पहले ही मेकर्स की लॉटरी निकाल दी है। दरअसल, वॉर 2 के तेलुगु वर्जन को मेकर्स ने 90 करोड़ रुपए में बेचने में कामयाबी हासिल की है। कहा जा रहा है कि टॉलीवुड के मशहूर फिल्म मेकर नागा वामसी ने वॉर 2 के तेलुगु वर्जन के राइट्स 90 करोड़ में खरीद लिए हैं। ऐसे में सबसे ज्यादा फायदा जूनियर एनटीआर को होता दिख रहा है, क्योंकि अगर फिल्म हिट होती है तो जूनियर एनटीआर नागा वामसी के साथ हैट्रिक लगाते दिखेंगे।

टीवी मसाला

1000 एपिसोड पार करने वाला पहला शो था 'एक महल हो सपनों का'

नई दिल्ली। एक वक्त ऐसा था, जब लोग टीवी से चिपके रहते थे। उस पर आने वाले सभी धारावाहिकों को चाव से देखते थे। वह उन सीरियल में इतना घुल जाते थे कि उस कहानी को सच मान बैठते थे। उसके साथ ही हंसते थे और उसके साथ ही रो पड़ते थे। एक धारावाहिक कई सालों तक चलते थे, जिनसे ऊब भी नहीं होती थी। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'कहानी घर घर की' जैसे डेली सोप ने टीवी की दुनिया में लंबे समय अपनी धाक जमाए रखी। लेकिन इसके पहले भी एक शो आया था, जिसने इसे टक्कर दी थी। और 1000 एपिसोड पूरा करने का रिकॉर्ड बनाया था। उसने इतिहास रचा था। हम बात कर रहे हैं सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर आने वाले शो 'एक महल हो सपनों का' की। यह शो अपने समय का सबसे लंबे समय तक चलने वाला भारतीय टीवी धारावाहिक माना जाता था। ये 25 जनवरी, 1999 को शुरू हुआ था और 29 नवंबर, 2002 को ऑफ एयर हुआ था। यह कुल 2 साल और 10 महीने तक चला था। 'एक महल हो सपनों का' शो हिट गुजराती सीरीज 'सपना ना ववेतार' का हिंदी रीमेक था, जो 1996 से 1997 तक डीडी गुजराती पर आता था। हिंदी वाला धारावाहिक, उससे ज्यादा समय तक टीवी पर प्रसारित हुआ था। शो के डायरेक्टर विपुल शाह ने 'दैनिक भास्कर' को बताया था कि दर्शक शो के सभी किरदारों से बहुत ज्यादा कनेक्टेड हो गए थे। 'क्रेज इतना ज़्यादा था कि लोग सिर्फ़ इस शो को देखने के लिए अपनी दुकानें बंद कर देते थे।'

कैरी का किरदार निभाने से मेरे अभिनय में निखार आया : आशी सिंह

मुंबई। सोनी सब का शो 'उफ्फ ये लव है मुश्किल' प्यार की जटिलताओं को बारीकी से पेश करता आ रहा है। इस कहानी के केंद्र में हैं युग सिन्हा (शब्बीर आहलूवालिया) — एक प्रतिभाशाली लेकिन भावनात्मक रूप से

संयमित वकील, जो अपने जज्बातों से खुद को बचाकर रखता है। वहीं दूसरी ओर हैं कैरी शर्मा (आशी सिंह) — एक संवेदनशील और जोशीली लॉ स्टूडेंट जो प्यार में पूरा विश्वास रखती है, लेकिन अपने भीतर चल रहे भावनाओं के तूफान में उलझी हुई है। इस खास बातचीत में आशी सिंह ने अपने किरदार कैरी को निभाने के दौरान हुए भावनात्मक उतार-चढ़ाव, व्यक्तिगत जुड़ाव और एक कलाकार के रूप में अपने विकास पर खुलकर बात की।कैरी एक बहुआयामी किरदार है मजबूत भी और संवेदनशील भी। एक कलाकार के तौर पर उसकी यात्रा में सबसे चौंकाने वाली बात क्या रही?जब मैंने कैरी के किरदार पर काम शुरू किया और स्क्रिप्ट पढ़नी शुरू की, तब मुझे लगा कि उसमें सिर्फ दो प्रमुख भावनाएं हैं।

पौराणिक एक्शन फिल्म महावतार नरसिम्हा ने मचाई धूम ...

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर सैयारा के तूफानी प्रदर्शन के बीच 25 जुलाई को सिनेमाघरों में एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई, जिसने दर्शकों के दिलों में सीधे जगह बना ली और उस फिल्म का नाम है 'महावतार नरसिंह'। यह फिल्म पिछले तीन दिनों से लगातार हाउसफुल चल रही है। सैयारा को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। महज 35-40 करोड़ में बनकर तैयार हुई इस फिल्म ने अब तक वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कुल 372.71 करोड़ की कमाई कर तहलका मचा दिया है। वहीं, सैयारा के बाद 25 जुलाई को रिलीज हुई एनिमेटेड फिल्म 'महावतार नरसिंह' ने भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की। पहले दिन से लेकर अब तक यह फिल्म सिनेमाघरों में हाउसफुल चल रही है। इस फिल्म को देखने लोग अपने पूरे परिवार के साथ सिनेमाघर पहुंच रहे हैं। पहले दिन जहां इस फिल्म की कुल कमाई 1.35 करोड़ हुई थी, वहीं दूसरे दिन 3.25 करोड़ और फिर दिन यानी रविवार को इसकी कमाई लगभग 6.50 करोड़ रही। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हिंदी में 'महावतार नरसिम्हा' का तीन दिनों का कुल कलेक्शन अब 11.35 करोड़ रुपए हो गया है। 'महावतार नरसिम्हा' एक महाकाव्य पौराणिक एक्शन फिल्म है, जिसका निर्देशन अश्विन कुमार ने अपने निर्देशन में किया है। यह फिल्म जयपूर्ण दास द्वारा लिखित और क्लेम प्रोडक्शंस व होम्बले फ़िल्म्स द्वारा निर्मित है।

यह फिल्म राक्षस हिरण्यकश्यप पर केंद्रित है, जो भगवान विष्णु से बदला लेना चाहता है और स्वयं को भगवान घोषित करता है। उसका पुत्र, प्रह्लाद, विष्णु का भक्त है। राक्षस को हराने और संतुलन बहाल करने के लिए विष्णु नरसिंह के रूप में प्रकट होते हैं।

आशीर्वाद ने मेरे हृदय को शांति से भर दिया : सनी देओल

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच सनी ने सोमवार सोशल मीडिया हैंडल पर दलाई लामा के साथ एक शानदार तस्वीर शेयर की है। इस खास तस्वीर के साथ सनी ने एक भावुक नोट भी लिखा है। सनी देओल ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी और दलाई लामा की एक खास तस्वीर शेयर की है। इस शानदार तस्वीर के साथ सनी ने कैप्शन में बेहद ही भावुक नोट लिखा, 'बहुत सम्मान और कृतज्ञता का पल। लद्दाख की शांत वादियों में परम पावन दलाई लामा से मुलाकात हुई। उनकी मौजूदगी, ज्ञान और आशीर्वाद ने मेरे मन को शांति दी। यह पल सचमुच अविस्मरणीय है।' सनी की इस खास पोस्ट के बाद फैंस ने भी जमकर कमेंट कर अपना प्यार बरसाया है। एक फैन ने लिखा, मेरा असली हीरो, एक फैन ने लिखा, सनी पाजी जय श्री राम, एक फैन ने लिखा, वाह...शानदार...आपसे बहुत प्यार करता हूं, एक फैन ने लिखा, ये वो हाथ हैं, जिन्होंने पाकिस्तान का हैंडपंप उठाया था, इन हाथों को सलाम पालजी, लव यू, एक फैन ने लिखा, गुरु से बड़ा ना कोई होए, एक फैन ने सनी की फिल्म गदर का डायलॉग लिखा, हिंदुस्तान जिंदाबाद था, जिंदाबाद है और जिंदाबाद रहेगासनी देओल आखिरी बार फिल्म 'जाट' में नजर आए

थे। अब सनी जल्द ही 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे। यह फिल्म 23 जनवरी, 2026 को रिलीज हो सकती है। इस फिल्म में सनी देओल के अलावा दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, और वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। यह भारतीय सशस्त्र बलों की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म है।

ये फिल्में न केवल मनोरंजक हैं, बल्कि सोचने पर भी करती हैं मजबूर

ओटीटी पर हिंदी में देखिए दिमाग को झकझोर देने वाली ये तमिल फिल्में

मुंबई। ओटीटी पर अगर आपकी तलाश कुछ ऐसे एक्शन और थ्रिलर ड्रामा की है, जो दिल और दिमाग पर छा जाए, तो जरा इन 5 फिल्मों पर गौर कीजिएगा। ये तमिल सुपरस्टार की धनुष की टॉप 5 फिल्में हैं, जो ओटीटी पर हिंदी में उपलब्ध हैं। वेंकटेश प्रभु कस्तूरी राजा उर्फ धनुष। कहना गलत नहीं होगा कि भारतीय सिनेमा में इस वक्त जितने भी सितारे हैं, धनुष उन सभी में किसी ध्रुव तारे की तरह हैं। वो, जो दिखने में भले ही 'आम' हो, लेकिन उसकी काबिलियत सबसे 'खास' है। वो, जो पर्दे पर खून-खराबा और एक्शन की बजाय, अपनी दिल छू लेने वाली एक्टिंग से मजमा लूटता है। वो, जो सफेद शर्ट और नीले पैंट में पीठ पर स्कूल बैग टांग लेता है, तो हर दिल 'कुंदन' बन जाता है। वो, जो 'शमिताभ' में गूंगा बनकर महानायक अमिताभ बच्चन को मात दे देता है। धनुष, वैसे तो तमिल फिल्मों में मुख्य रूप से काम करते हैं, लेकिन उन्हें पर्दे पर देखकर हिंदी के दर्शकों का भी दिल धड़कने लगता है। धनुष ने अपने फिल्मी कॅरियर में 50 से अधिक फिल्मों में काम किया है। चार बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुके हैं। इसमें दो बार एक्टर के तौर पर, तो दो बाद फिल्म निर्माता के रूप में। वह 14 बार सीमा अवॉर्ड, 8 बार फिल्मफेयर अवॉर्ड जीत चुके हैं। इतना ही नहीं, प्रतिष्ठति 'फोर्ब्स इंडिया' की 'सेलिब्रिटी 100' लिस्ट में 6 बार जगह पा चुके हैं।

वडा चेन्नई : धनुष के कॅरियर की सबसे तगड़ी रेटिंग वाली फिल्म 'वडा चेन्नई' है, जो साल 2018 रिलीज हुई थी। यह एक तमिल क्राइम ड्रामा है। फिल्म के राइटर और डायरेक्टर दिग्गज वेत्रिमारन हैं। 'वडा चेन्नई' का मतलब है उत्तरी चेन्नई। फिल्म में धनुष ने अंबू का किरदार निभाया है। कहानी के मुताबिक, अंबू एक जबरदस्त कैरम प्लेयर है। वह अपनी जिंदगी दोस्तों और इस खेल के साथ बड़ी सादगी से बिता रहा है। लेकिन जाने-अनजाने वह दो राइवल गैंगस्टर्स के बीच के गैंगवार में उलझ जाता है। इसके बाद कहानी में क्या होता है, यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी पड़ेगी।

असुरन : साल 2019 में रिलीज असुरन को अगर धनुष की अब तक की बेस्ट फिल्म कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। यह एक पीरियड एक्शन ड्रामा है। इस फिल् म को भी वेत्रिमारन ने ही डायरेक्ट किया है। कहानी एक उपन्यास 'वेक्कई' से ली गई है, जिसे पूमनी ने लिखा है। फिल्म में धनुष के साथ मंजू वारियर, केन करुणास और तीजय अरुणासलम मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म ने 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में दो अवॉर्ड जीते। पहला बेस्ट फीचर फिल्म का और दूसरा धनुष को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। 'असुरन' की कहानी एक वंचित जाति के किसान परिवार की है। इस किसान के बेटे से एक अमीर और ऊंची जाति के जमींदार की हत्या हो जाती है। फिल्म में आगे एक शांति की जिंदगी बिताने वाले किसान की अपने गुस्सैल बेटे को बचाने की जद्दोजहद है। लेकिन, मर्म, इतना ही नहीं है। यह फिल्म वर्ग संघर्ष, जाति और भेदभाव पर भी गहरी चोट करती है।

धनुष की वो फिल्में, जिन्हें देख आलोचक भी हो गए चुप

खैर, अब जब बात धनुष की हो रही है तो उनकी उन टॉप-5 फिल्मों की भी बनती है, जिसे सबसे अधिक प्यार मिला। ये वो फिल्में हैं, जिन्हें आईएमडीबी पर उनकी 50 से अधिक फिल्मों की लिस्ट में सबसे तगड़ी रेटिंग मिली है। ये वो फिल्में हैं, जिन्हें देखकर दर्शक तो दर्शक, फिल्म समीक्षक और आलोचक भी धनुष के मुरीद हो गए। खास बात ये है कि ये सभी 5 फिल्में ओटीटी पर हिंदी में उपलब्ध हैं।

कर्णन : 'असुरन' की तरह ही धनुष की 'कर्णन' भी जाति संघर्ष की कहानी बयां करती है। साल 2021 में रिलीज इस तमिल एक्शन ड्रामा के डायरेक्टर मारी सेल्वराज हैं। फिल्म में धनुष के साथ राजिशा विजयन, लाल, योगी बाबू, लक्ष्मी प्रिया चंद्रमौली और नट्टी सुब्रमण्यम भी हैं। कहानी के केंद्र में कर्णन है, जो एक छोटी जाति के समुदाय से ताल्लुक रखता है। हालात, कुछ ऐसे बनते हैं कि पुलिस कर्णन के समुदाय पर बर्बरता की हद तक जुल्म ढाती है। कर्णन अपने लोगों के अधिकार के लिए खड़ा होता है और न्याय की लड़ाई लड़ता है।

पुधुपेट्टई *: आईएमडीबी पर 'पुधुपेट्टई' धनुष की तीसरी फिल्म है, जिसे 8.4 रेटिंग मिली है। साल 2006 में आई यह एक तमिल क्राइम एक्शन फिल्म है। इसके राइटर और डायरेक्टर सेल्वाराघवन हैं। फिल्म में धनुष लीड रोल में हैं और उनका नाम कोक्की है। उनके अलावा सोनिया अग्रवाल और स्नेहा भी स्पोर्टिंग कास्ट में हैं। 'पुधुपेट्टई' एक झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले छात्र की कहानी है, जो रोजी-रोटी चलाने के लिए चेन्नई में एक खूंखार गैंगस्टर बन जाता है।*

आदुकलम *:'आदुकलम' धनुष की एक और बेजोड़ फिल्म है, जो बॉक्स ऑफिस पर पर भी सुपरहिट रही और जिसे समीक्षकों ने भी खूब तारीफ दी। साल 2011 में रिलीज इस तमिल ड्रामा के डायरेक्टरर वेत्रिमारन हैं। फिल्म में धनुष के साथ तापसी पन्नू हैं। यह तापसी की पहली फिल्म थी। इनके अलावा कास्ट में किशोर, वीआईएस जयपालन, नरेन नारायणन और मुरुगादॉस भी हैं। खास बात यह है कि 'आदुकलम' को 58वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में 6 अवॉर्ड्स मिले थे। 'आदुकलम' की कहानी में मुर्गों की लड़ाई है। इसमें पेरियासामी उर्फ पेट्टईकरन और इलाके का पुलिस इंस्पेक्टर रत्नास्वामी दो राइवल हैं। मुर्गों की लड़ाई में अक्सर पेट्टई ही जीतता है, क्योंकि वह मुर्गों की तगड़ी परख रखता है।*

मिलावट पर कार्यवाही करें, गड़बड़ी पाए जाने पर दुकानें सील करें

अवैध कालोनियों के नामांतरण राजस्व न्यायालय में नहीं होंगे : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में सोमवार को सभी एसडीएम और कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की बैठक लेकर प्रशासनिक व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी फील्ड में जाए और अवैधानिक गतिविधियों पर सख्त कार्यवाही करे। गरुण दल अपने दायित्वों का निर्वहन बिना किसी भय से करे। त्यौहारों का सीजन है, खाद्य, दूध और उससे बने उत्पादों में मिलावट पर कार्यवाही करे, गड़बड़ी पाए जाने पर दुकानें सील करे। इसके साथ अवैध कालोनियों पर भी कार्यवाही करे। कलेक्टर ने कहा कि अवैध कालोनियों के नामांतरण राजस्व न्यायालय में नहीं होंगे। इसके अलावा उन्होंने सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट से कहा कि नए सेट अप अंतर्गत राजस्व प्रकरणों के निराकरण प्राथमिकता से करे। बैठक में अपर कलेक्टर सु मिशा सिंह, नाथूराम गोंड सहित सभी राजस्व अधिकारी मौजूद थे।

आंतरिक समिति का करें गठन

कलेक्टर दीपक सक्सेना ने समस्त शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों में महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अन्तर्गत आंतरिक समिति गठित करने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि जिस कार्यालय में दस या दस से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहा आंतरिक समिति का गठन अनिवार्यतः किया जाना है एवं जिन कार्यालयों में पहले से समिति गठित है और उसका कार्यकाल 3 वर्ष पूर्ण हो चुका है, उनका पुनर्गठन किया जाये। कलेक्टर सक्सेना ने निर्देश दिये कि समिति के गठन में कर्मचारियों में से कार्यालय में वरिष्ठ पद पर कार्य करने वाली महिला पीठासीन होगी। यदि वरिष्ठ पद पर महिला नहीं है तो उसी नियोक्ता के अन्य कार्यालय, इकाइयों, विभाग एवं कार्यस्थल से महिला कार्मचारी को नामित किया जायेगा। कर्मचारियों में से महिलाओं की समस्याओं के लिए प्रतिबद्ध, सामाजिक कार्य अनुभव एवं कानूनी ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक सदस्य बाहरी होना चाहिए जिसमें सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाली अशासकीय संस्थाओं से जिन्हें अधिनियम की जानकारी हो और महिलाओं के मुद्दों के प्रति संवेदनशील हों। इस प्रकार नामनिर्देशित कुल सदस्यों में से कम से कम आधे सदस्य महिलाएं होंगी। कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि आंतरिक समिति का गठन कर इसकी जानकारी कलेक्ट्रेट स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग कक्ष क्रमांकः-107 पर हार्ड कॉपी एवं सॉफ्ट कॉपी में तथा कार्यालय की मेल आईडी पर शीघ्र प्रेषित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि किसी भी कार्यस्थल पर समिति गठित न होने की स्थिति में अधिनियम अनुसार नियोक्ता पर 50 हजार रूपये का जुर्माना लगाये जाने का प्रावधान भी है।

किसी भी स्थिति में जर्जर शाला भवनों में कक्षाएं नहीं लगेगी

कलेक्टर दीपक की अध्यक्षता में लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर सु मिशा सिंह, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत,एडीएम नाथूराम गोड सहित सभी अधिकारी मौजूद थे। बैठक कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन सहित सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें।उन्होंने विशेष रूप से कहा कि किसी भी स्थिति में जर्जर शाला भवनों में कक्षाएं नहीं लगेगी। उसके लिए अल्टरनेटिव व्यवस्था करें, सुरक्षित भवन में ही कक्षाएं लगाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों कहा जर्जर भवनों को चिन्हित कर उनकी संख्या बताएं। साथ ही कहा कि जर्जर भवनों के सुधार है या मरम्मत के लिए जो राशि जारी की गई थी, उसका क्या हुआ, जानकारी दी जाए। बैठक में सड़कों पर आवारा पशुओं के प्रबंधन पर भी चर्चा की गई और कहा कि नगर निगम अपने हांका गैंग को सक्रिय करें और आवारा पशुओं प्रबंधन कराए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को हांका गैंग में जोड़ने के लिए प्रेरित करें ताकि मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं को काम किया जा सके। इसके अलावा आधार बनाने में आ रही समस्याओं की निराकरण पर भी चर्चा की गई।

सूरजताल तालाब की हालत बहुत खराब

जबलपुर।

अनुविभागीय अधिकारी गोरखपुर द्वारा कलेक्टर को प्रस्तुत सूरजताल तालाब के बारे में रिपोर्ट में बताया गया है कि 14.96 एकड़ के इस तालाब में वर्तमान चालू नक्शा शीट में नक्शा बटांक नहीं है और मौके पर लगभग 160 से अधिक निर्माण पाये गये जो कई वर्षो से बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार तालाब की भूमि बांटी गयी, शासकीय भूमि भी बांटी गई है। आज कलेक्टर न्यायालय में इस रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए डॉ.पी.जी.नाजपांडे सुनवाई के दौरान बताया कि इस तालाब का सीमांकन किया गया है फिर भी अतिक्रमणों को चिन्हित नहीं किया गया है। डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने बताया कि इस रिपोर्ट को लगभग तीन वर्ष हो गये लेकिन फिर भी सूरजताल तालाब के बारे में अभी तक ठोस कार्यवाही नही की गयी है, नतीजा यह हुआ है कि इस ऐतिहासिक तालाब में सिर्फ गाजरघास और चौरयी नजर आती है। तालाब के आजू-बाजू में र्इंटों के भट्टे लगे रहते हैं, बस्ती का गंदा पानी इस तालाब में मिलता है।

160 अवैध निर्माण से ढका तालाब, कलेक्टर कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

नतीजा यह हुआ कि आज सूरजताल तालाब का पानी हाथ धोने लायक भी नहीं बचा है। कलेक्टर ने निर्देश जारी किये की इस तालाब के संबंध में अभी तक कार्यवाही क्यों नहीं की गई तथा अब तत्काल कार्यवाही कर तालाब को सुरक्षित किया जाये। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने निर्देश जारी किये कि गंगासागर तालाब के संबंध में की गई कार्यवाही की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। मामलों की अगली सुनवाई 11 अगस्त 2025 को तय की गई।

2 दिन में बनी सड़क 1 महीने में उखड़ी

जबलपुर।

शहर में नेताओं द्वारा लगाए गए विकास कार्यों के बड़े-बड़े बैनर और पोस्टर, कई बार वास्तविकता से कोसों दूर होते हैं। घमापुर चौक से लकड़गंज की ओर जाने वाली सड़क इसका ताजा उदाहरण है, जहां हाल ही में बनी सड़क महज एक महीने के भीतर ही उखड़ने लगी है। खास बात यह है कि इस सड़क को बनाने में 40 लाख रुपए खर्च किए गए, लेकिन इसके निर्माण की गुणवत्ता पर अब सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले 13 वर्षों से इस मार्ग पर पक्की सड़क की मांग की जा रही थी। जून 2025 में आखिरकार नगर निगम द्वारा सड़क निर्माण की घोषणा की गई और स्थानीय नेताओं ने पूरे मार्ग पर भूमिपूजन के बैनर और पोस्टर लगाकर इसे अपने खाते में डालने की कोशिश की। 7 जून को जनता के लिए सड़क को खोल दिया गया।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि निर्माण एजेंसी ने सड़क को सिर्फ दो दिन में बना दिया था। डामर से बनी इस सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि झाड़ू लगाने पर गिट्टियां अलग हो जाती हैं। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो चुके हैं और डामर की परतें उखड़ चुकी हैं।

घमापुर से लकड़गंज तक बनी 40 लाख की सड़क के धुर्रे उड़े

घटिया सड़क निर्माण को लेकर लोगों में भारी नाराजगी है। कई लोगों ने सड़क की हालत की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर नेताजी के बैनरों की तुलना सड़क की हालत से की। जहां सड़क की परतें उड़ गई हैं, वहीं एमआईसी के नेताजी के बैनर अब भी "चमकते" नजर आ रहे हैं।

सड़क किनारे लगे पोस्टरों के अनुसार, इस निर्माण कार्य की लागत 40 लाख रुपए बताई गई है। इतनी बड़ी राशि खर्च करने के बाद भी सड़क महज एक महीने में ध्वस्त हो गई।

सड़क निर्माण की जिम्मेदारी नगर निगम के अधीन थी, लेकिन जिस तरह से इसे दो दिन में तैयार कर जनता को सौंप दिया गया, उससे नगर निगम के इंजीनियरिंग विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। अब स्थानीय नागरिकों की मांग है कि इस सड़क निर्माण की स्वतंत्र जांच कराई जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

कलंक बना कुपुत्र, मां को मरने के बाद भी नहीं पहचाना!

मोक्ष की टीम ने निभाया इंसानियत का धर्म, किया बुजुर्ग मां का अंतिम संस्कार

हरिभूमि, जबलपुर।

इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला जबलपुर से सामने आया है, जहां एक बुजुर्ग माँ की मौत के बाद उसका बेटा आने तक को तैयार नहीं हुआ। मां को पहचानने से भी इनकार कर दिया। ऐसे वक्त में जब अपनों ने मुंह मोड़ा, तब मोक्ष मानव सेवा समिति की टीम ने आगे बढ़कर अंतिम जिम्मेदारी निभाई और बुजुर्ग मां का अंतिम संस्कार ससम्मान किया। कैलाशपुरी में रहने वाली 50 वर्षीय यशोदा ठाकुर पिछले पांच वर्षों से किराए के मकान में अकेली रह रही थीं। पति का पहले ही देहांत हो चुका था, और उनका इकलौता बेटा भारत ठाकुर जो विजयवाड़ा में नौकरी करता है, मां से वर्षों से अलग था।

हालत बिगड़ने पर कराया भर्ती

गुरुवार को तबीयत बिगड़ने पर पड़ोसियों ने यशोदा को मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया। समाजसेवी आशीष ठाकुर और उनके सहयोगियों ने मेडिकल में यशोदा को भर्ती करवाया, जहां उन्होंने दोपहर करीब 2 बजे अंतिम साँस ली।

मेरा कोई वास्ता नहीं

अस्पताल प्रशासन द्वारा बेटे को फोन पर मां की मृत्यु की सूचना दी गई, लेकिन उसने न केवल आने से मना किया, बल्कि फोन पर यह भी कह दिया कि मुझे कोई वास्ता नहीं, मैं नहीं जानता किसी यशोदा को। इसके बाद उसने फोन उठाना ही बंद कर दिया। जब बेटा मुंह मोड़ गया, तब मोक्ष सेवा समिति की टीम ने चौहानी श्मशान घाट पर यशोदा का अंतिम संस्कार किया और मुखाग्नि देकर अंतिम विदाई दी।

रिश्तों की बेरुखी उजागर

इस मार्मिक घटना ने रिश्तों की बेरुखी को उजागर कर दिया है। एक मां जो बेटे के लिए जीवनभर संघर्ष करती रही, आखिर में उसके ही द्वारा अनदेखी का शिकार हो गई

-नशे से दूरी, है जरूरी अभियान में जबलपुर पुलिस की रचनात्मक पहल

नुक्कड़ नाटक और महिला बैंड की प्रस्तुति से दिया नशा मुक्ति का संदेश

हरिभूमि, जबलपुर।

मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के निर्देशानुसार प्रदेशभर में चल रहे ₹नशे से दूरी, है जरूरी₹ पंद्रह दिवसीय नशा मुक्ति जनजागरण अभियान के अंतर्गत जिले में पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस द्वारा जागरूकता का संदेश देने हेतु अभिनव कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को थाना ओमती एवं ग्वारीघाट पुलिस ने एक रचनात्मक और प्रभावी पहल करते हुए आमजन को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया।

वूमेन बैंड की शानदार प्रस्तुति-

थाना ओमती अंतर्गत कृष्ण अवतार मॉल (पीवीआर) में जानकी रमण कॉलेज की श्री जानकी वूमेन बैंड द्वारा मधुर गीतों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया गया। रक्षित निरीक्षक जय प्रकाश आर्य, कंट्रोल रूम प्रभारी सतीश झारिया एवं ओमती थाना स्टाफ की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम ने लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए नशे के विरुद्ध जागरूक किया।

वंदे मातरम चौक में नुक्कड़ नाटक-

वहीं वंदे मातरम चौक पर नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था के सहयोग से एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। लेखक व निर्देशक दविंदर सिंह ग्रोवर, विनय शर्मा, रविंद्र मुरहार, पराग तेलंग, मानसी सोनी, भूमिका झरिया और ऋतिक साहू के उत्कृष्ट अभिनय से लोगों को नशे की लत के विनाशकारी परिणामों के बारे में सजीव रूप से अवगत कराया गया। यह नाटक समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक प्रभावशाली पहल रहा।

यात्रियों और ऑटो चालकों को समझाइश

इसी कड़ी में थाना ग्वारीघाट क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन के पास यात्रियों और ऑटो चालकों को एकत्र कर नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई और उन्हें ₹नशे से दूरी है जरूरी₹ शपथ दिलाई गई।

होस्टल में व्यवस्था को सुधारने के दिये निर्देश

जबलपुर। एसडीएम अधारताल के निर्देशन में जांच दल द्वारा आदिवासी छात्रावास अधारताल का निरीक्षण किया गया। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा हीटर से बिना फायर सेफ्टी व सुरक्षा व्यवस्था के खाना पकाने के तथ्य सामने आये। जांच दल द्वारा होस्टल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वे भोजन बनाने की इस व्यवस्था को सुधारे अन्यथा किसी गंभीर घटना के घटित होने पर उनकी जिम्मेदारी होगी।

पुलिस की छापेमारी में टूटी सियासी हनक, किंग्सवे कांड से कांप गई जबलपुर की राजनीति

भाजपा नेता बना जुए के अड्डे का आका

हरिभूमि, जबलपुर।

हरिभूमि फॉलोअप

पाटन थाना क्षेत्र के किंग्सवे होटल स्थित व्यास मैरिज हॉल में चल रहे जुए के अड्डे पर की गई दबिश के बाद जहां एक ओर पुलिस की कार्रवाई की तारीफ हो रही है, वहीं दूसरी ओर भाजपा नेताओं की संलिप्तता ने पार्टी को असहज कर दिया है। जुआ फड़ का संचालन करने वाले होटल संचालक और पेशे से वकील सौरभ व्यास, उनका सहयोगी सुमित व्यास दोनों भाजपा से जुड़े हैं और फिलहाल फरार हैं। जिनकी तलाश के लिए पुलिस की टीम लगातार दबिश दे रही है। दूसरी ओर जुए में पकड़ा गया भाजपा का मंडल उपाध्यक्ष पंकज विश्वकर्मा पार्टी के लिए संकट बनता जा रहा है। अब इस पूरे मामले की गूंज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल तक पहुंच चुकी है, और खबर है कि पार्टी संगठन पंकज विश्वकर्मा पर आंतरिक अनुशासनात्मक कार्यवाही की तैयारी कर रहा है।

कार्रवाई बनी मिसाल, रसूखदार भी नहीं बचे

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश पर गठित स्पेशल टीम ने बिना किसी राजनीतिक दबाव में आए 12 जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा। कार्रवाई की कमान संभाल रहे एसआई दिनेश गौतम के नेतृत्व में पूरी टीम ने दबिश दी। मौके से 1.67 लाख नगद, ताश की 8 गड्डियाँ, 13 मोबाइल, चार लग्जरी वाहन, रजिस्टर, प्लास्टिक फड़ बोर्ड ज़ब्त किए गए जो इस बात का प्रमाण हैं कि यह व्यवस्थित और स्थायी जुआ अड्डा था।

अड्डे का सरगना, अब अंडरग्राउंड

होटल संचालक सौरभ व्यास जो पेशे से वकील और राजनीतिक रूप से भाजपा से जुड़ा व्यक्ति है, कार्रवाई के बाद से फरार है। उसका भाई सुमित व्यास भी लापता है। पुलिस ने दोनों के ठिकानों पर दबिश तेज कर दी गई है।

फरार होटल संचालक भाजपा नेता की तलाश जारी, मंडल उपाध्यक्ष पर पार्टी कर सकती हैं कार्यवाही

गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है

फरार होटल संचालक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। जल्द ही उसको पकड़ लिया जाएगा। शहपुरा पुलिस की भूमिका की जांच चल रही हैं जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुरूप आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-सूर्यकांत शर्मा,
एएसपी ग्रामीण

भाजपा के लिए शर्मनाक स्थिति, कार्रवाई की मांग तेज

भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष पंकज विश्वकर्मा की गिरफ्तारी ने पार्टी की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला अब प्रदेश भाजपा नेतृत्व तक पहुंच गया है और संभावना है कि पार्टी जल्द ही सार्वजनिक रूप से संगठनात्मक कार्यवाही कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और जबलपुर जिला इकाई से इस पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की है। इससे यह स्पष्ट हो रहा है कि भाजपा अपनी छवि बचाने के लिए अब कड़े फैसले लेने को मजबूर है।

रादुविवि में सुविधाओं का अभाव छात्र परेशान, हेल्पडेस्क नदारद

जबलपुर। रानी दुर्गावति विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को हर मामले में परेशान होना पड़ रहा है। शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक व छात्रावास जैसी मूलभूत व बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। कई छात्रों को मार्कशीट और माइग्रेशन प्रमाण पत्र के लिए भटकाया जा रहा है। कुछ छात्रों को छात्रावास में सुविधाओं की कमी से जूझना पड़ रहा है छात्रावास भवन जर्जर हो चुके हैं छत से पानी टपक रहा है उक्ताशय का आरोप लगाते हुए एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कुलसचिव राजेंद्र कुमार बघेल को ज्ञापन सौंपा कर अनियमित्ताओं दूर करने की मांग की। छात्रनेता अनुराग शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय के देवेंद्र छात्रावास में प्रत्येक कमरों की छत का प्लास्टर जर्जर हालत में है। बारिश का पानी जगह-जगह टपक रहा है। छात्रों को सोने, पढ़ाई करने में परेशानी हो रही है। दीवारों में दरारें आ गई हैं। छत के सरिया बाहर निकल आए हैं। शौचालय की सफाई महीनों से नहीं हुई है। इससे पूरे परिसर में बदबू फैल रही है। वाटर कूलर खराब पड़ा है। स्वच्छ पानी के लिए छात्रों को बाहर से वॉटर कैन मंगवाना पड़ रहा है।

एनएसयूआई कुलसचिव को सौंपा ज्ञापन

संगठन पदाधिकारीयों ने चेतावनी दी है कि विश्वविद्यालय प्रशासन इन अनियमितताओं को तत्काल दूर करने हेतु कार्रवाई करे और छात्रों की समस्याओं का समाधान करे अन्यथा विश्वविद्यालय में चरणबद्ध व उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपते समय मुख्य रूप से प्रदेश सचिव अदनान अंसारी, एजाज अंसारी, युग ठाकुर, शफी खान, मो.वकार, ऐश्वर्य लोधी सहित अन्य मौजूद थे।

कांवड़ यात्रा में नजर आये श्रद्धा और भक्ति के रंग

हिरन नदी से जल भरकर निकले हजारों कांवड़ियों ने बाबाताल में भोलेनाथ का किया जलाभिषेक

हरिभूमि सिहोरा।

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को हिरन नदी खितौला से भगवान भोलेनाथ माता पार्वती की झांकी के साथ निकली भव्य ऐतिहासिक एंव विशाल कांवड यात्रा में चल रहे हजारों कांवडियों के शिव मंदिर बाबाताल में भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। यात्रा में चल रहे सिद्धन धाम लोढा पहाड के संत श्री सीताशरण जू महाराज ने भी भक्तों को आशीर्वद प्रदान किया दिन भर बाबाताल भक्ति के रंग में नजर आया।

चहूंओर दिखे श्रद्धा और भक्ति के नजारे

हर हर महादेव के जयघोष से सिहोरा खितौला का कोना कोना गुंजयमान हो गया। चहुंओर श्रद्धा और भक्ति के अजब नजारे देखने को मिले जो बता रहे थे की भोलेनाथ के प्रति लोगो में कितनी गहरी आस्था है।और इसी का परिणाम है की हर कोई स्वामेव ही इस भक्ति के रंग में खुद को रंगने के लिए सुबह से ही कांवड यात्रा में शामिल होने पहुच गया।यात्रा में रंगबिरंगे परिधानों में शामिल महिलाओं,बालिकाओं युवकों,पुरुषों का उत्साह देखते ही बन रहा था।दर्जनों ऐसी कांवड थी जो भक्तों ने बडे ही शानदार ढंग से स्वयं तैयार की थी । इस बार की यात्रा में एक खास नजारा देखने को मिला की दर्जनों लोग कांवड़ के साथ भगवा ध्वज भी लेकर चल रहे थे और भोलेनाथ के साथ साथ जय श्रीराम के नारे लगाते आगे बढ़ रहे थे। यात्रा में टीम बाबाताल सरकार की ध्वज यात्रा भी शामिल थी।

यात्रा पर जगह-जगह हुई पुष्प वर्षा

नगर उपनगर की भव्य कांवड यात्रा का जहां पूरे मार्ग में अनेक जगह खाद्य सामग्रियों के साथ पुराने बस स्टेंड में चाय का वितरण करने के साथ ही सिहोरा खितौला वासियों ने यात्रा पर अपने घरों प्रतिष्ठानों के अलावा पूरे मार्ग में पुष्प वर्षा कर भक्ति का अनूठा नजारा प्रस्तुत किया। कांवड में जल भरकर चल रहे कांवडियों ने अनुशासन के साथ एक एक करके शिव मंदिर में प्रवेश किया।

इन मार्गों से होकर निकली कांवड यात्रा

नृसिंह मंदिर हिरन नदी घाट से कांवड में जल भरकर प्रारंभ हुई कांवड यात्रा रेलवे फाटक, खितौला बाजार,खितौला तिराहा,पेट्रोल पंप तिराहा,बाबाताल,हरदौल मंदिर,मैना कुआं,महावीर चौक,कालभैरव चौक,झंडा बाजार से पुराना स्टेट बैंक चौराहा,पुराना बस स्टैंड से होकर निकली इसमें शामिल कांवडियों ने शिवमंदिर बाबाताल पहुचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। कांवड़ यात्रा में सिहोरा एंव खितौला पुलिस का यातायात व्यवस्था में सराहनीय योगदान रहा।

आदर्श केसरवानी वैश्य सभा के कांवड़ियों ने किया जलाभिषेक

जबलपुर। आदर्श केसरवानी वैश्य हाथीताल सभा के करीब 1500 कांवड़ियों के जत्था ने ग्वारीघाट माँ नर्मदा तट से जल लेकर गुप्तेश्वर में भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। कांवड़ियों का जगह-जगह स्वागत किया गया एवं प्रसाद फल का वितरण हुआ। गुप्ता, केशरवानी समाज के करीब 1500 महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे, युवा कांवड़ियों का जत्था तीसरे सोमवार को सुबह 9:00 गुप्तेश्वर मंदिर के लिए रवाना हुआ। समस्त कांवड़ियों ने ग्वारीघाट में माँ नर्मदा का पुष्प माला से पूजन अर्चन कर अपने कांवड़ में जल भरकर गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में भोलेनाथ को अर्पित किया। इस अवसर पर केशरवानी वैश्य तरुण सभा के प्रदेश मंत्री एवं यात्रा के संयोजक गोपाल गुप्ता ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी 1500 लोगों का जत्था माँ नर्मदा का जल भरकर गुप्तेश्वर मंदिर के लिए बड़ी सख्या में धूमधाम के साथ रवाना हुआ। हाथीताल, कैलाशपुरी, इन्द्रानगर से लोगों को एकत्र करके बसों द्वारा इन्हें ग्वारीघाट के लिए रवानगी की दी गई, ग्वारीघाट से सभी कांवड़िये माँ नर्मदा का जल लेकर माँ नर्मदा का जयकारा लगाते गुप्तेश्वर महादेव मंदिर के लिए रवाना हुए। समिति के अध्यक्ष अनिल गुप्ता एवं उपाध्यक्ष श्रीकांत केशरवानी ने बताया कि यह केशरवानी समाज की कांवड़यात्रा पिछले 10 वर्षों से निकाली जा रही है समिति के सदस्य पुरुषोत्तम गुप्ता, हरिवंश गुप्ता, सुरेश गुप्ता, विशेष केशरवानी, गोविन्द गुप्ता, कम्पू गुप्ता, मिश्रीलाल गुप्ता, कमलेश गुप्ता, रमेश गुप्ता, अमर गुप्ता, मिथलेश गुप्ता, ऋतिक गुप्ता, धीरज गुप्ता, रिक्की केशरवानी, सोनू केशरवानी सहित अन्य उपस्थित थे।

चैतन्य महाप्रभु नर्मदा संकीर्तन मंडल के द्वारा प्रतिदिन किया जा रहा रुद्रा अभिषेक

जबलपुर। चैतन्य महाप्रभु नर्मदा संकीर्तन मंडल के द्वारा सावन माह में प्रतिदिन निःशुल्क रुद्रा अभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। सावन के उन्नीसवें दिन भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया गया। रुद्राभिषेकाचार्य पं. मोहित तिवारी द्वारा सुबह 7 बजे से वैदिक मंत्रों के साथ आईटीआई चुंगीनाका शिव मंदिर में संपन्न हुआ, पं मोहित तिवारी ने बताया कि सावन माह में भगवान शिव के अभिषेक पर सूरज की किरणें ओम नमः शिवाय का जप करती हैं। सावन मास रुद्रा अभिषेक संयोजक एवं संकीर्तन मंडल संयोजक श्याम मनोहर पटेल ने बताया कि महाआरती के पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ, यहां किसी भी प्रकार कभी चंदा नहीं लिया जाता है। सह संकीर्तनचार्य सुरेश विश्वकर्मा के द्वारा भगवान शिव की अद्भुत प्रस्तुति की गई। 29 जुलाई मंगलवार को आरटीओ के पहले प्रोफेसर कॉलोनी वाली रोड के सामने चंद्र मोलेश्वर शिव महादेव मंदिर में लाल पटेल, पवन पटेल के सानिध्य में 7:30 से 9:30 तक रुद्राभिषेक के साथ भगवान नाम संकीर्तन किया जाएगा। इस अवसर पर अध्यक्ष विनोद दीवान, संयोजक श्याम मनोहर पटेल, सह संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा, मनोज गुलाबवानी, मनोहर विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, चंद्र कुमार पटेल, नरेश गुजराती, छन्नूराम पटेल, दीपक तिवारी, गणेश विश्वकर्मा, कंछेदी पटेल, सुखराम पटेल, सुनील नामदेव आदि उपस्थित रहे।

नर्मदा जल से अभिषेक कर नागरिकों ने निकाली कांवड़ यात्रा

बरेला। सावन माह में भगवान शंकर की पूजा अर्चना का क्रम निरंतर जा रही है ।भक्त जगह जगह भगवान शिव के मंदिरों में अभिषेक कर रहे है ।इसी क्रम में नगर के शिवभक्तों ने नर्मदा तट खिरहनी घाट सेदस किलोमीटर पैदल चलकर मेंनगर में वार्ड नंबर नौ और ग्यारह स्थित शिव मंदिर में नर्मदा जल चढ़ा कर कांवड़ियों ने अभिषेक किया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुष शिव भक्त कावड यात्रा में शामिल हुए ।

शिवमंदिर बाबाताल में भी हुआ पार्थिव शिवलिंग निर्माण

सिहोरा। शिवमंदिर बाबाताल में तीसरे सोमवार को भी ब्राह्मण समाज सिहोरा के तत्वावधान में सभी वर्ग के लोगों ने सुबह सात बजे से दोपहर 12 बजे तक पार्थिव शिवलिंग निर्माण किया तथा उनका अभिषेक पूजन पंडित अरुण मिश्रा ने विधिवत कराकर हिरन नदी में विर्सजन किया गया। इस आयोजन में पूर्व विधायक दिलीप दुबे, नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दुबे, अनीता दुबे,अश्वनी कुमार पाठक,नन्द कुमार परोहा, शैलेन्द्र दुबे,अध्यक्ष राकेश पाठक,महामंत्री प्रवीण कुररिया, नरेंद्र त्रिपाठी,कृष्ण गोपाल पाठक,सुरेन्द्र तिवारी,सुनील तिवारी संजू दुबे,ऋचा पाठक,सुमन पाठक, प्रिया पाठक, मानसी दाहिया, सोनम चौबे का योगदान रहा।

वनवासी विकास परिषद में हरियाली तीज उत्सव मनाया गया

जबलपुर। हरियाली तीज के पावन अवसर पर वनवासी विकास परिषद जबलपुर के महाकौशल प्रांत कार्यालय के सभाकक्ष में परिषद की महिला समिति द्वारा हरियाली तीज उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीप्ति सुलेरे, मनीष खरे, पूजा रजक, टिकेश्वरी साहू, बबीता मेहरा, सुषमा केवट, मोनालिसा डे, वंदना आनंद, लता पैगवार, पूजा जिलानी, प्रेमलता मिश्रा आदि की उपस्थिति सराहनीय थी। भारतीय संस्कृति श्रद्धा और सौंदर्य के इस पर्व पर वनवासी विकास परिषद के महिला समिति की महिलाओं ने सावन के गीतों के साथ झूले का भी आनंद जमकर उठाया, तत्पश्चात तरह-तरह के गेम्स, नृत्य एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। सभी ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं प्रेषित की।

कुलदीप धर्मपुरिया बने संभागीय अध्यक्ष

जबलपुर। नामदेव समाज विकास परिषद के सचिव कुलदीप धर्मपुरिया को अखिल भारतीय बजरंग सेना का संभागीय अध्यक्ष बनाया गया है, साथ ही श्री श्याम सेवा धाम द्वारा धर्मपुरिया को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह दोनों ही दल मानव सेवा के साथ ही धार्मिक सेवा के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाएं है। श्री धर्मपुरिया को इन नियुक्तियों पर नामदेव समाज विकास परिषद ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नागपंचमी पर आज घर-घर पूजे जायेंगे नागदेवता

सिहोरा। चौरसिया दिवस एंव नागपंचमी के पावन पर्व पर जहां नागदेवता आज घर घर पूजे जायेंगे वहीं सिहोरा खितौला के चौरसिया समाज द्वारा खितौला स्थित बरझा तालाब में अपने आराध्य देवता भगवान श्रीगणेश, नागबेल, चौहटिया महाराज, मनिया देव आदि का श्रद्धा भक्ति भाव के साथ पूजन अर्चन किया जायेगा। इसी तरह नगर उपनगर के सभी शिव मंदिरों में भी सुबह से ही भक्त गण जाकर भोलेनाथ को दूध अर्पित करने के साथ पूजन अर्चन करेंगे।

चौरसिया दिवस, नाग पंचमी पर होंगे कार्यक्रम

जबलपुर। महाकोशल चौरसिया संघ के द्वारा आज नाग पंचमी (चौरसिया दिवस) पर्व के अवसर पर भगवान श्री गौरी 11:30 से शंकर मंदिर, पान दरीबा में सुबह भोजन प्रसादी का आयोजन महाकोशल चौरसिया संघ की ओर से किया गया है। कार्यक्रम में पहुंचने की अपील संघ के अध्यक्ष श्री शैलेश चौरसिया, कार्यकारी अध्यक्ष गोविंद चौरसिया, नरेश पटेल, आशीष, राकेश (पप्पू), के के, अतुल बनारसी, अनीश, राजू आदि ने की है।

हरियाली तीज पर दिखी प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक छटा

सिहोरा। नवांकुर संस्था स्व सेवा संयोजन समिति द्वारा हरियाली तीज का आकर्षक प्रतियोगिताओं के माध्यम से उत्सव मनाया गया। जिसमें भारतीय परंपरा और लोक संस्कृति की अनुपम झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक 'कजरी गीत प्रतियोगिता' से हुई जिसमें प्रथम रश्मि ब्यौहार,द्वितीय बीना अरोरा,तृतीय सीमा घोष रहीं इसके पश्चात 'मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता' में अनुष्का सिंह प्रथम,राजेश्वरी द्वितीय और अंशिका तीसरे स्थान पर रहीं। कार्यक्रम की अंतिम और सबसे आकर्षक कड़ी रही तीज क्वीन प्रतियोगिता' जिसमें महिलाओं ने पारंपरिक परिधान, आत्मविश्वास और सौंदर्य के साथ मंच पर प्रस्तुत किया जिसमें नीता पहारिया प्रथम,अंजना मिश्रा द्वितीय,आकांक्षा गर्ग तृतीय स्थान पर रहीं कार्यक्रम मीनू परिहार,सारिका साहू,सुषमा गौतम, भावना गौतम के कुशल निर्देशन में आयोजित किया गया था। निर्णायक मंडल की भूमिका में रमा सरावगी,ममता गुप्ता,अंजली गोलू पांडे,कार्तिका गुप्ता,नीतू सिंघई रहीं। संस्था द्वारा शोभा मिश्रा,प्रतीक्षा मिश्रा नव वधुओं की ओली डाली गई। बाबाताल में आयोजित कार्यक्रम में पार्षद बेबी विनय पाल, रीता शुक्ला,सुषमा कर्चुली,अंजू पहारिया,रश्मि तिवारी,रीता पहारिया,किरण नकारा,आरती तिवारी आदि महिलाएं उपस्थित थीं।

एकल अभियान वन बंधु परिषद ने किया पौधरोपण

बरेला। संच बरेला एकल अभियान वन बन्धु परिषद द्वारा सोमवार को एकल अभियान कि तरफ से वृक्षारोपण कार्य की गया जिसमें वशिष्ठ अतिथि शांति पटेल दीदी संभाग महिला प्रमुख, गारिम दीदी, गोताम यादव, दुर्गा झारिया, चंद्र कुमार चौकसे, सतोष ठाकुर, आशीष शुक्ला, रश्मि लोधी, ज्योति ठाकुर आचार्य सभी कि उपस्थित में एक पेड मां के नाम पौधारोपण किया गया।

पार्थिव शिवलिंग निर्माण रूद्राभिषेक किया गया

मझौली। सावन महीने के तीसरे सोमवार को नगर में जगह-जगह पार्थिव शिवलिंग निर्माण रूद्राभिषेक किया गया। भगवान विष्णु वाराह मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है प्रति दिन शिवलिंग निर्माण रूद्राभिषेक किया जा रहा है। गांधी भवन मझौली में शिवपुराण कथा का आयोजन किया गया है।

श्रीमति शिखा डेविड- रामलीला मैदान बाई का बगीचा घमापुर निवासी श्रीमति शिखा डेविड पति स्व. पुष्पराज डेविड उम्र 71 वर्ष का निधन सोमवार सुबह हो गया है। वे एकता पीटर और अनुपम डेविड की मां थी। उनका अंतिम संस्कार बिलहरी कब्रिस्तान में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजमुनि दुबे- सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी श्री कमलकांत दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती राजमुनि दुबे (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रदीप झारिया- नई बस्ती आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री लटकन झारिया के पुत्र श्री प्रदीप झारिया (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री लक्ष्मी नारायण विनोदिया- रामपुर आजाद चौक निवासी श्री श्याम लाल विनोदिया के पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण विनोदिया (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सदन लाल रजक- समदड़िया रेसीडेंसी ब्यौहारबाग पेट्रोल पंप के पास निवासी श्री सदन लाल रजक (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राहुल श्रीवास- बड़ी खेरमाई दुर्गा चौक निवासी श्री विजय श्रीवास के पुत्र श्री राहुल श्रीवास (31) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आकाश कुमार कश्यप- फूटाताल दुर्गा मंदिर के पास निवासी श्री किशोर कुमार कश्यप के पुत्र श्री आकाश कुमार कश्यप (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री संजीव कुमार बर्मन- छापर विजयनगर रामपुर निवासी श्री संजीव कुमार बर्मन (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती छाया रानी मंडल- कटियाघाट शिवपुरी कजरवारा निवासी श्री मंसाराम मंडल की धर्मपत्नी श्रीमती छाया रानी मंडल

(73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री नीलेश यादव- प्रेमनगर मदनमहल निवासी श्री नंद लाल यादव के पुत्र श्री नीलेश यादव (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा पवार- संस्कार कॉलोनी न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री राम प्रसाद पवार की धर्मपत्नी श्रीमती आशा पवार (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती गायत्री सरीन- दत्त टावर नेपियर टाउन शास्त्री ब्रिज के पास निवासी श्री विनोद सरीन की धर्मपत्नी श्रीमती गायत्री सरीन (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लखन लाल कोरी- गली नं. 6, बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ के पास पोलीपाथर निवासी श्री लखन लाल कोरी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री प्रियांशु वर्मा- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री मुकेश वर्मा के पुत्र श्री प्रियांशु वर्मा (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कविता मेघानी- कास्मो सिटी गोरखपुर नर्मदा रोड निवासी श्री पृथ्वीराज मेघानी की धर्मपत्नी श्रीमती कविता मेघानी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती बुद्धा बाई रजक- शंकर नगर करमेता निवासी श्री नरबद रजक की धर्मपत्नी श्रीमती बुद्धा बाई रजक (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362160

खबर संक्षेप

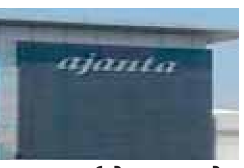

अजंता फार्मा के लाभ में चार प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली। अजंता फार्मा का अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 255 करोड़ रुपये हो गया। मुंबई स्थित दवा कंपनी का पिछले वर्ष की इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 246 करोड़ रुपये रहा था। अजंता फार्मा ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी परिचालन आय बढ़कर 1,303 करोड़ रुपये हो गई जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,145 करोड़ रुपये थी।

निप्पॉन लाइफ इंडिया का लाभ 19 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट (एनएएम इंडिया) का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़कर 396.1 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को अप्रैल-जून तिमाही के इस वित्तीय नतीजे की सूचना दी। एक साल पहले की समान अवधि में उसे 332.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एनएएम इंडिया ने नियामकीय सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसका परिचालन राजस्व 20 प्रतिशत बढ़कर 606.6 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में 505 करोड़ रुपये था।

प्रीमियर एनर्जीज का लाभ 55 फीसदी बढ़कर 307 करोड़

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी प्रीमियर एनर्जीज का वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 55 प्रतिशत बढ़कर 307.8 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 20224-25 की इसी तिमाही में मुनाफा 198.1 करोड़ रुपये रहा था। प्रीमियर एनर्जीज की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 1,668.7 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,869.6 करोड़ रुपये हो गया।

ब्रिगेड होटल वेंचर्स के निर्गम को अंतिम दिन 4.48 गुना अभिदान

नई दिल्ली। ब्रिगेड होटल वेंचर्स लि. के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन सोमवार को 4.48 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। एनएसई के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को 5,11,93,987 शेयर की पेशकश के मुकाबले 22,95,01,142 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के हिस्से को 6.40 गुना अभिदान मिला, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी को 1.92 गुना अभिदान प्राप्त हुआ।

टीसीएस में छंटनी पर सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की कड़ी नजर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी किए जाने की घोषणा के बाद की स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि मंत्रालय टीसीएस मामले में पूरी स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहा है और लगातार कंपनी के संपर्क में है। सूत्रों के मुताबिक, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस घटनाक्रम को लेकर चिंतित है और इस फैसले के पीछे की असली वजह को समझने के लिए इसकी जांच करेगा।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस घटना को लेकर चिंतित

सबसे ज्यादा असर मध्यम व वरिष्ठ कर्मचारियों पर

सरकार का यह रुख इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टीसीएस ने इस साल 12,261 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है जो उसके कुल वैश्विक कार्यबल का दो प्रतिशत है। इस कदम का सबसे ज़्यादा असर मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों पर पड़ेगा।

जून तिमाही में 5000 कर्मियों की बढ़ोतरी की थी

टीसीएस के कुल कर्मचारियों की संख्या 30 जून, 2025 तक 6,13,069 थी। हाल ही में समाप्त जून तिमाही में इसने अपने कर्मचारियों की संख्या में 5,000 की बढ़ोतरी की थी। टीसीएस ने रविवार को एक बयान में कहा कि छंटनी का फैसला 'भविष्य के लिए तैयार संगठन' बनने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसके केंद्र में प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाना, बाजार विस्तार और कार्यबल पुनर्गठन में निवेश है।

भविष्य के लिए तैयार संगठन बनने की ओर अग्रसर

टाटा समूह की कंपनी ने कहा, ''टीसीएस भविष्य के लिए तैयार संगठन बनने की दिशा में अग्रसर है। इसमें कई मोर्चों पर रणनीतिक पहल शामिल हैं जिनमें नवीन प्रौद्योगिकी वाले क्षेत्रों में निवेश, नए बाजारों में पहुंच, अपने ग्राहकों और खुद के लिए बड़े पैमाने पर एआई का उपयोग, अपनी साझेदारियों को गहरा करना, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे का निर्माण और अपने कार्यबल मॉडल का पुनर्गठन शामिल है।'' कंपनी ने कहा, ''इस दिशा में नए सिरे से कुशल बनाने और पुनर्नियोजन की पहल जारी हैं। इस क्रम में संगठन से उन सहयोगियों को हटाया भी जाएगा जिनकी तैनाती व्यवहार्य नहीं हो सकती है।

खनन और बिजली के क्षेत्रों में रहा कमजोर प्रदर्शन

अर्थव्यवस्था को झटका, औद्योगिक उत्पादन वृद्धि जून में सुस्त पड़कर 1.5 प्रतिशत पर, 10 महीने का निचला स्तर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खनन और बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन के कारण देश के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि इस साल जून महीने में सुस्त पड़कर 10 महीने के निचले स्तर 1.5 प्रतिशत पर रही। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। जून महीने में अत्यधिक बारिश से खनन और बिजली क्षेत्र की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं, जिसका असर औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि पर पड़ा है।

आईआईपी बीते साल जून में 4.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा था

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के रूप में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन बीते साल जून में 4.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने मई के औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के आंकड़े को भी संशोधित कर 1.9 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले इसके 1.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। अगस्त, 2024 के बाद औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सबसे कम है। उस समय इसकी वृद्धि स्थिर रही थी।

जून महीने में अत्यधिक बारिश से गतिविधियां प्रभावित हुई

बिजली उत्पादन में भी कमी आएगी

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने बयान में कहा, ''जून, 2025 के उत्तरार्ध में अत्यधिक बारिश से खनन उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है। साथ ही बिजली उत्पादन में भी कमी आएगी। हालांकि, पिछले महीने की तुलना में दोनों क्षेत्रों के लिए स्थिति कुछ सुधरी है।''

खनन उत्पादन में 8.7 फीसदी की गिरावट

एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि जून, 2025 में मामूली रूप से बढ़कर 3.9 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 3.5 प्रतिशत थी। खनन उत्पादन में 8.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। बिजली उत्पादन में जून, 2025 में 2.6 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसी माह में इसमें 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि सकारात्मक रही

वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि कम होकर दो प्रतिशत रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। विनिर्माण क्षेत्र में, 23 में से 15 उद्योग समूहों ने जून, 2025 में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के अनुसार, पूंजीगत वस्तु खंड में वृद्धि दर जून, 2025 में घटकर 3.5 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 3.6 प्रतिशत थी।

उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की वृद्धि दर घटकर 2.9 फीसदी

उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (या श्वेत वस्तुओं के उत्पादन) की वृद्धि दर समीक्षाधीन महीने में घटकर 2.9 प्रतिशत रह गई, जबकि जून, 2024 में यह 8.8 प्रतिशत थी। गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन जून, 2025 में 0.4 प्रतिशत घटा, जबकि एक साल पहले इसमें एक प्रतिशत की गिरावट आई थी। बुनियादी ढांचा/निर्माण क्षेत्र में जून, 2025 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो एक साल पहले इसी माह में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि से कम है।

प्राथमिक वस्तुओं के उत्पादन में तीन फीसदी की गिरावट

आंकड़ों के अनुसार, प्राथमिक वस्तुओं के उत्पादन में जून, 2025 में तीन प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 6.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मध्यवर्ती वस्तुओं मामले में वृद्धि दर आलोच्य महीने में 5.5 प्रतिशत रही, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी माह में यह 3.2 प्रतिशत थी।

सोने में 500 और चांदी में 1000 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली। अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते के बाद सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में सोने की मांग कम हो गई। इससे स्टॉकिस्ट की लगातार बिकवाली के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमतों में लगातार चौथे सत्र में गिरावट आई और यह 500 रुपये की गिरावट के साथ 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोना शनिवार को 600 रुपये की गिरावट के साथ 98,520 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

- सोना लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ 98,020 रुपए प्रति दस ग्राम

निवेशकों की अमेरिकी आंकड़ों पर नजर

अबन्स फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चिंतन मेहता ने कहा, ''निवेशक इस सप्ताह आने वाले अमेरिकी वृहद आर्थिक आंकड़ों, जिनमें बेरोजगारी भत्ते के दावे और दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े शामिल हैं, पर कड़ी नजर रखेंगे।''

सुरक्षित निवेश वाली संपत्ति की मांग घटी

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी के अनुसार, व्यापार आशावाद और मज़बूत अमेरिकी डॉलर के बीच तेज़ड़िये सतर्क रहे और सोने की कीमत स्थिर बनी रही। गांधी ने कहा कि शुल्क संबंधी चिंताओं में कमी के बीच सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की मांग घटने के कारण पिछले सप्ताह सर्राफा की कीमतों में गिरावट आई।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट; सेंसेक्स 572 अंक लुढ़का

एजेंसी ▶▶| मुंबई

शेयर बाजार में सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। बीएसई सेंसेक्स जहां 572 अंक लुढ़क गया, वहीं एनएसई निफ्टी 156 अंक के नुकसान में रहा। कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चतता के बीच बाजार में गिरावट आई।

- निफ्टी में भी 156 अंक का नुकसान दर्ज
- कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली देखने मिली

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 572.07 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,891.02 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 686.65 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी 156.10 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,680.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर नुकसान में जबकि 15 बढ़त में रहे।

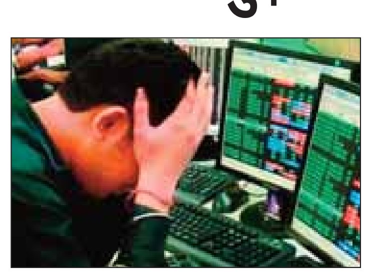

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में 7.31 प्रतिशत की गिरावट आई। बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ जून तिमाही में 4,472 करोड़ रुपये रहा है। प्रतिकूल वृहद आर्थिक परिस्थितियों के कारण खुदरा वाणिज्यिक वाहन पोर्टफोलियो पर दबाव का संकेत है। इससे कंपनी के शेयर में बड़ी गिरावट आई।

इसके अलावा बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, टाइटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी जारी

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''पहली तिमाही के निराशाजनक नतीजों, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में देरी और लगातार विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी के कारण घरेलू बाजार की धारणा सतर्क बनी हुई है। इसके उलट, अमेरिका यूरोपीय संघ के व्यापार से जुड़े घटनाक्रमों से वैश्विक बाजार मोटे तौर पर सकारात्मक बने हुए हैं।

स्टारलिंक पूरे भारत में सिर्फ 20 लाख कनेक्शन दे सकती है

नई दिल्ली। दूरसंचार राज्यमंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि उद्योगपति एलन मस्क की अगुवाई वाली उपग्रह संचार सेवा प्रदाता कंपनी स्टारलिंक भारत में केवल 20 लाख कनेक्शन दे सकती हैं, ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र की बीएसएनएल समेत अन्य दूरसंचार कंपनियों को कोई जोखिम नहीं है। पेम्मास्वामी ने यहां बीएसएनएल की समीक्षा बैठक के मौके पर कहा, ''स्टारलिंक के भारत में केवल 20 लाख ग्राहक हो सकते हैं और वह 200 एमबीपीएस तक की गति प्रदान कर सकती है। इससे दूरसंचार सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सैटकॉम सेवाओं का लक्ष्य ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों को बनाया जाएगा जहां बीएसएनएल की अच्छी उपस्थिति है।

टोरेंट फार्मा का मुनाफा 20% बढ़कर 548 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। टोरेंट फार्मास्युटिकल्स का चालू वित्त वर्ष (2025-26) की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 548 करोड़ रुपये हो गया। भारत और अमेरिका सहित विभिन्न बाजारों में मजबूत बिक्री से कंपनी का मुनाफा बढ़ा। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2024-25 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध मुनाफा 457 करोड़ रुपये रहा था। टोरेंट फार्मास्युटिकल्स ने सोमवार को बयान में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 3,178 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह 2,859 करोड़ रुपये थी। फार्मा कंपनी ने कहा कि अप्रैल-जून की अवधि में भारत में उसका राजस्व सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 1,811 करोड़ रुपये हो गया, जिसका प्रमुख कारण 'फोकस थेरेपी' में बेहतर प्रदर्शन रहा।

भारतीय अर्थव्यवस्था वृद्धि की राह पर

कर्ज वृद्धि में नरमी चिंता का विषयः वित्त मंत्रालय रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। हालांकि, कर्ज वृद्धि में सुस्ती जरूर चिंता का विषय है। मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में घरेलू आपूर्ति और मांग की बुनियाद मजबूत दिखाई दे रहे हैं। मुद्रास्फीति लक्ष्य के दायरे में रहने और मानसून में अच्छी प्रगति के साथ घरेलू अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूती के साथ वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में प्रवेश की है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर तनाव और नहीं बढ़ा है, लेकिन वैश्विक नरमी, विशेष रूप से अमेरिका में कमजोर आर्थिक वृद्धि दर भारतीय निर्यात की मांग को और कम कर सकती है। अमेरिकी की आर्थिक वृद्धि दर 2025 की पहली तिमाही में 0.5 प्रतिशत घटी है। मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया, ''अमेरिकी शुल्क के मोर्चे पर जारी अनिश्चितता आने वाली तिमाहियों में भारत के व्यापार प्रदर्शन पर भारी पड़ सकती है। धीमी ऋण वृद्धि और निजी निवेश आर्थिक गति में तेजी को सीमित कर सकता है।''

इसके अलावा, थोक मूल्य सूचकांक में गिरावट के रुख को देखते हुए, बाजार मूल्य पर आर्थिक गति पर गौर करने की जरूरत होगी।

कर्ज वृद्धि धीमी हुई

समीक्षा में कहा गया, ''कुल मिलाकर, जहां तक वित्त वर्ष 2025-26 का सवाल है, अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर अपनी गति को बनाये हुए है।'' मंत्रालय ने कहा कि मौद्रिक नीति के स्तर पर नरमी और बैंकों के मजबूत बही-खातों के बावजूद, कर्ज वृद्धि धीमी हुई है। यह स्थिति कर्ज लेने वालों की सतर्क भावना और संभवतः कर्ज देने वालों के जोखिम से बचने के रुख को बताती है।

SHRI RAM GROUP, JABALPUR 24

Affiliated to RGPV, Approved by AICTE, New Delhi
Near ITI, Madhotal, Jabalpur (M.P.)

Admission Notice
Under Institutional Preference Seats
Shri Ram Institute of Technology (SRIT)

CSE - 24	AIML - 15	EC - 12	ME - 06
CSBS - 03	Comp.Engg. - 06	EE - 06	CE - 03

On 30 Sept. to 14 Aug. 2025 Time : 10.00 A.M.

(1) Admission under this quota will be done strictly as per guideline defined by DTE MP. (2) As determined by the Fee Committee and DTE MP. (3) Interested candidate may contact with all the original document.

VENUE : SHRI RAM GROUP, JABALPUR
For Further Enquiry
Mob. 9755042292, 9755042293

स्कूटर में 116 किमी का मिलेगा रेंज; कीमत 1.11 लाख रुपए से शुरू

काइनेटिक की नए ई-स्कूटर के साथ मार्केट में धमाकेदार एंट्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

काइनेटिक ग्रीन ने भारतीय मार्केट में धमाकेदार वापसी कर ली है। कंपनी ने अपना नया काइनेटिक डीएक्स इलेक्ट्रिक स्कूटर लांच किया है। यह स्कूटर दो वेरिएंट्स डीएक्स और डीएक्स प्लस में लांच हुआ है। बुकिंग कंपनी की वेबसाइट पर 1,000 रुपए में शुरू हो चुकी है जबकि डिलीवरी सितंबर, 2025 से शुरू होंगी। भारतीय मार्केट में काइनेटिक डीएक्स की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1,11,499 रुपए और डीएक्स प्लस की 1,17,499 रुपए रखी गई है। कंपनी पहले साल के लिए सिर्फ 35,000 यूनिट्स ही बेच सकेगी। इसके बाद संयंत्र का उत्पादन बढ़ाकर इकाईयों में वृद्धि की जाएगी।

स्कूटर दो वेरिएंट्स डीएक्स और डीएक्स प्लस में हुई है लांच

पांच कलर में आएगी

काइनेटिक ने डीएक्स के डिजाइन को क्लासिक और मॉडर्न का बेहतरीन कॉम्बिनेशन बनाया है। इस स्कूटर में रेट्रो सिलोएट के साथ नया तीन-स्लैट ग्रिल, मेटल साइड बॉडी और वाइजर पर ग्लो करने वाला ब्रांडिंग लोगो दिया गया है। काइनेटिक डीएक्स प्लस वैरिएंट पांच कलर रेड, ब्लू, व्हाइट, सिल्वर और ब्लैक में मिलेगा जबकि बेस डीएक्स केवल सिल्वर और ब्लैक में आएगा।

धांसू हैं स्कूटर के फीचर्स

काइनेटिक के इस स्कूटर में 8.8 इंच का डिजिटल क्लस्टर, ब्लूटूथ, म्यूजिक प्लेयर, वॉयस नेविगेशन और काइनेटिक एसिस्ट स्विच जैसे फीचर्स दिए गए हैं। मार्केट में काइनेटिक डीएक्स का मुकाबला टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक, हीरो विडा वी1 और आथर रिट्ज़ा से होगा।

बिना रुके 116 किमी चलेगा स्कूटर

काइनेटिक डीएक्स में 4.8किलोवॉट बीएलडीसी हब मोटर दी गई है जो 90 किमी/घंटा की टॉप स्पीड देती है। इसके साथ लगी 4.6किलो वॉट एलएफपी बैटरी को रेंज एक्स ने डेवलप किया है। काइनेटिक डीएक्स की सर्टिफाइड रेंज 116 किमी है। जबकि डीएक्स प्लस वेरिएंट में क्रूज लॉक टेक्नोलॉजी मिलती है जिससे यह 25-30 किमी/घंटा की स्थिर रफ्तार पर चलने पर 150 किमी तक की रेंज दे सकता है। स्कूटर में तीन राइडिंग मोड्स रेंज, पावर और टर्बो दिए गए हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, सतना (म.प्र.)

क्रमांक. 03/भण्डार/न.पा.नि./ 2025-26 **निविदा सूचना** सतना, दिनांक 24/07/2025

निम्नलिखित कार्य/सप्लाई हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेबसाइड http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	एन.आई.टी. क्रमांक व दिनांक	निविदा क्रमांक	सामग्री का प्रकार	अनुमानित व्यय प्राक्कलन	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	समग्री आपूर्ति की अवधि
1	03 24/07/2025	2025_UAD _439615_1	किराये पर लगने वाली टेन्ट सामग्री (द्वितीय काल)	10,00,000/-	20,000/-	2,000/-	वित्तीय वर्ष 2025-2026

शर्तेः 1. निविदा प्रपत्र की खरीदी ऑनलाइन बेबसाइट http://www.mptenders.gov.in ऑनलाइन पेमेन्ट एवं पॉटल सर्विस चार्ज के द्वारा दिनांक 25/07/2025 समय 10-30 बजे से दिनांक 09/08/2025 समय 17-30 बजे तक खरीदी जा सकती है।
2. निविदा में संसोधन की सूचना वेबसाईट पर ही प्रकाशित की जावेगी, समाचार पत्र पर संसोधन की सूचना प्रकाशित नही की जावेगी ।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, सतना (म. प्र.)

चिंतन

जवाब सुनने का धैर्य रखे विपक्ष, केवल हंगामा न करे

संसद सत्र के दौरान विपक्ष अगर किसी मुद्दे पर चर्चा चाहता है और किसी प्रश्न का जवाब चाहता है तो उसमें सुनने का धैर्य भी होना चाहिए और सरकार से मिले जवाब पर भरोसा भी करना चाहिए। सवालों के जरिये यदि विपक्ष की मंशा संसद में हंगामा कर ठप करने की है और मकसद केवल राजनीति करना है, तो फिर वो अपनी संसदीय भूमिका नहीं निभा रहा है। संसद का मानसून सत्र शुरू होने के दिन से कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक के सभी विपक्षी दल पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संघर्ष विराम कराने के दावे, मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण आदि मुद्दों पर चर्चा की मांग करते रहे हैं। सरकार ने सर्वदलीय बैठक में भी विपक्ष को आश्वासन दिया कि वह सभी मुद्दों पर नियम के दायरे में चर्चा के लिए तैयार है। अब सरकार अगर संसद में विपक्ष के प्रश्नों के संदर्भ में सिलसिलेवार जवाब दे रही है, तो विपक्ष न सुनने समझने के लिए तैयार है न ही यकीन करने करने को राजी है। लगता है कांग्रेस ने एक ही ध्येय बना लिया है कि येनकेन प्रकार संसद में हंगामा करना है और सत्र नहीं चलने देना है। ऐसा इसलिए लग रहा है कि सोमवार को जब संसद में कांग्रेस ने तीखे सवाल किए तो सरकार की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और गृहमंत्री अमित शाह ने बारी बारी से जवाब दिए, लेकिन इस दौरान कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक के विपक्षी नेता हंगामा व नारेबाजी करते रहे। विपक्ष ने सरकार से जो सवाल पूछे हैं कि 100 दिन बीतने के बाद भी पहलगाम हमले के आतंकी अब तक क्यों नहीं पकड़े गए, ऑपरेशन सिंदूर अचानक क्यों रोका गया, भारत व पाक के बीच संघर्ष विराम को लेकर ट्रंप के दावों में कितनी सच्चाई है और पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के कितने लड़ाकू विमानों को नुकसान पहुंचा? आदि स्वाभाविक व जायज सवाल हैं, लेकिन विपक्षियों को सरकार का जवाब भी सुनना चाहिए और उस पर भरोसा करना चाहिए। विपक्ष के सांसद भी भारत के ही हैं और वे इसी देश की जनता के प्रतिनिधि हैं, इसलिए उनका दृष्टिकोण भी राष्ट्रीय होना चाहिए। उनके सवाल पूछने व उठाने के तरीकों से लगता है कि जैसे वे भारत के सांसद ही न हों। पुलवामा व उरी हमले के बाद हुए सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक के दौरान में कांग्रेस राष्ट्रीय हद से पार जाकर अपनी ही सेना की क्षमता को कटघरे में खड़ा कर रही थी। कम से कम सैन्य ऑपरेशन व कूटनीति-विदेश नीति के मसले पर तो देश में पचास से अधिक वर्ष शासन करने वाली कांग्रेस को तो राष्ट्रीय समझ के साथ सवाल उठाने चाहिए और आरोप लगाने चाहिए। संसद में सरकार ने साफ जवाब दिया कि ऑपरेशन सिंदूर सफल सैन्य एक्शन था, आतंकियों को सबक सिखाया गया, पाकिस्तान के हमले का करारा जवाब दिया गया, 8भारत व पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में राष्ट्रपति ट्रंप की कोई भूमिका नहीं है, बल्कि 22 अप्रैल से 17 जून के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई सीधी बातचीत नहीं हुई, तो विपक्ष को जवाब पर भरोसा होना चाहिए। प्रधानमंत्री भी यह स्पष्ट कर चुके हैं कि ट्रंप का दावा महज दावा ही है। हालांकि अभी तक पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगार पांच दहशतगर्दों का नहीं पकड़ा जाना पीड़ितों को न्याय की दिशा में बाधा है। कांग्रेस को सैन्य मसलों पर राजनीति छोड़ राष्ट्रीय हित में कम करना चाहिए। संसद में हंगामा कर उसे ठप नहीं किया जाना चाहिए।

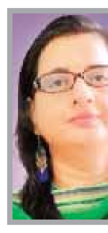

एनईपी के 5 वर्ष

डॉ. ऐश्वर्या झा

शिक्षा क्षेत्र की कायापलट की जरूरत

> शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नीति की जरूरत होती है। गुलाम मानसिकता के प्रतीक मैकाले की शिक्षा पद्धति को परिवर्तित करने के उद्देश्य से कोठारी आयोग (1964-1966) के अनुशंसा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 1986 में पहली बार लागू और वर्ष 1992 में इसमें संशोधन किया गया था। 29 जुलाई, 2020 को 'मानव संसाधन विकास मंत्रालय' द्वारा के कस्तूरीरंगन समिति की अनुशंसा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 2020 की घोषणा हुई, जिसमें समता, गुणवत्ता, वहनीयता और उत्तरदायित्व जैसे मुद्दों पर विशेष बल दिया गया है एवं इस वर्ष इस नीति के पांच वर्ष पूरे हुए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति चार स्तरों - स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, और व्यावसायिक एवं प्रौढ़ शिक्षा - में शैक्षिक ढाँचे को पुनर्परिभाषित करती है।

शिक्षा हमेशा से मानव विकास, विकसित राष्ट्र एवं सामाजिक प्रगति के लिए आधारशिला मानी गई है। शिक्षा केवल धन उपार्जन , रोजगार सृजन, तथ्यों का संग्रह या आँकड़ों को याद रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक गहन बहुआयामी प्रक्रिया है जो व्यक्ति एवं मानव समाज के शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक विकास को आकार देती है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति सफल और संपूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक संज्ञानात्मक, भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक उपकरण प्राप्त करता है। शिक्षा प्रणाली ही अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। भारतीय शिक्षा प्रणाली दुनिया की सबसे पुरानी शिक्षा प्रणालियों में से एक है। प्राचीन भारत में शिक्षा, आध्यात्मिकता और आत्म-साक्षात्कार पर केंद्रित थी। प्राचीन भारत में शिक्षा का उद्देश्य संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करना और उनका विस्तार करना था। शिक्षा गुरुकुलों, आश्रमों, धार्मिक स्थानों और घरों में दी जाती थी। तक्षशिला एवं नालंदा विश्वविद्यालय दुनिया में शिक्षा का सबसे पुराने विश्वविद्यालय माने जाते रहे हैं।

किसी भी देश में शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नीति की जरूरत होती है। गुलाम मानसिकता के प्रतीक मैकाले की शिक्षा पद्धति को परिवर्तित करने के उद्देश्य से कोठारी आयोग (1964-1966) के अनुशंसा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 1986 में पहली बार लागू और वर्ष 1992 में इसमें संशोधन किया गया था। 29 जुलाई, 2020 को 'मानव संसाधन विकास मंत्रालय' द्वारा के कस्तूरीरंगन समिति की अनुशंसा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की घोषणा हुई, जिसमें समता, गुणवत्ता, वहनीयता और उत्तरदायित्व जैसे मुद्दों पर विशेष बल दिया हैं एवं इस वर्ष इस नीति के पांच वर्ष पूरे हुए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का लक्ष्य भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। 34 वर्ष के अंतराल पर आई यह नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली के ढाँचे में तीसरा बड़ा सुधार है, जिसके माध्यम से रटंत आधारित शिक्षण, पाठ्यक्रम का अत्यधिक बोझ, निम्न शिक्षण परिणाम, उच्च शिक्षा पहुँच में असमानता और अपर्याप्त शिक्षक प्रशिक्षण जैसी समस्या का समाधान सुनिश्चित किए जाने का प्रयास किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति चार स्तरों - स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, और व्यावसायिक एवं प्रौढ़ शिक्षा - में शैक्षिक ढाँचे को पुनर्परिभाषित करती है। इसका लक्ष्य उच्च शिक्षा सहित संपूर्ण शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव लाना है, जहां बहु-विषयक शिक्षा, कौशल विकास और अनुसंधान व नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली के लिए एक परिवर्तनकारी कदम है । इस नीति के माध्यम से स्कूली पाठ्यक्रम में 10 + 2 ढांचे की जगह 5 + 3 + 3 + 4 का नया पाठयक्रम संरचना लागू किया गया है जो क्रमशः 3-8, 8-11, 11-14, और 14-18 उम्र वर्ग के बच्चों के लिए है, पाँचवी कक्षा तक मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई, विदेशी भाषाओं की पढ़ाई सेकेंडरी लेवल से आदि कई बदलाव किये गए है। स्कूली शिक्षा में 100% जीईआर, माध्यमिक स्तर तक सभी को शिक्षा , स्कूल से दूर रह रहे दो करोड़ बच्चों को दोबारा मुख्य धारा, उच्च शिक्षा संस्थानों में 3.5 करोड़ नई सीटें, शिक्षक-

विद्यार्थी अनुपात स्कूल में 30:1 (सामाजिक - आर्थिक रूप से वंचित बच्चों की अधिकता वाले क्षेत्रों में 25:1), ईआईटी, आईआईएम की तर्ज पर ही समकक्ष बहुविषयक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय (एमईआरयू) विकसित करने, दीक्षा पोर्टल पर बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान पर आधारित गुणवत्ता वाले संसाधनों का एक जगह संकलित कर डिजिटल माध्यम से सभी छात्रों को उपलब्ध करवाने, 2030 तक 100% युवा और प्रौढ़ साक्षरता की प्राप्ति करना एवं 2040 तक सभी शिक्षार्थियों के लिये गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देना है। इस नीति में मूल्यांकन का अभिनव प्रयोग “परख” (PARAKH = Performance, Assessment, Review and Analysis of Knowledge for Holistic Development) है जो समग्र विकास हेतु ज्ञान की समीक्षा और विश्लेषण करती है। अधिकांश राज्यों ने नई 5+3+3+4 संरचना, आधारभूत संरचना, शिक्षकों की नियुक्ति, शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटल सामग्री व मातृभाषा में शिक्षा, त्रिभाषा जैसे बिंदुओं पर क्रियान्वयन की दिशा में तेज़ प्रगति की है। इन पांच वर्षों में भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों ने विश्विद्यालय कॉलेजों की संख्या, जीईआर, छात्र-शिक्षक अनुपात, लैंगिक समानता अनुपात जैसे प्रमुख मापदंडों पर बेहतर प्रदर्शन किया है किंतु यह शिक्षा नीति के लक्षित दर से आधा भी नहीं है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

विगत दस वर्षों में संस्थानों की संख्या में 13.8% की वृद्धि, उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात बढ़कर 28.4% एवं यह वृद्धि बेहतर बुनियादी ढाँचे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जैसी नीतियों के वजह हुई है। शिक्षा नीति के पूर्ण कार्यान्वयन में कुछ बाधाएं हैं। इसके शुरुआती कार्यान्वयन एवं प्रगति में कोरोना महामारी के कारण देरी हुई । इसके अतिरिक्त सार्वजनिक चर्चा का अभाव एवं उसकी गलत व्याख्या और उदासीनता भी इसकी प्रगति में बाधक बनी। इन पाँच वर्षों में एनईपी के भाषा सूत्र को लेकर भ्रम है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति में त्रिभाषा सूत्र और बहुभाषिकता को स्थानिक शिक्षा प्रणाली में अपनाने की बात कही गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के चौथे तथा 22वें अध्याय में बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति पर बात की गई है जिसमें मातृभाषा की अनिवार्यता को स्वीकार कर उसमें शिक्षा के महत्त्व को स्पष्ट किया गया है। राजनीतिक कारण हिंदी की तथाकथित प्रमुखता को आए दिन विवाद का मुद्दा बनाते हैं । महाराष्ट्र, तमिलनाडु में हुआ विरोध इसका उदाहरण है। विश्वविद्यालयों में निजीकरण को लेकर भी संदेह की स्थिति है, जबकि एनईपी सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करने पर जोर देती है। शैक्षिक नीतियों का सफल कार्यान्वयन कई महत्वपूर्ण कारकों पर निर्भर करता है। एनईपी केवल परामर्शात्मक प्रकृति का है। कुछ राज्यों ने एनईपी से संबंधित कुछ मुद्दों पर अपनी चिंता व्यक्त की थी। हिमाचल प्रदेश एनईपी को औपचारिक रूप से लागू करने वाला पहला राज्य था, वहीं पांच वर्ष उपरांत भी कम से कम तीन राज्यों ने भी कार्यान्वयन के लिए सहमति नहीं दी है। भारत अपनी जीडीपी का लगभग 3-4% शिक्षा पर खर्च करता है, जबकि शिक्षा नीति के लक्ष्य 6 % से कम है। भारत में शिक्षा पर खर्च, भूटान और मालदीव जैसे अन्य पड़ोसी देशों से भी कम है। नीति को विनियमित करने के लिए भारतीय उच्च शिक्षा आयोग का प्रस्ताव था जिसका गठन वर्तमान निकायों यूजीसी, एआइसीटीई आदि का विलय करके किया जाना चार वर्ष बाद भी लंबित है एवं 2025 के मानसून सत्र में शायद ही पारित हो। देश भर में विभिन्न संस्थानों में पिछले कई वर्षों से शिक्षक की कमी चिंता का विषय हैं। एनईपी को लागू करने के साथ शिक्षा क्षेत्र में बड़े निवेश की जरूरत है, ताकि कायाकल्प हो।

(लेखिका एसोसिएट प्रोफेसर, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, डीयू हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

समसामयिक

पंकज झा

चर्च और कांग्रेस : यह रिश्ता क्या कहलाता है!

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार देश भर में रोज तकरीबन 18 हजार मुकदमें दर्ज किए जाते हैं। इन मुकदमों में जघन्य अपराधों से लेकर सामान्य अपराधों के विषय भी शामिल होता हैं। जमानतीय से लेकर गैर जमानतीय तक। हत्या से लेकर बलात्कार और धर्मांतरण तक के। चोरी और डकैती, तस्करी आदि से संबंधित भी। आप कल्पना कीजिए, अगर ऐसे हर अपराध दर्ज होने के बाद मुख्य विपक्षी कांग्रेस संसद तक को घेरने लगे, उसके तमाम बड़े कहे जाने वाले नेतागण ट्वीट/पोस्ट आदि करने लगे, तो कैसा होगा! कानून-व्यवस्था तक की स्थिति उसके बाद क्या होगी? ऐसा ही अटपटा मामला छत्तीसगढ़ में दो नन की गिरफ्तारी का है। सवाल यह है कि क्या हर मामले में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर ही अब कोई प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है? या कुछ विशेष संप्रदायों के मामले में यह तय किया जाएगा कि इन संप्रदायों से जुड़े विषयों पर राहुलजी की राय पहले ली जाय? क्या ऐसी कोई व्यवस्था संविधान में है? हर आरोपी को अंततः विहित व्यवस्था के तहत न्यायिक प्रक्रियाओं का सामना करना तो पड़ता ही है न? अगर आपको किसी आरोप में निरुद्ध किया गया है, तो न्यायिक व्यवस्था के तहत आपको अपना पक्ष कोर्ट में रखना ही होगा, दोषमुक्ति होने का और कोई उपाय है क्या?

छत्तीसगढ़ के बस्तर में नारायणपुर से कुछ आदिवासी लड़कियों को नौकरी का झांसा देकर आगरा ले जाने की सूचना पर दुर्ग पुलिस ने छापा मारा, और सूचना सही पाए जाने पर आरोपी महिला जो ईसाई मिशनरी से संबंधित थी, उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ऐसे न जाने देश भर में कितने मामले होते होंगे। विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में ह्यूमन ट्रैफिकिंग एक बड़ी समस्या है, जिस पर लगातार सरकारें कार्रवाई करती ही हैं। ऐसी कोई भी कारवाई कभी भी राजनीतिक मामला नहीं बनता है। हाल के दिनों में केवल जनवरी-जुलाई 2024 तक, छत्तीसगढ़ पुलिस ने 50 से अधिक तस्करी पीड़ितों को बचाया, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। पिछले वर्ष के एक मामले में तो छत्तीसगढ़ पुलिस ने रायपुर में एक अंतरराज्यीय तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया, जिसमें 15 नाबालिग लड़कियों को दिल्ली भेजा जा रहा था। तब भी 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जुलाई 2024 में रायपुर में तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ कर 8 नाबालिग लड़कियों को बचाया गया। मई 2024 में बस्तर से एक 12 बच्चों को तस्करी से बचाया, जो ईंट भट्टों में काम करने के लिए ले जाए जा रहे थे। इससे पहले सुरजपुर में पुलिस ने सामाजिक संगठनों की सहायता से 10 बच्चों को बचाया, फिर आदिवासी समुदायों से युवतियों को नौकरी का झांसा देकर तस्करी करने के कई मामले दर्ज किए गए।

मानव तस्करी का यह कृत्य न केवल बच्चियों को देह व्यापार में धकेलने संगठित रूप से यह किया जा रहा है, बल्कि अंग तस्करी आदि के लिए भी ऐसे घृणित अपराध होने की सूचना है। आखिर छत्तीसगढ़ के एक जिले से दो महिलाओं की गिरफ्तारी में ऐसा क्या विशेष है, जिसके कारण समूचे देश में कांग्रेस की बासी कढ़ी में इतना उबाल आ गया। अन्य विषयों से इसमें विशेषता केवल यह थी कि दोनों आरोपी महिला आईएसआई मिशनरी से जुड़ी थी और 'नन' थी। तो क्या छत्तीसगढ़ में पुलिस को अब कोई कार्रवाई करने से पहले यह देखना पड़ेगा कि आरोपी कोई ईसाई या मुस्लिम न हो? अगर ऐसे किसी के खिलाफ मुकदमें आदि दर्ज किए गए, तो कांग्रेस इस तरह अपनी समूची ताकत बस्तर की बेटियों का सौदा करने वालों के पक्ष में झोंक देगी? जिस संविधान की बड़ी बड़ी बात राहुल गांधी जी करते हैं, क्या वह संविधान ऐसे किसी कृत्य की इजाजत देता है? क़ानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार प्रदेश की सरकार को आखिरकार क्यों केंद्रीय कांग्रेस से कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र चाहिए भला? इससे पहले भी अनेक घटनाएँ हुई जिसमें केवल मत विशेष का होने के कारण कांग्रेस ने आँख मूँद कर समर्थन दिया। बस्तर में कमिश्नर और एसपी ने अलग-अलग पत्र लिख कर तब की भूपेश बघेल सरकार को ईसाई मिशनरियों में कारण पैदा हो रहे संकट से अवगत कराया था। लेकिन बजाय कोई सार्थक कदम उठाने में संदिग्धों से तब के मुख्यमंत्री दिल्ली में मुलाकात कर आए और बकायदा ट्वीट कर इसकी जानकारी भी साझा की थी। फिर कांग्रेस के ही विधायक ने तब मिशनरियों की सभा लेकर आदिवासियों के खिलाफ उनकी लड़ाई में साथ देने का वादा किया था। उस समय मिशनरियों के मंसूबे इतने आसमान पर थे कि राजधानी रायपुर में एक मिशनरी ने संविधान जलाने की धमकी तक दी थी, फिर भी तब की कांग्रेस सरकार न केवल उन तमाम हरकतों के विरुद्ध तटस्थ रही थी, बल्कि प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से उसे हवा भी देती रही थी।

बात चाहे भ्रष्टाचार की हो या तस्करी की, क़ानून व्यवस्था का विषय हो या साम्प्रदायिक मतांतरण आदि का। कांग्रेस को असुविधा पैदा करने वाले मुद्दों पर इस तरह न्याय प्रणाली के विरुद्ध झोंक देना, किसी अज्ञात दबाव में समूचे सिस्टम को बंधक बनाने की ऐसी कोशिश निंदनीय है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में क़ानून की दृष्टि में सभी एक हैं। सबको न्यायिक उपचार लेने का अधिकार है। लेकिन इस प्रणाली पर दबाव बनाना, किसी भी अज्ञात आरोपी के पक्ष में स्वयं ही कूद कर नतीजे पर पहुँच जाना। ख़ुद ही वकील, अपील और दलील बन जाना अनुचित है। नैसर्गिक न्याय का सिद्धांत है कि सौ दोषी भले बच जाये, पर किसी एक भी दोषी को सजा नहीं मिले, ऐसे उदार तंत्र पर भरोसा नहीं कर देश भर में गलत तरीके से माहौल बना कर कानून या संविधान को बंधक बनाने की साजिश सफल नहीं होने दी जायेगी। ऐसी गलत परिपाटी से किसी भी राजनीतिक समूह को बचना चाहिए।

(लेखक पूर्व प्रोफेसर, (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

उद्यमो भैरवः

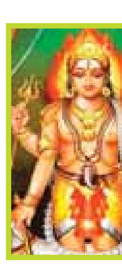

संकलित

दर्शन

हम इस दार्शनिक उलझन में पड़ गए हैं कि प्रभु करते हैं या हम करते हैं। क्या मैंने भी कुछ किया है या सबकुछ प्रभु ही कराते हैं? इसको समझना बहुत आवश्यक है। इस बात को समझे बिना, आध्यात्म के नाम पर हम क्या-क्या करते हैं। इसलिए, तथाकथित धार्मिक या आध्यात्मिक लोग बहुत समस्या पैदा करते हैं। स्वयं भी समस्या में उलझ जाते हैं और दूसरों के लिए भी समस्या पैदा कर देते हैं, क्योंकि उन्हें अकर्मण्यता पकड़ लेती है। एक विलक्षण शिव सूत्र है, 'उद्यमो भैरवः' भैरव शिव जी से ही प्रकट हुई शक्ति है। यदि आप किसी कार्य में संलग्न हैं तो उसमें अपना सौ प्रतिशत लगाएं। यही उद्यम है। ये आपको मुक्त कर देगा। जो काम करना है, उसके बारे में सोचकर बैठे रहने से कुछ नहीं होगा। करना है और छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं तो वह भी नहीं होगा। जो करना है, वह पूरा करके समाप्त करें और जो छोड़ना है, उसे छोड़कर शांत हो जाएं। दोनों में सौ प्रतिशत लगाएं। उद्यमो भैरवः प्रयत्न भी भगवान ही है। यदि हमारे उद्यम से ही सारा लाभ प्राप्त हो जाए तो हर एक व्यक्ति सफल हो जाता। ऐसा तो नहीं होता है। जब आप कोई काम करते हैं तो कभी सफल होते हैं और कभी असफल होते हैं। एक आलसी व्यक्ति सब छोड़कर बैठ जाता है। जब होगा, तब होगा। और जो व्यक्ति ज्वर से पीड़ित है, वह करता ही जा रहा है। वह तनाव से भरा हुआ है। वह आशाओं के पत्थरों को सिर पर ढो रहा है। उसके भीतर विभिन्न प्रकार की नकारात्मक संवेदनाएं उत्पन्न होने लगती हैं। तो मार्ग क्या है? कहां है? तब बताते हैं, 'उद्यमो भैरवः'।

अर्जुन को अपनी विद्या पर था घमंड

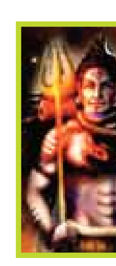

संकलित

प्रेरणा

महाभारत का प्रसंग है। कोरव और पांडवों का युद्ध तय हो गया था। दोनों ही पक्ष युद्ध की तैयारियां कर रहे थे। उस समय अर्जुन ने एक पर्वत पर देवराज इंद्र से दिव्यास्त्र पाने के लिए तप किया। देवराज इंद्र प्रकट हुए और उन्होंने कहा कि मुझसे दिव्यास्त्र लेने से पहले तुम्हें शिव जी को प्रसन्न करना होगा। इंद्र देव की बात मानकर अर्जुन ने शिव जी को प्रसन्न करने तप शुरू कर दिया। जिस जगह अर्जुन तप कर रहे थे, वहां एक दिन एक जंगली सूअर आ गया। सूअर एक मायावी दैत्य था। अर्जुन ने जैसे ही जंगली सूअर को देखा, उन्होंने अपने धनुष पर बाण चढ़ा लिया। तभी वहां किरात वनवासी पहुंच गया। किरात वनवासी कोई और नहीं, बल्कि शिवजी ही थे, जो वेष बदलकर आए थे। वनवासी ने अर्जुन को बाण चलाने से रोक दिया और कहा कि ये मेरा शिकार है। ये बात सुनने के बाद भी अर्जुन ने तीर सूअर की ओर छोड़ दिया। वनवासी ने भी उसी समय बाण छोड़ दिया। अर्जुन और वनवासी के बाण एक साथ उस सूअर को लगे। सूअर तो मर गया, लेकिन इन दोनों के बीच विवाद होने लगा। ये विवाद युद्ध तक पहुंच गया। युद्ध के बीच में वनवासी का एक बाण अर्जुन को लग गया। इसके बाद अर्जुन ने कुछ देर के लिए युद्ध रोका और मिट्टी का एक शिवलिंग पूजा की। पूजा में जो माला अर्जुन ने शिवलिंग पर चढ़ाई थी, वह उस वनवासी के गले में दिखाई देने लगी। ये देखकर अर्जुन समझ गए कि ये स्वयं शिव जी ही हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

बीमा सखी योजना से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा

केंद्र सरकार की बीमा सखी योजना न केवल महिलाओं के लिए उपयोगी होगी, बल्कि ग्रामीण भारत को आर्थिक सुरक्षा देने के लिए महत्वपूर्ण है । किसानों लिए सरकार महत्वपूर्ण फैसले ले रही है । केंद्र सरकार की अनेक योजनाएं महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण ही नही है, बल्कि गांवों में बीमा सखी योजना आर्थिक सुधारों के लिए मिल का पत्थर साबित हुई है । केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि किसान एवं कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बयान दिया है कि मोदी के नेतृत्व में बीमा सखी योजना महिला शसक्तीकरण और ग्रामीण आर्थिक सुरक्षा देने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है । केंद्र और राज्य सरकार की अनेक योजना महिला सशक्तिकरण की तरफ विकास की बुलंदिया छूने के लिए पर्याप्त है ।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

X ट्रेंड

बहुत-बहुत बधाई

दिव्या देशमुख को मेरी हार्दिक बधाई, जो महिला विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, मात्र उन्नीस वर्ष की आयु में। कोनेरू हम्पी उपविजेता रहीं और शतरंज विश्व चैंपियनशिप की दोनों फाइनलिस्ट भारत से थीं।

-द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

महानता के दर्शन

'शैव सिद्धांत और चोल मंदिर कला' नामक एक बहुत अच्छी प्रदर्शनी देखी, जो तमिल इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिक महानता को दर्शाती है। यह देखने के बाद ऐसा लगा कि हमारी संस्कृति ने हमें कितनी अद्भुत सौगात दी है। जो दुनियाभर को मेल जोल के संस्कार दे रही है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आपका बहुत अभिनंदन

अश्लीलता के विरुद्ध उदय माहुरकर आपके अभियान का युवा पीढ़ी, देश,धर्म व संस्कृति की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान होगा, यह लड़ाई भोगवाद व अध्यात्मवाद की है, अश्लीलता व भोगवाद के विरुद्ध महत्वपूर्ण विजय के लिए आपका बहुत अभिनंदन।

- बाबा रामदेव, योगगुरु

खाना लाजवाब

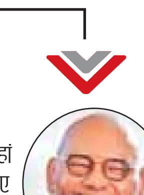

हाल ही में, न्यूयॉर्क में मैंने घर का स्वाद चखा। उस शहर में, जो कभी सोता नहीं, मुझे सबसे अच्छा भारतीय रेस्तरां मिला जहां एक इंडियन के सपने एक प्लेट में सच हुए नज़र आए। खाना तो बहुत लाजवाब था।

- अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

करंट अफेयर

किम की बहन ने द. कोरिया की सुलह पहल को ठुकराया

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने दक्षिण कोरिया की नयी सरकार के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसमें उसने दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए बातचीत की पेशकश की थी।

किम जोंग की बहन ने इस प्रस्ताव को सोमवार को खारिज करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत करने में कोई रुचि नहीं है, चाहे उसका प्रतिद्वंद्वी कोई भी प्रस्ताव क्यों न पेश करे। किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग की इन टिप्पणियों से फिर से यह स्पष्ट होता है कि उत्तर कोरिया का निकट भविष्य में दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका के साथ किसी भी प्रकार की कूटनीतिक बातचीत करने का कोई इरादा नहीं है। उत्तर कोरिया इस समय रूस के साथ अपने बढ़ते सहयोग पर अधिक ध्यान दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि उत्तर कोरिया को लगता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त होने के बाद भी वह रूस के साथ अपने संबंधों को पहले जैसा नहीं रख पाएगा, तो वह अपना रुख बदल सकता है। दक्षिण कोरिया के सरकारी मीडिया द्वारा जारी एक बयान में किम यो जोंग ने कहा, ''हम एक बार फिर आधिकारिक रुख स्पष्ट करते हैं कि सियोल (दक्षिण कोरिया) में चाहे कोई भी नीति अपनाई जाए और कोई भी प्रस्ताव रखा जाए, हमें उसमें कोई रुचि नहीं है।

ऑफ बीट

हरित ऊर्जा के लिए पृथ्वी पर पर्याप्त हाइड्रोजन मौजूद

पृथ्वी की महाद्वीपीय चट्टानों के सबसे पुराने हिस्सों ने अरबों वर्षों से बड़े पैमाने पर प्राकृतिक हाइड्रोजन उत्पन्न किया है और वैज्ञानिकों का मानना है कि यह गैस पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद भंडारों में संचित हो सकती है, जो आने वाले वर्षों में वैश्विक हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी स्रोत बन सकती है। माली में एक गैस क्षेत्र से शुद्ध प्राकृतिक हाइड्रोजन का व्यावसायिक उत्पादन इसकी व्यापक संभावनाओं का प्रमाण है, जिसने अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और यूरोप के नीति-निर्माताओं का ध्यान आकर्षित किया है। तेजी से बढ़ रही रुचि साल 2023 के अंत तक दुनियाभर में 40 कंपनियां प्राकृतिक हाइड्रोजन की खोज में सक्रिय थीं और वर्ष 2024 से यह संख्या दोगुनी होने की संभावना जताई गई है। इसमें औद्योगिक निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय खनिज कंपनियों की भागीदारी भी बढ़ी है तथा आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में नवाचार की भी संभावना है। हाइड्रोजन : एक बहुपयोगी संसाधन ईंधन परिष्करण, अमोनिया और उर्वरक उत्पादन तथा इस्पात उद्योग जैसे क्षेत्रों में पहले से ही हाइड्रोजन का उपयोग हो रहा है। ब्रिटेन सरकार के एक हालिया नीति पत्र के अनुसार, हाइड्रोजन को प्राकृतिक संसाधन के रूप में मान्यता दिए बिना इस क्षेत्र में निवेश और विकास को बढ़ावा देना मुश्किल है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

नशामुक्ति, बीज-खाद कालाबाजारी, पीएम आवास योजना, लखपति दीदी पर शिवराज ने की चर्चा

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने रायसेन में 'दिशा समिति' की बैठक में की विकास कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को रायसेन में 'जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा)' की बैठक की।

बैठक में नशामुक्ति, खाद कालाबाजारी, नकली खाद, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत लखपति दीदियों, जल संरचना, ऊर्जा विभाग के कामकाज की प्रगति सहित अन्य जनकल्याण विषयों पर गहन चर्चा हुई।

'नकली खाद बेचना महापाप, दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने जिले में कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान योजनावार जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि, खाद की कालाबाजारी या नकली खाद बेचकर किसानों के साथ महापाप करने वालों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने जिले में मूंग उपार्जन कार्य की भी जानकारी ली तथा उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। चौहान ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से कहा कि रायसेन जिले को विकास और जनकल्याण के मामले में मॉडल बनाएं। जनप्रतिनिधि और अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण करें। जो भी पात्र व्यक्ति योजना के हितलाभ से वंचित रह गया है तो उसे शीघ्र योजना का लाभ दिलाया जाए। निर्माण कार्य समय पर पूर्ण हों इसके लिए सघन मॉनीटरिंग की जाए।

पीएम आवास की किश्त समय पर जारी हो: चौहान

चौहान ने आवास प्लस के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि योजना का क्रियान्वयन इस प्रकार हो कि हितग्राहियों को समय पर किश्त की राशि जारी हो। निर्माण कार्यों में लापरवाही न हो और कार्य समय पर पूरे हो इसके लिए जिला स्तर पर सघन मॉनीटरिंग की जाए। वर्ष 2024-25 में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में कुल 27 हजार 981 आवास स्वीकृत किए गए जिनमें से 4 हजार 825 पूर्ण हो गए हैं और 23 हजार 156 प्रगतिरत हैं।

'हर गांव मुख्य मार्ग से जोड़ा जाए'

केन्द्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नवनिर्मित और निर्माणाधीन सड़कों के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में प्रत्येक गांव को मुख्य सड़कों से जोड़ा जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में योजना के तहत वर्ष 2024-25 में 276.236 किमी लम्बाई की 30 सड़कें स्वीकृत की गई जिनमें से 28 सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। इसी प्रकार योजना के तहत स्वीकृत किए गए 13 पुलों में से 09 पुलों का कार्य पूर्ण हो गया है। बैठक में एनएचएआई के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

'कृषि विभाग को खेतों में जाकर फसलों का निरीक्षण करने के निर्देश'

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए कि, कृषि विभाग का अमला खेतों का भ्रमण करें और फसल में रोग की समस्या होने पर किसानों को उचित कीटनाशक के प्रयोग की जानकारी दें। इसके अतिरिक्त कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से किसानों को खेती की उन्नत और नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी जाए। केंद्रीय मंत्री ने रबी फसल हेतु अभी से तैयारियां करने के भी निर्देश दिए। जिले की बासमती धान विदेशों में रिजेक्ट किए जाने की जानकारी संज्ञान में लाने पर केन्द्रीय मंत्री ने कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को बताएं कि जो कीटनाशक विदेशों में प्रतिबंधित हैं उनका उपयोग ना करें।

खबर संक्षेप

सहकारिता राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष बने मनोज गुप्ता

भोपाल। रविवार को मप्र सहकारिता विभाग राजपत्रित अधिकारी संघ की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता को सर्वसम्मति से संघ का अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर संघ के संरक्षक सेवानिवृत्त अपर आयुक्त अरुण माथुर, ब्रजेश शरण शुक्ल व पीएस तिवारी की उपस्थिति में सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें संयुक्त आयुक्त अरुणा दुबे एवं महेंद्र दीक्षित को उपाध्यक्ष, संयुक्त आयुक्त केके द्विवेदी को जनरल सेक्रेटरी, आरएस विश्वकर्मा उपायुक्त को कोषाध्यक्ष जबकि

आम आदमी पार्टी डोडाचूरा के संबंध में देंगी ज्ञापन

भोपाल। आम आदमी पार्टी डोडाचूरा के सम्बन्ध में 29 जुलाई को प्रदेशभर में ज्ञापन सौंपेगी। यह ज्ञापन मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति के नाम से कलेक्टर कार्यालय में सौंपे जाएंगे। आम आदमी पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी रमेश गुर्जर ने बताया कि नीमच, मंदसौर, रतलाम जिले में हजारो किसान अफीम काश्तकार है और वर्तमान में कई सालों से अफीम कास्तकारो का डोडा चूरा खरीदने के सम्बन्ध में कोई स्पष्ट नीति सरकार द्वारा नहीं बनाई गई है। पुलिस द्वारा केस दर्ज किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर डोडा चूरा किसानों से खरीदी को लेकर भी असमंजस बना हुआ है।

आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास ने समीक्षा के बाद 8 ठेकेदारों को किया ब्लैक लिस्ट

नगरीय निकायों के विकास कार्यों में अनियमितता बरतने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास संकेत भोंडवे ने कहा कि नगरीय क्षेत्र में विकास कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन ठेकेदारों ने कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की है और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर निविदा प्रक्रियाओं को प्रभावित किया है, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जारी आदेश के अनुसार जिन ठेकेदारों के खिलाफ भी जांच की प्रक्रिया जारी है। उन्हें जल्द ही ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। इस कठोर कदम के माध्यम से विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्वक और समय पर पूरे हों। अभी 8 कंपनियों के ठेकेदारों को उनके कार्यों आदि के परीक्षण के बाद ब्लैकलिस्ट किया गया है। यह कंपनियां आगामी निविदा प्रकियाओं में भाग नही ले सकेंगी।

यह हैं ब्लैक लिस्टेड कंपनियां

नगरीय प्रशासन विभाग ने जिन कंपनियों को ब्लैक लिस्ट किया है, उनमें मे. यादव ट्रेडर्स (खरगौन), मे. हेमन्त जैन एण्ड एसोसिएट्स (इन्दौर), मे. कार्तिक इन्टरपाईजेस (इन्दौर), मे. शिवम कन्स्ट्रक्शन (शिवपुरी), मे. विक्की कुमार तुरकोलिया (चम्पारण, बिहार), मे. यशोदा मार्केटिंग (पटना, बिहार), मे. केएलडी क्रिएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रालि (कानपुर, उत्तरप्रदेश) और मै. पौराणिक ट्रेडर्स नागौद शामिल हैं। इसके अलावा अमृत 2.0 योजना में 44 निविदाकारों की ओर से निविदा स्वीकृत होने के उपरांत अनुबंध की कार्रवाई नहीं करने से गुण दोष के आधार पर सस्पेंशन और ब्लैकलिस्टिंग पर भी विचार किया जा रहा है।

कार्यों की धीमी गति होगी दुरुस्त

आयुक्त भोंडवे ने बताया कि यह कार्रवाई विभाग की ओर से गुणवत्ता सुधार और कार्यों की धीमी गति को दुरुस्त करने के लिए एक मिशन के रूप में की जा रही है। इसके तहत ठेकेदारों की ओर से की गई अनियमितताओं और खराब गुणवत्ता के कारण उन्हें ब्लैकलिस्ट किया गया है। अब वे भविष्य में लोक निर्माण विभाग के पोर्टल पर काली सूची में दर्ज होंगे।

आंगनबाड़ियों और खेल से सीखने की शक्ति को बढ़ावा मिलेगा

आनंदमय शिक्षा का परिपोषण करने आंगनबाड़ियों का मनाया उत्सव

एकीकृत बाल विकास सेवाओं (आईसीडीएस) की 50 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में केईएफ फाउंडेशन ने एक विशेष कार्यक्रम बचपन का त्यौहार का आयोजन किया। इसने 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए आनंदमय शिक्षा का परिपोषण करने वाले स्थान के रूप में आंगनवाड़ियों का उत्सव मनाया।

एसीएस शमी ने पुस्तक का विमोचन किया

इस मौके पर महिला एवं बाल विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव (एसीएस) रश्मि अरुण शमी ने 'बचपन का त्यौहार' नामक एक कहानी-पुस्तक का विमोचन किया। एसीएस श्रीमती शमी ने कहा कि यह खेल सीखने का सबसे अच्छा तरीका है, बच्चे यह बिना कुछ जाने ही सीख जाते हैं। खासकर छोटे बच्चों के लिए, यह उनके बचपन का आनंद लेने का सबसे अच्छा तरीका है। माता-पिता के लिए भी इसमें शामिल होने का एक बेहतरीन तरीका है। आंगनवाड़ी केंद्र इसे और बेहतर बना सकते हैं, ताकि हर बच्चा फल-फूल सके। छतरपुर की एक गौरवान्वित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने कहा, हम सिर्फ बच्चों को पढ़ाने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि हम भी उनसे हर दिन सीखते हैं। यह मेरे केंद्र में आने वाले बच्चों, उनके अभिभावकों, सरकारी विभाग और समुदाय के बीच एक मजबूत बंधन और जोश भरा सहयोग है। आंगनवाड़ी केंद्र, जो अक्सर ग्रामीण भारत की शिक्षा का आधार होते हैं, बच्चों को जुड़ाव, जिज्ञासा और सामूहिक देखभाल का एक विरल आवरण प्रदान करते रहते हैं।

इंदौर मेट्रो का पूरा सेक्शन इसी साल के अंत तक शुरू करने की तैयारी: सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर मेट्रो ट्रेन के शेष कार्यों की प्रगति की जानकारी मीडिया को दी। उन्होंने कहा कि इंदौर में मेट्रो ट्रेन की सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि इंदौर मेट्रो का पूरा सेक्शन, जो सुपर कॉरीडोर से मालवीय नगर चौराहा (रेडिसन चौराहा) तक इसी साल के अंत तक शुरू हो जाए। इससे इंदौर शहरवासियों को पूर्ण मेट्रो ट्रेन सुविधा मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि इंदौर और भोपाल में विश्वस्तरीय मेट्रो ट्रेन सेवा समय पर शुरू हो, जिससे आमजन को सार्वजनिक परिवहन का एक सरल, सहज, सुगम, बेहतर और सुरक्षित माध्यम मिल सके।

'मन की बात' लोकतंत्र और देशभक्ति सशक्त बनाने वाला कार्यक्रम: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, मंत्री-सांसदों सहित कार्यकर्ताओं ने सुना प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में देशवासियों को संबोधित किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के शाहपुरा मंडल के वार्ड क्रमांक 50, बूथ क्रमांक-202 के शील पब्लिक स्कूल गुलमोहर में, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने बैतूल के पाढर मंडल के बूथ क्रमांक 339, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने रायसेन के खरवई मंडल के बूथ क्रमांक 88, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने करुणाधाम मंडल के वार्ड क्र 27, कोटरा कमला नगर, कम्युनिटी हॉल, बूथ क्र. 48 एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने भोपाल ग्रामीण जिले के हर्राखेडा मंडल के गुनगा बूथ के बूथ क्रमांक 209 स्थित सामुदायिक भवन में पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजनों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मन की बात सुनने के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम लोकतंत्र और देशभक्ति को सशक्त बनाने वाला कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही विकास यात्रा में हम सबको सहभागी बनना चाहिए। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश के हर कोने की सकारात्मक जानकारियां साझा होती हैं और आपसी रिश्ते मजबूत होते हैं।

सीएम साय ने पुष्पवर्षा कर किया कांवड़ियों का स्वागत

विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, डिप्टी सीएम शर्मा भी रहे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कबीरधाम

सावन माह के तीसरे सोमवार को छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में स्थित बाबा भोरमदेव में एक बार फिर श्रद्धा, भक्ति और सनातन आस्था का जीवंत प्रतीक बन गया है। यहां आज सुबह करीब 11.30 बजे सीएम विष्णुदेव साय ने हेलीकॉप्टर से भोरमदेव मंदिर परिसर पहुंचकर कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं, भक्तों व कांवड़ियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब सीएम ने स्वयं श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा से स्वागत किए है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ सरकार की सनातन परंपरा, लोक आस्था व श्रद्धालुओं के प्रति सम्मान के भाव को दर्शाता है, जो राज्य के सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है। उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह, डिप्टी सीएम विजय शर्मा व अरुण साव भी मौजूद थे। इसके बाद सभी ने मंदिर में पूजा अर्चना की। बता दें कि सावन माह में भोरमदेव मंदिर का विशेष धार्मिक महत्व है। तीसरे सोमवार होने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या और उनकी आस्था दोनों ही चरम पर है। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम, बेमेतरा, खैरागढ़, राजनांदगांव, बलौदा बाजार, मुंगेली, बिलासपुर समेत अन्य जिलों से हजारों की संख्या में कांवड़िए भोरमदेव पहुंचते हैं। साथ ही, मां नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक से जल लेकर पदयात्रा करते हुए भोरमदेव मंदिर पहुंचते हैं और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

वन कर्मचारी नौ अगस्त से शुरू करेंगे पोस्टकार्ड आंदोलन

वन कर्मचारियों की बैठक में पारित हुआ छह सूत्रीय प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

लंबित मांगों का निराकरण नहीं होने से आक्रोशित वन कर्मचारी नौ अगस्त से पोस्टकार्ड आंदोलन शुरू करने जा रहे है। रविवार को इंदिरा निकुंज नर्सरी 74 बंगला में आयोजित मप्र कर्मचारी मंच वन विभाग की बैठक में यह निर्णय लिया गया। प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 9 अगस्त 2025 से छह सूत्रीय मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री के नाम प्रांत व्यापी पोस्टकार्ड आंदोलन शुरू किया जाएगा।

पांडे ने बताया कि बैठक में छह सूत्रीय मांगों का प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें वन रक्षकों को 5680/1900 ग्रेड पे का वेतनमान सन 2006 से देने, दैनिक वेतन भोगी से वन रक्षक बने वन रक्षकों को दैनिक वेतन भोगी सेवा कल की वरिष्ठता देने, कंप्यूटर ऑपरेटर को संविदा नियुक्ति एवं पीएफ सुविधा का लाभ देने, स्थाई कर्मियों को चतुर्थ श्रेणी के पद पर नियमित करने, वाहन चालकों को नियमित वेतनमान देने एवं बीमा करने, सुरक्षा श्रमिकों को तीन साल की सेवा के बाद अर्द्ध कुशल का वेतन एवं पांच साल की सेवा के बाद कुशल श्रमिक का वेतन भुगतान करने की प्रमुख मांग शामिल की गई है। बैठक में निर्णय लिया गया कि छह संवर्ग के वन कर्मचारी एक अगस्त को प्रधान मुख्य वन संरक्षक हाफ को छह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे।

उप महानिरीक्षक अविनाश संजीव को किया सम्मानित

- सीआरपीएफ का 87वां स्थापना दिवस आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीआरपीएफ का 87वां स्थापना दिवस आयोजित किया गया। समारोह की शुरूआत शहीदों के श्रद्धांजली अर्पण से हुई। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एमपी के सेक्टर के महानिरीक्षक सुमनकान्त तिग्गा के द्वारा सीआरपीएफ के महत्व के बारे में बताते हुए अफसरों और जवानों का मनोबल बढ़ाया। इस मौके पर अविनाश शरण उप महानिरीक्षक ग्रुप केन्द्र भोपाल, संजीव रंजन उप महानिरीक्षक ग्रुप केन्द्र भोपाल को महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा विशेष प्रशंसा डिस्क और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर बॉलीबाल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

आईएएस नियाज खान ने मुस्लिम देशों को जमकर लगाई फटकार

भोपाल। मप्र कॉडर के सीनियर आईएएस नियाज खान ने सऊदी अरब समेत सभी मुस्लिम देशों को जमकर फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम देशों का रवैया देखकर उन्हें मुस्लिम कहलाने में शर्म महसूस होती है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब को इस्लाम की जन्म स्थली माना जाता है, पर मुस्लिमों पर जहां भी मुसीबत आती है, यह देश नपुंसक बन जाते हैं। मुझे तो मुसलमान कहलाने में शर्म आ रही है।

आईएएस खान ने कहा कि मेरे विचार से 57 मुस्लिम देशों में इस्लाम सऊदी अरब से ही पहुंचा है। ऐसे में दुनिया में मुसलमान पर कहीं भी मुसीबत में हो तो, सऊदी अरब को पहले आवाज उठानी चाहिए। जिस प्रकार से फिलिस्तीनियों की हत्याएं गाजा में हो रही है, सऊदी अरब मौन धारण किए हुए हैं।

सतर्कता विभाग की दबिश, डिप्टी रेंजर के घर मिले डेढ़ करोड़

6 अन्य ठिकानों पर चल रही कार्रवाई, सोना-चांदी के आभूषण भी जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर से लगे ओड़िसा में रविवार की सुबह सतर्कता विभाग की टीम ने वन विभाग के डिप्टी रेंजर के घर दबिश दी, इस कार्रवाई में डिप्टी रेंजर के घर से डेढ़ करोड़ रुपये नगद के अलावा उनके 6 ठिकानों में कार्रवाई की गई। बता दें कि बस्तर से सटे ओड़िशा के रेंज में बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। यहां आय से अधिक संपत्ति मामले में सतर्कता विभाग ने वन विभाग के डिप्टी रेंजर रामचंद्र नेपक के 6 ठिकानों पर छापेमारी की है। जैपुर और भुवनेश्वर समेत 6 जगहों पर छापेमारी के दौरान गोल्डन हाइट्स अपार्टमेंट से भारी मात्रा में नकदी और सोना मिला है। अब तक विजिलेंस डेढ़ करोड़ रुपए से ज़्यादा नगद जब्त कर चुकी है। इसके साथ ही विजिलेंस ने भारी मात्रा में सोने और चांदी के आभूषण भी जब्त किए हैं। जैपुर विजिलेंस एसपी रवींद्र कुमार पांडा के नेतृत्व में छापेमारी अभी भी चल रही है। इस खबर को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा था है कि ओड़िशा और बस्तर की सरहद पर बसे माचकोट-तिरिया इलाके में घना जंगल है, जबकि ओड़िशा का जंगल पूरी तरह से साफ हो चुका है। ऐसे में इस संभावना को बल मिलता है कि ओड़िशा के वन अमले के संरक्षण में लकड़ी तस्कर कहीं बस्तर के जंगलों को चट तो नहीं कर रहे, जिसकी शिकायत आए दिन मिलती रहती है।

उच्च स्तरीय बैठक की समीक्षा के दौरान बोले दूरसंचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगेंगे बीएसएनएल के 400 टॉवर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित और दूरस्थ इलाकों में डिजिटल संचार को सशक्त बनाने के लिए 400 नए बीएसएनएल टावर लगाने की योजना पर कार्य कर रही है। ग्रामीण विकास और दूरसंचार राज्यमंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने रायपुर में कहा कि इन टावरों की स्थापना के लिए सुरक्षा बलों और वन विभाग से आवश्यक मंज़ूरी मिलने के बाद चरणबद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया, 'बीएसएनएल आज देश में उच्च गुणवत्ता की 4जी सेवाएं दे रहा है और इस विस्तार के साथ हम देश के अंतिम गांव तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाने के मिशन को साकार कर रहे हैं।' डॉ. शेखर ने रायपुर में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें ग्रामीण विकास विभाग, डाक विभाग, दूरसंचार विभाग और भारत संचार निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

'पिंक आटो' को बताया सशक्त कार्य

बैठक के दौरान मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं के तेज़ और प्रभावशाली क्रियान्वयन पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं ग्रामीण आधारभूत संरचना और आवास क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन ला रही हैं। राज्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 'पिंक ऑटो' जैसे नवोन्मेषी प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत महिलाओं को स्वामित्व वाले पिंक ऑटो प्रदान किए जा रहे हैं। यह पहल अन्य राज्यों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकती है। उन्होंने कहा की स्वसहायता समूहों को विभिन्न योजनाओं से जोड़कर उन्हें वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और विपणन अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है। डॉ. शेखर ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को 'मिशन मोड' में लागू किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में सेवाएं घर-घर तक पहुँचाने की रणनीति अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में विद्यालयों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है, जिससे छात्रों को अब जेईई, नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिल रही है। इसके साथ ही, दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं, जो एक संवेदनशील और समावेशी पहल है।

श्रावण सोमवार पर निकले गाजे बाजे के साथ ध्वज जुलूस

तड़के से देर रात तक चला शिवजी के अभिषेक का सिलसिला

जबलपुर।

श्रावण मास के तृतीय सोमवार पर शहर में हर्षोल्लास का वातावरण रहा। भगवान शिव के अभिषेक का सिलसिला सुबह से देर रात तक चला। जबलपुर में श्रावण सोमवार पर मां शारदा मंदिर मदनमहल और शिवालयों में लाल ध्वज चढ़ाने का विशेष महत्व है। लिहाजा तृतीय सोमवार को बाजेगाजे के साथ दिन भर ध्वज जुलूस निकलते रहे।

दुग्धाभिषेक के आयोजन

नगर के शिवालयों में सुबह से ही ''ओम नमः शिवाय'' के महामंत्र जप के साथ भगवान शिव की आराधना प्रारंभ हुई। सायंकाल महा आरती का दौर चला और जहां-तहां भगवान भोलेनाथ के रूद्राभिषेक, दुग्धाभिषेक के आयोजन हुये। मदन महल की पहाड़ियों पर स्थित मां शारदा देवी के मंदिरों में सावन सोमवार का मेला भरा। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लाल ध्वज लेकर मां शारदा की वंदना करने पहुंचे। ढोल-ढमाकों के साथ जुलूस की शक्ल में श्रद्धालु पहुंच रहे थे और मंदिर परिसर में पूजन सामग्री, खेल खिलौनों की दुकान, प्रसाद की दुकानें लगी हुई थीं। सावन के झूले भी पड़े हुये थे।

मदन महल और गुप्तेश्वर में लगी भीड़

बड़े-बूढ़े और जवान सावन मेले का आनंद उठाते हुये मदन महल स्थित मां शारदा के दरबार में पहुंच रहे थे। भगवान शिव का नर्मदा जल से जलाभिषेक करने के लिये कांवर लेकर कांवड़यि नर्मदा तटों पर पहुंचे और वहां से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक किया। नगर के अति प्राचीन श्री स्वयंभू सिद्ध पीठ गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी थी। गुप्तेश्वर भगवान का फूलों से श्रंगार किया गया था। इसी प्रकार विजय नगर कचनार सिटी स्थित भोलेनाथ के विशाल मंदिर में विराजमान 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करने बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। यहां पर पं.आचार्य सुरेन्द्र दुबे ने भगवान का अभिषेक किया और महामृत्युंजय जाप निरंतर चल रहा है। सुबह से शाम तक भीड़ लगी रही। इसके अलावा नगर व उपनगरीय क्षेत्रों में भी शिव मंदिरों में श्री पाठबाबा मंदिर, शिव शक्ति मंदिर घमापुर, बड़े शंकर जी के मंदिर, बड़े महावीर शंकर मंदिर में भी धार्मिक अनुष्ठान हुये।

नागपंचमी: आज घर-घर पूजे जाएंगे नागदेवता

जबलपुर।

नागदेवता की पूजा अर्चना का महापर्व नागपंचमी आज मनाया जायेगा। नागपंचमी पर घर-घर में नागदेवता की पूजा कर उन्हें फूल, चांवल, चंदन चढ़ाकर दुग्धपान कराया जायेगा और श्रद्धालु नागदेवता से अपनी रक्षा और खेत खलिहानों में फसलों की रक्षा करने की प्रार्थना करेंगे। शहर के अति प्राचीन और प्रसिद्ध नागमंदिर गौरीघाट में भी इस अवसर पर विशेष अनुष्ठान आयोजित किये जा रहे है। नागपंचमी पर मल्लयुद्ध (दंगल) और बाजी के करतब की भी अति प्राचीन परंपरा है। नागपंचमी के दिन अखाड़ों में भी विशेष पूजा अर्चना कर पटा बनैटी का प्रदर्शन किया जाता है। ये परंपरा प्राचीन तो है लेकिन आधुनिकता की होड़ में सब कुछ विलुप्त होता जा रहा है। वनों से सांपों को पकड़ने पर वन एवं पर्यावरण विभाग द्वारा लगायी गई रोक के बाद अब सपेरे नजर नहीं आते है, पहले एक पखवाड़े पूर्व से सपेरे शहर में आ जाते थे और बीन बजाकर घर-घर नागदेव के दर्शन कराकर दान-दक्षिणा लेते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा हैं। आज नागपंचमी है और एक दिन पूर्व तक एक भी सपेरा नजर नहीं आये। वन विभाग की नजर सपेरों पर होने के कारण अब गिने चुने सपेरे ही नजर आयेंगे।

बहरहाल धार्मिक मान्यताओं को पर्यावरण से जुड़े इस त्योहार को श्रद्धा और आस्था से मनाया जायेगा। घर-घर नागदेवता की पूजा की जायेगी। सनातनी संस्कृति में ऐसी मान्यता है, कि पृथ्वी भगवान शेषनाग के फन पर टिकी हुई है। प्रकृति के सर्वाधिक विषधर का मनुष्य के प्रति समर्पण भाव और देवता के रूप में उनकी मान्यता भी नागपंचमी के रूप में पूजा अर्चना कर की जाती है। अखाड़ों में होने वाले प्रदर्शन भी अब नगण्य हो गये है। सपेरों की कमी के कारण बाजी के करतब भी देखने में नजर नहीं आते है। दंगलों के आयोजनों की भी कमी हो गई है। नागदेवता का शिवजी से सीधा संपर्क है। वे शिवजी के गले का हार हैं और श्रावण मास शिवजी की विशेष आराधना का होता है। ऐसे में शिवजी का अभिषेक और नागदेवता की पूजा से श्रद्धालुओं को दोगुने पुण्य की प्राप्ति होगी।

दुर्गा हनुमान मंदिर में भी हुआ रुद्राभिषेक

जबलपुर। सरस्वती कॉलोनी श्री दुर्गा हनुमान मंदिर समिति द्वारा श्रावणमास तृतीय सोमवार को सामूहिक रुद्राभिषेक का विशाल आयोजन किया गया। मंदिर प्रांगण में 12 बजे से पं.वासुदेव शास्त्री द्वारा भगवान शिव जी का वैदिक मंत्रों के साथ पूजन अर्चन कराया गया। ओम नमः शिवाय मंत्र के साथ शंखनाद कर भोग हवन महाआरती के साथ अभिषेक किया गया। पूजन उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष देवेंद्र नेमा, राजेश शर्मा,नवीन नेमा,राकेश बदल,प्रशांत गुप्ता,सुनील ताम्रकार, नितिन दुबे,आशीष नेमा,प्रभा शर्मा,शकुन ठाकुर,कीर्ति चौहान,प्रीति चौहान, सुनीता शर्मा,सरिता दुबे, दीपिका सोनी, कीर्ति, वर्षा, इंदु साहू, प्रदीप सोनी, अरविन्द शर्मा,अमर केवट, आदि सैंकड़ों मातृशक्ति भक्तजन उपस्थित रहे।

महिला महासंघ ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण कर किया रुद्राभिषेक

शिवभक्तों को किन्नर समाज ने बांटे सिक्के और चूड़ियां

जबलपुर।

जय महाकाल संघ अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया रामकृष्ण तिवारी के दिशा निर्देश पर संगठन के महिला महासंघ द्वारा श्रावण मास के तीसरे सोमवार को सदर श्री रामलीला मैदान में पं हिमांशु त्रिपाठी के द्वारा मुख्य पूजन पाठ एवं विधिवत विशाल शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रांत अध्यक्ष श्रीमती राधा तिवारी ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र की माताओं बहनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक कर बाबा महाकाल महामृत्युंजय का आशीर्वाद प्राप्त किया इस आयोजन कि विशेषता यह रही कि किन्नर अखाड़े से भी किन्नर माही शुक्ला एवं सदस्यों द्वारा सभी को सिक्के और चूड़ियां शगुन के तौर पर भेंट की गई। इस धार्मिक आयोजन की सफलता के लिए श्रीमती राधा तिवारी, छाया कुरील, किरण ठाकुर, माया ठाकुर,

ममता रजक, नीलू स्वामी, श्वेता बैन, सीमा बैन, संगीता पिल्ले,सपना तालेवर, संध्या सिंह, सुप्रीया तिवारी, कृष्णा अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, कामना कुरचानिया, संध्या जयसवाल को सभी ने बधाइयां और शुभकामनाएं दीं इसके अलावा संगठन से वीरेंद्र साहू, सुमित यादव, आशीष चोपड़ा, राजीव राय, मृगांक शुक्ला,सनी चड्डा,शिव राव,टिन्नू तालेवर, सतीश जाटव, रोहित बैन, अर्जुन बैन, नितिन नामदेव, मोतीलाल बैन,शरद राव, प्रशांत यादव, संतोष मिश्रा, विशाल श्रीवास्तव इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कलश शोभायात्रा से शिव महापुराण कथा व पार्थिव शिवलिंग निर्माण प्रारंभ

जबलपुर। श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर दुर्गानगर रामपुर में कलश शोभायात्रा से श्री शिव महापुराण कथा एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण का शुभारंभ 28 जुलाई को हुआ। आयोजक ओमप्रकाश महावर ने बताया कि 06 अगस्त तक चलने वाली कथा में व्यासपीठ से पं. रूपनारायण शास्त्री अपनी रसमयी वाणी से श्री शिव महापुराण कथा का रसास्वादन कराएंगे। आयोजन के मुख्य यजमान श्रीमती नर्मदा महावर व विनोद-गीता महावर हैं।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

प्रकरण क्रमांक 0669/अ6/25-26

// आम इश्तहार//

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजेश गोखे पिता शंकर लाल निवासी म.न.19 चंदन कॉलोनी गंगानगर गढा द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक फौती के माध्यम से मौजा पड़ुआ न.व... प.ह.न. 21/4 खसरा नंम्बर 179/1, 180/2 - रकवा 0.730 हेक्टर फौती नामांतरण से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विकय पत्र वसीयतनामा/बटवारा नामा/हस्तान्तरण पत्र/हकत्याग पत्र / दान पत्र / फौती दर्ज कर नामांतरण एवं नशा बंटाक की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उपरोक्त नामांतरण / बटवारा स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को काई आपत्ति हो तो यह लिखित आपत्ति पेशी दिनांक... तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। समयाविधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 01/08/25 को जारी

जारी दिनांक 21/7/25

पेशी दिनांक 01/08/25

अतिरिक्त तहसीलदार
एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
गोरखपुर, जबलपुर

रोटरी क्लब ऑफ संस्कारधानी ने 25वां पदस्थापना समारोह मनाया

जबलपुर। रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर संस्कारधानी ने शनिवार 26 जुलाई को 25वें पदस्थापना समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर रोटे. अरुण गुप्ता ने क्लब के 25वें अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला, जबकि रोटे अभिषेक अग्रवाल ने सचिव और रोटे. अनिल अग्रवाल ने कोषाध्यक्ष का पद ग्रहण किया। नव-नियुक्त पदाधिकारियों ने रोटरी के प्रति अपनी आस्था, निष्ठा और समाज सेवा के संकल्प को दोहराया। रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर संस्कारधानी की स्थापना 1 अगस्त 2000 को संस्थापक अध्यक्ष रोटे. अरुण गुप्ता द्वारा "मन के हारे हार है, मन के जीते जीत" के अटल विश्वास और "संकल्प सिद्धि" के विचार के साथ की गई थी। यह विचार कि कल्पना ही सृजन का बीज है, क्लब की स्थापना का आधार रहा है। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 के 25वें शपथ ग्रहण समारोह की विस्तृत जानकारी मीडिया चेयरमैन और रोटरी क्लब संस्कारधानी के डायरेक्टर पब्लिक इमेज, पूर्व क्लब अध्यक्ष रोटे. नितिन जैन द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर जबलपुर के सभी रोटरी क्लब के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष के साथ-साथ रोटरी डिस्ट्रिक्ट के वरिष्ठ पदाधिकारी, वरिष्ठ रोटेरियंस, नगर के विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, उद्योगपति, व्यावसायिक संस्था प्रमुख, शिक्षाविद उपस्थित रहे।

मेंहगू उस्ताद अखाड़ा में वीर बजरंग बली पूजन आज

जबलपुर। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी मेंहगू उस्ताद अखाड़ा पीपल मोहल्ला गोरखपुर में नागपंचमी पर्व के उपलक्ष्य में महाबली वीर बजरंग बली का पूजन अर्चन 29 जुलाई को मध्यान्ह 01 बजे से आयोजित है। तदोपरांत अखाड़ा चल समारोह निकाला जाएगा जो क्षेत्र का भ्रमण करते गुलाटी पेट्रोल पम्प पहुंचेगा जहां अखाड़ा के पहलवानों द्वारा पारंपरिक पटा-बनेठी का प्रदर्शन किया जाएगा। आयोजन में उपस्थिति का अनुरोध समस्त खलीफागण एवं अखाड़ा समिति सदस्यों व पहलवानों ने किया है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव भव्यता से मनाने यादव समाज ने की बैठक

जबलपुर। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा जबलपुर की अति आवश्यक बैठक 27 जुलाई को दोपहर एक बजे से शांति नगर जे.डी.ए. मार्केट काली जी के मंदिर के सामने श्रीसुन्दर टॉवर में आयोजित हुई। बैठक आगामी माह में आयोजित किये जाने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव को लेकर आयोजित की जा रही है जिसमें सभी स्वजातीय बंधुओं से विचार विमर्श कर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर चर्चा की गई कि कैसे इस आयोजन को और भव्य रूप प्रदान किया जाये और अधिक से अधिक स्वजातीय बंधु आयोजन में शामिल हो सकें। बैठक उपरांत मुख्यमंत्री मोहन यादव के ससुर जिनका विगत दिवस रीवा में निधन हो गया था जिनकी आत्मा शांति के लिए दो मिनिट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि भी दी गई। उपस्थित की अपील प्रदेश अध्यक्ष भारत सिंह यादव, कांवड़ यात्रा संयोजक शिव यादव, ग्रामीण अध्यक्ष राममिलन यादव, युवा अध्यक्ष शशांक यादव, पूर्व पार्षद राजेश यादव, ऋषि यादव, प्रदीप यादव, टीकेन्द्र यादव, पूर्व मंडी अध्यक्ष प्रदीप यादव, युवा ग्रामीण अध्यक्ष सर्वेश यादव, गौरैया यादव, राजमणि यादव, विजय यादव, महिला शहर अध्यक्ष तृप्ति यादव, आरपी यादव, महिला कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष विनीता यादव, आदि ने की है।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार सुयश श्रीवास्तव, पिता श्री संजय श्रीवास्तव, निवासी- 215 गुलौआ ताल वीर सावरकर वार्ड, गढ़ा, जबलपुर वालो से अधिकृत एवं निर्देशित होकर यह आम सूचना प्रकाशित कर रहा हूं कि मेरे पक्षकार द्वारा दिनांक 19.06.2024 को एक अनुबंध पत्र निष्पादित किया गया जो कि मौजा गोरखपुर, राजस्व निरीक्षण मंडल गोरखपुर, खसरा नं. 281, 272, 273/1, 138/3 में स्थित रकवा 0.0930, 0.3240, 0.0060, 0.4810 हैक्टेयर कुल चार खसरे कुल रकवा दो एकड़ 22 डेसीमिल भूमि का इकरारनामा संजय पटेल, पिता- श्री राम दास पटेल, संजीवनी नगर लोधी मोहल्ला गढ़ा, जबलपुर वालों से 8 करोड़ 60 लाख रूपयों में किया गया है जिसमें की मेरे पक्षकार द्वारा 35 लाख रूपये का भुगतान किया जा चुका है उक्त संपत्ति संजय पटेल के द्वारा अपने मित्र रमेश काछी, पिता- श्री राम कुमार काछी, से दिनांक 28.05.2023 को अनुबंधित की गई थी और उसी के आधार पर मेरे पक्षकार से अनुबंध पत्र निष्पादित किया गया है और उक्त अनुबंध पत्र के पश्चात् रमेश काछी ने अपने मित्र संजय पटेल के पक्ष मे मुख्त्यारनामा निष्पादित किया उक्त मुख्त्यारनामा मेरे पक्षकार को दोनों के द्वारा दिखाया गया था किंतु उसके पश्चात् संजय पटेल द्वारा अग्रिम कार्यवाही करने में हीलाहवाली की जा रही है जबकि मेरे पक्षकार द्वारा अनेको बार संजय पटेल से संपर्क स्थापित करके संजय पटेल से अग्रिम कार्यवाही करने के लिये कहा गया है और उस संबंध में मेरे पक्षकार द्वारा विक्रय पत्र हेतु राशि की व्यवस्था व अन्य तैयारी कर ली गई थी। मेरे पक्षकार को यह जानकारी लगी है कि संजय पटेल और रमेश काछी मिलकर उक्त संपत्ति को किसी और को विक्रय करने का प्रयास कर रहे है जबकि मेरे पक्षकार द्वारा इस सूचना के उपरांत शीघ्र ही सक्षम न्यायालय में व्यवहार वाद प्रस्तुत किया जायेगा इसलिये आम जन को यह सूचित किया जाता है कि कोई भी उक्त संपत्ति को ना खरीदे ना ही किसी भी प्रकार का संव्यवहार करे अगर कोई भी व्यक्ति, संस्था, बैंक किसी भी प्रकार का संव्यवहार करते है तो वह मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा साथ ही न्यायालीन हर्जे खर्चे के जिम्मेदार स्वयं होंगे।

जबलपुर दिनांक 28/07/2025

रमन विश्वकर्मा (अधिवक्ता)
कार्या./निवास- 5 आर. 40 कचनार गेट के पास, विजयनगर जबलपुर
मो.9755978676, 7000232567

हरियाली तीज पर मातृ शक्तियों ने किया गायत्री दीप महायज्ञ एवं पौधारोपण

जबलपुर। आनंद नगर आधारताल स्थित आनंदेश्वर महादेव मंदिर में विगत दिवस हरियाली तीज के पावन अवसर पर गायत्री दीप महायज्ञ एवं भजनों का भव्य आयोजन वृक्षारोपण के साथ विधिवत सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम चरण में गायत्री परिवार की मृदुला शर्मा ने श्री राम दरबार का पूजन अर्चन कर मातृ शक्तियों के साथ गायत्री दीप महायज्ञ का आयोजन संपन्न कराया। इसी तारतम्य में मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें फलदार एवं छायादार पेड़ों में आम, केला, जामुन, आंवला, बेलपत्र के पौधे मंदिर परिसर में मातृ शक्तियों के द्वारा रोपे गए। अंत में मां गायत्री जी की आरती स्तुति व प्रसाद वितरण पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर समस्त मातृ शक्तियां हरे परिधान में हरी चूड़ियां पहने शोभायमान हो रही थीं जिनमें मृदुला शर्मा के साथ ही मंजु शुक्ला, रचना गौर, प्रतिभा राठौर, ऋचा विश्वकर्मा, मीना पहाड़िया, राखी पहाड़िया, रश्मि पहाड़िया,भारती वर्मा के साथ ही भारी संख्या में मातृ शक्तियों की उपस्थिति रही।

भू-माफिया दे रहे जेसीबी से कुचलने की धमकी

पीड़ित ने कलेक्टर को बताई व्यथा

जबलपुर।

डबोला चरगवां तहसील शहपुरा जिला जबलपुर निवासी दालचंद परस्ते ने कलेक्टर को शिकायत सौंपकर बताया कि मेरी जमीन पर भू-माफिया जेसीबी चलाकर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहा है, साथ ही मुझे जेसीबी से कुचलने की धमकी दे रहा है। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि मैं आदिवासी परिवार से हूं और मेरी जमीन पर दबंग भू-माफिया विनोद श्रीपाल निवासी ग्राम गंगई 21 जुलाई को मेरे पास आया और धमकाते हुए जेसीबी से खसरा नम्बर 42/2 की जमीन जेसीबी से पुराने लगा, जबकि यह जमीन मेरी है और उस पर मेरा मालिकाना हक है। विनोद श्रीपाल उक्त जमीन पर प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर कब्जा करना चाह रहा है। मेरे मना करने पर उसका कहना है कि मेरे रास्ते से हट जा नहीं तो तुझे और तेरे परिवार को जेसीबी से कुचलवा दूंगा, जिससे हमारा परिवार दहशत में है। उन्होंने अनुरोध किया है कि मामले में शीघ्र कार्यवाही जाए अन्यथा वे 15 अगस्त को अपने पूरे परिवार सहित आत्महत्या कर लेंगे, जिसका जिम्मेदार प्रशासन की होगा।

एमईएस कामगार यूनियन की प्रांतीय बैठक संपन्न

जबलपुर।

एमईएस कामगार यूनियन मध्य प्रदेश एरिया जबलपुर की प्रांतीय बैठक जबलपुर के रांझी मस्ताना बारात घर में संपन्न हुई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बीपीएमएस के कार्यवाहक अध्यक्ष मुकेश सिंह, नरेंद्र तिवारी, कामगार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष आशीष सिंह, महामंत्री त्रिभुवन सिंह, दशरथ प्रसाद सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ओल्ड पेंशन स्कीम डिपार्टमेंट के प्रमोशन रिस्ट्रक्टिंग, आठवीं सीपीसी एवं बोनस को डीए से लिंक करने, सीजीएचएस सुविधा को कैशलेस करने के मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जी ईस्ट जी वेस्ट जी सागर जी भोपाल एवं सीडब्ल्यूई महू के समस्त पदाधिकारी मौजूद थे।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्रांक-स.क्र. 11/2025-26/ दिनांक 28/07/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दीपक जायसवाल पिता श्री राम चरण जायसवाल ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 1574/दुर्गा चौक कजरवारा सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000388044 पर निर्मित भूतल 800 वर्गफुट RCC दान पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री संदीप जायसवाल पिता श्री रामचरण जायसवाल का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्रांक-स.क्र. 11/2025-26/ दिनांक 28/07/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री ऋचा तिवारी पिता श्री भूनेन्द्र प्रसाद तिवारी ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चंद्र बनर्जी के भवन क्रमांक 1138/2 पचपेढ़ी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000397947 पर निर्मित भूतल 972 वर्गफुट RCC, प्रथम तल 972 वर्गफुट RCC, द्वितीय तल 300 वर्गफुट RCC विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री निशिकांत चौधरी पिता श्री बामनराव चौधरी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11
नगर निगम, जबलपुर

आईसीएफएआई लॉ स्कूल ने 'एस जयपाल रेड्डी लोकतंत्र पुरस्कार' की मेजबानी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हैदराबाद

कैपिटल फाउंडेशन सोसाइटी के सहयोग से आईसीएफएआई लॉ स्कूल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी कहा कि 'आज की राजनीति, जो विचारधारा से हटकर त्वरित कार्रवाई की ओर बढ़ गई है और लोकतंत्र की जड़ों को चुनौती दे रही है। जयपाल रेड्डी जैसे नेताओं को याद करने की जरूरत है, जिन्होंने लोगों के उत्थान और समग्र विकास के लिए अथक परिश्रम किया और अपने विश्वास के मूल्यों पर अडिग रहे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने समाज के लिए उल्लेखनीय सेवा करने वाले व्यक्तित्वों को विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान किए। उन्होंने भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन वेंकटरमन को अटॉर्नी जनरल के परासरन पुरस्कार प्रदान किया। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ.जीवी राव ने अटॉर्नी जनरल सोली जे सोराबजी पुरस्कार प्राप्त किया। मद्रास उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता पीएच अरविंद पांडियन ने भारत के सॉलिसिटर जनरल दीपांकर गुप्ता पुरस्कार प्राप्त किया। मैसूर एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष एसएस रामदास ने अटॉर्नी जनरल के वेणुगोपाल पुरस्कार प्राप्त किया। बीवी सुब्बा राव प्रतिष्ठित पर्यावरण विशेषज्ञ ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास पुरस्कार प्राप्त किया। कैपिटल फाउंडेशन पुरस्कार कर्नल (डॉ.) आई वी एस गहलोत, सीईओ और चिकित्सा निदेशक, पार्क अस्पताल, मुख्यमंत्री ने सीएमआर यूनिवर्सिटी ऑफ लीगल स्टडीज के डीन प्रोफेसर डॉ. टीआर सुब्रमण्यम को महाधिवक्ता एसजी सुंदरस्वामी पुरस्कार से सम्मानित किया। एडवोकेट एवं सामाजिक कार्यकर्ता एम.सुनील कुमार को कैपिटल फाउंडेशन सोशल एक्टिविस्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि विश्व स्नूकर चैंपियन अनुपमा रामचंद्र को जस्टिस ए.के. सीकरी यंग अचीवर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आईसीएफएआई फ़ाउंडेशन फ़ॉर हायर एजुकेशन के कुलपति प्रो. एलएस गणेश ने कहा कि भारत को सामूहिक प्रतिभा के लिए प्रयास करना चाहिए और बौद्धिक गतिविधियों में पश्चिमी मान्यता पर अपनी निर्भरता कम करनी चाहिए। कैपिटल फ़ाउंडेशन के महासचिव विनोद सेठी और कैपिटल फ़ाउंडेशन के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. के. पुरुषोत्तम रेड्डी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आईसीएफएआई सोसाइटी की अध्यक्षा श्रीमती शोभारानी यशस्वी, आईसीएफएआई लॉ स्कूल के निदेशक डॉ. पी. रवि शेखर राजू और आईसीएफएआई लॉ स्कूल के डॉ. के. हरिहरन ने की।

अदाणी ग्रीन एनर्जी का लाभ 31% बढ़कर 824 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 31 प्रतिशत बढ़कर 824 करोड़ रुपये रहा है। एजीईएल ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 629 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 4,002 करोड़ रुपये हो गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 3,112 करोड़ रुपये थी। आलोच्य तिमाही में कंपनी का खर्च बढ़कर 3,050 करोड़ रुपये हो गया जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 2,437 करोड़ रुपये था। एजीईएल ने बीती तिमाही में मजबूत राजस्व, एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) और नकद लाभ में वृद्धि दर्ज की है।

नेक्स्ट्रा बाय एयरटेल ने हरित ऊर्जा स्रोतों को बढ़ाया

जबलपुर। नेक्स्ट्रा बाय एयरटेल और एएमपीआईएन एनर्जी ट्रांज़िशन ने अपनी साझेदारी को और मजबूत करते हुए 125.65 मेगावॉट सोलर-विंड हाइब्रिड एनर्जी की आपूर्ति के लिए एक नया पावर-व्हीलिंग समझौता किया है, जो इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) से जुड़े प्लांट्स के ज़रिए दी जाएगी। इस नई साझेदारी के साथ दोनों कंपनियों के बीच कुल रिन्यूएबल एनर्जी सहयोग 200 मेगावॉट के पार पहुँच चुका है। नेक्स्ट्रा बाय एयरटेल के सीईओ आशीष अरोड़ा ने कहा, "सस्टेनेबिलिटी सिर्फ एक वादा नहीं है — यह हमारी ज़िम्मेदारी है और नेतृत्व का अवसर भी। एएमपीआईएन के साथ 200 मेगावॉट से अधिक रिन्यूएबल एनर्जी से अपने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को पावर देकर हम इंडस्ट्री के लिए नए मानक स्थापित कर रहे हैं।

शिवपुरी के दो निलंबित उपयंत्रियों पर एफआईआर

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देश पर शिवपुरी में दो उपयंत्रियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। जबकि ठेकेदार ने उपयंत्रियों की मदद से इसका भुगतान ले लिया। नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि नपा के दो उपयंत्रियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है। कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को पटवारी रवि प्रकाश लोधी की रिपोर्ट पर नपा में पदस्थ उपयंत्री जितेंद्र परिहार, सहायक यंत्री सतीश निगम और ठेकेदार अर्पित शर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 (4), 316 (5), 61 (2) एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 एवं संशोधन अधिनयम 2018 की धारा 13(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

पर्यटन के क्षेत्र में 12 करोड़ का निवेश करने वाली चार कंपनियों को वितरित किए लेटर ऑफ अलॉटमेंट

पर्यटन को मिली नई उड़ान, टूरिज्म कॉन्क्लेव में मिले 3000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रीवा रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में पर्यटन क्षेत्र के लिए एक नई सुबह का आगाज़ हुआ है। पर्यटन श्रेत्र में प्रमुख निवेशकों ने रीवा और शहडोल संभाग में 3000 करोड़ से अधिक के निवेश की इच्छा जताकर इन क्षेत्रों में पर्यटन के विकास की संभावनाओं को रेखांकित किया है। यह दोनों संभागों के लिए आर्थिक समृद्धि और रोजगार के नए द्वार खोलेगा। कॉन्क्लेव में निवेशकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को दो दिवसीय रीजनल कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। यह कॉन्क्लेव 27 जुलाई को भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विकास के मायने तभी हैं, जब हम अपनी जड़ों से, अपनी संस्कृति और अपनी विरासतों से भी आत्मीयता से जुड़े रहें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम विरासत से विकास की ओर मिशन मोड में आगे बढ़ रहे हैं। विंध्य क्षेत्र हमेशा से ही मध्यप्रदेश का गौरव रहा है। इस क्षेत्र के विकास में अब कोई भी बाधा नहीं रही। हम यहां की हेरिटेज साइट्स को समुचित तरीके से सहेजकर पूरे विंध्याचल को उसका पुरा वैभव लौटाएंगे।

खास बातें

- आर्थिक समृद्धि और रोजगार के नए द्वार खोलेगा रीवा रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव
- सीएम ने होम-स्टे ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल को किया लॉन्च

सरकार निवेशकों को हरसंभव सहयोग देगी

यह निवेश रीवा और शहडोल संभाग की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सरकार निवेशकों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी, ताकि इन परियोजनाओं को सफलतापूर्वक साकार किया जा सके। इस महत्वपूर्ण पहल से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और हजारों लोगों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे, जिससे यह क्षेत्र पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा।

विंध्याचल प्रदेश का हर दिल अजीज हिस्सा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र देश का हृदय प्रदेश है। विंध्याचल प्रदेश का हर दिल अजीज हिस्सा है। यहां की माटी ने देश को नेतृत्व दिया है। यहां के वनों में सफेद शेर खुले में विचरण करते हैं। यह क्षेत्र खनिजों और लौह अयस्क से भरा हुआ है। देश की ऊर्जाधानी (रीवा और सिंगरौली) भी इसी क्षेत्र में है। दिल्ली की मेट्रो ट्रेन यहीं से उत्पादित बिजली से ही चलती है। पूरे देश और प्रदेश को रोशन करने वाले इस क्षेत्र में हम विकास की नई रोशनी लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि रीवा में एयरपोर्ट बनने से इस क्षेत्र के विकास को नए पंख लग गए हैं। रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के बाद रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन यह संकेत है कि हम इस क्षेत्र को पर्यटन के क्षेत्र में आगे लाने के लिए कोई कसर नहीं रखेंगे।

सीएम ने वन-टू-वन चर्चा की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा की। फ्लाईओला के मैनेजिंग डायरेक्टर राम ओला ने 700 करोड़ के सबसे बड़े निवेश की मंशा जताई, जो इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पर्यटन परियोजनाओं की शुरुआत का संकेत है। आरसीआरसीपीएल और विंध्य प्राइड के दिव्यांश सिंह बघेल ने 500 करोड़ के निवेश की इच्छा जताई। इसी क्रम में अमित दिग्विजय सिंह ने 500 करोड़ और संदड़िया बिल्डर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर अजीत संदड़िया ने 300 करोड़ रुपए के निवेश का इरादा व्यक्त किया।

इन्होंने निवेश की इच्छा जताई

जंगल कैंप इंडिया के गजेंद्र सिंह राठौर ने 150 करोड़, गौरव प्रताप सिंह और पुष्पराज सिंह ने 100-100 करोड़, राजस्थान फोर्ट एंड पैलेस के मैनेजिंग डायरेक्टर मानवेंद्र सिंह शेखावत ने हेरिटेज प्रॉपर्टी को विकसित करने के लिए 100 करोड़ रुपए, इको पार्क के अनुज और विजय तिवारी ने 80 करोड़, तथास्तु रिसॉर्ट के अनिल अग्रवाल ने 150 करोड़, सिद्धार्थ सिंह तोमर ने 15 करोड़, सिद्धिविनायक कंस्ट्रक्शन के वैभव सिंह कौरव ने 10 करोड़ और कैलाश फुलवानी ने 5 करोड़ के निवेश की इच्छा जताई है। कॉन्क्लेव में मप्र पर्यटन ने राज्य में पर्यटन में निवेश को बढ़ावा देने के लिए चार प्रमुख निवेशकों को लेटर ऑफ अवॉर्ड जारी किए। जारी किए गए एलओए के अनुसार सिद्धार्थ सिंह तोमर भोपाल को रायसेन जिले के ढकना चपना में 4.653 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। उनकी ओर से होटल, रिसॉर्ट के लिए लगभग 5 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इसी तरह प्रयास पावर भोपाल को विदिशा जिले के नेहरयाई में 2 हेक्टेयर भूमि पर 3.00 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

प्रदेश में इंडस्ट्री और टूरिज्म के क्षेत्र में तेजी से काम शुरू हुआः शुक्ल

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में इंडस्ट्री और टूरिज्म के क्षेत्र में जिस तेजी से काम करना शुरू किया है, यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। रीवा का क्षेत्र असंख्य संभावनाओं का क्षेत्र है। रीवा का क्यूटी और बहुती वाटरफॉल नियाग्रा वॉटरफॉल से कम नहीं है। मालदीव जैसा ही अनुभव सरसी आइलैंड में भी आता है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यह सरकार नहीं है, बल्कि इंवेस्टर फ्रेंडली टीम है। पिछले डेढ़ वर्ष के दौरान जितना इन्वेस्टमेंट प्रदेश में आया है वह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों को पूरा करने वाली सरकार है। पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि प्राकृतिक दृष्टि से रीवा का वातावरण और भूमि किसी भी पर्यटक को लुभाने के लिए पर्याप्त है। रीवा की कनेक्टिविटी सभी माध्यमों में स्थापित हुई है।

सीएम डॉ. यादव ने आईआरसीटीसी पोर्टल पर बुकिंग सुविधा लॉन्च की

मुख्यमंत्री ने पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा बुकिंग पोर्टल का आईआरसीटीसी पोर्टल पर बुकिंग सुविधा को लॉन्च किया। यह सेवा प्रदेश के मुख्य शहरों जैसे भोपाल, इंदौर, सतना, रीवा और सिंगरौली के बीच संचालित हो रही है। उन्होंने ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल को लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के पर्यटन ग्रामों में विकसित ग्रामस्टे को डिजिटल बुकिंग प्रणाली से जोड़ते हुए होम स्टे ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल को लॉन्च किया है। इससे स्थानीय होम स्टे अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से आसानी से बुक हो सकेंगे, जिससे उन्हें अधिक दृश्यता और बुकिंग दर मिलेगी।

समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया

प्रदेश पर्यटन बोर्ड और दो प्रमुख डिजिटल मार्केटिंग कंपनियों - बारकोड एंटरटेनमेंट और विक्की डिजिटल के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। यह साझेदारी मप्र की सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन स्थलों की कहानियों को सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म से दर्शकों तक पहुंचाएगी। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में वेंकट भवन के संरक्षण कार्य के लिए संस्कृति विभाग की ओर से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र को लैटर ऑफ अवॉर्ड जारी किया गया है। लगभग 20 करोड़ रुपए से विकास कार्य किए जाएंगे।

चार प्रमुख निवेशकों को लेटर ऑफ अलॉटमेंट

जबलपुर में अफोर्ड मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड नन्हाखेड़ा में 0.405 हेक्टेयर पर 1 करोड़ रुपए का निवेश करेगा, और मेसर्स सिद्धिविनायक कंस्ट्रक्शन, जबलपुर नरसिंहपुर के ग्राम कुमरोड़ा में 3.805 हेक्टेयर पर लगभग 3 करोड़ रुपए का निवेश कर रिसॉर्ट / होटल का निर्माण करेंगे। रीवा में आयोजित कॉन्क्लेव मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका आयोजन 11 से 13 अक्टूबर 2025 तक भोपाल में किया जाएगा।

राशिफल

मेष कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि

कर्क अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद की स्थिति बिन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मकर वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

माइक्रोसॉफ्ट ने नायरा की सेवाएं निलंबित की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन ने यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद रूस की पेट्रोलियम कंपनी रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी को सेवाएं देना बंद कर दिया है। इस पर भारतीय रिफाइनरी नायरा एनर्जी ने दिल्ली उच्च न्यायालय में माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ मुकदमा किया है। कंपनी ने बयान में कहा, ''नायरा एनर्जी ने महत्वपूर्ण सेवाओं के अचानक और एकतरफा निलंबन के बाद माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। माइक्रोसॉफ्ट नायरा एनर्जी की अपने डेटा, मालिकाना उपकरणों और उत्पादों तक पहुंच को रोक रही है, जबकि ये पूरी तरह से भुगतान किए गए लाइसेंस के तहत हासिल किए गए हैं।यूरोपीय संघ ने इस महीने की शुरुआत में यूक्रेन के साथ युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ नए उपायों के तहत नायरा पर प्रतिबंध लगाए थे। रोसनेफ्ट की नायरा एनर्जी लिमिटेड, जिसे पहले एस्सार ऑयल लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, में 49.13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। नायरा गुजरात के वडिनार में दो करोड़ टन सालाना क्षमता वाली एक तेल रिफाइनरी और 6,750 से ज्यादा पेट्रोल पंप का संचालन करती है। नायरा ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट का यह फैसला यूरोपीय संघ (ईयू) के प्रतिबंधों की एकतरफा व्याख्या पर आधारित है, और कॉरपोरेट अतिक्रमण के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम करता है।

प्रतिबंध यूरोपीय संघ की ओर से हैं

कंपनी ने आगे कहा, ''इन कदमों का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं और हितधारकों के प्रति अपने दायित्वों को पूरा करने की नायरा की क्षमता में किसी भी संभावित व्यवधान को रोकना है।'' कंपनी ने आगे कहा कि हालांकि ये प्रतिबंध विशेष रूप से यूरोपीय संघ की ओर से हैं, लेकिन अमेरिका स्थित कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने नायरा एनर्जी से सेवाएं वापस लेने का फैसला किया है।

कंपनी ने अंतरिम राहत देने की मांग की

भारत के ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके प्रभावों को लेकर गंभीर चिंताएं भी पैदा होती हैं। कंपनी ने कहा कि उसने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर अपने अधिकारों की रक्षा और आवश्यक डिजिटल बुनियादी ढांचे तक लगातार पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अंतरिम राहत देने और सेवाएं फिर से शुरू करने की मांग की है।

जेएंडके बैंक ने पाक साइबर हमले को किया नाकाम

श्रीनगर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर बैंक की वेबसाइट पर पाकिस्तान से कई साइबर हमले हुए, लेकिन मजबूत सुरक्षा प्रणाली के कारण ऐसे सभी प्रयास विफल हो गए। जम्मू-कश्मीर (जेएंडके) बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताव चटर्जी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद ही पड़ोसी देशों और अन्य जगहों से साइबर हमले शुरू हो गए थे। चटर्जी ने कहा, ''बैंक ने एहतियाती कदम उठाए हैं। (साइबर) हमले हर तरफ से हुए, चाहे पड़ोसी देश हो या अन्य देश। लेकिन हम अपनी मजबूत साइबर सुरक्षा प्रणाली की वजह से किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने में कामयाब रहे हैं।''

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मो. 9340637789

शब्द पहेली - 5942

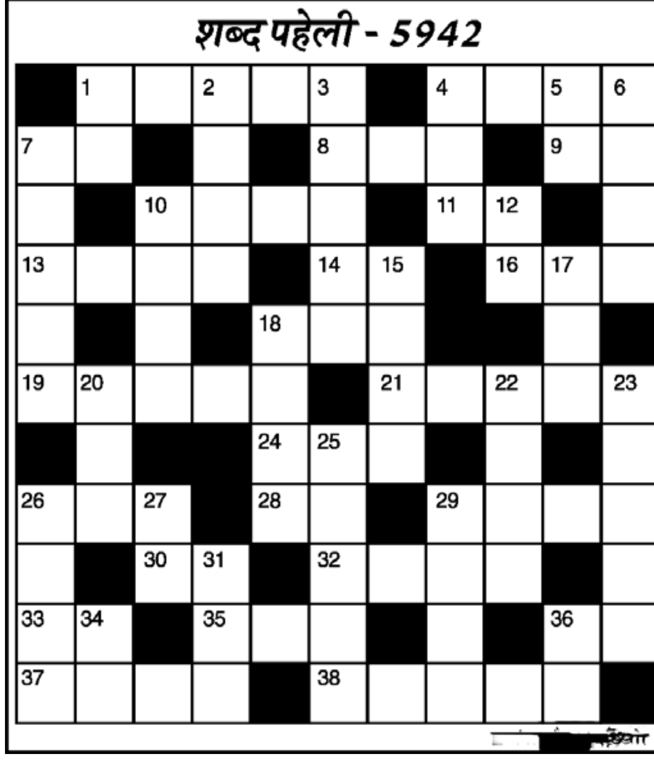

बाएँ से दाएँ
1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली- 5941 का हल

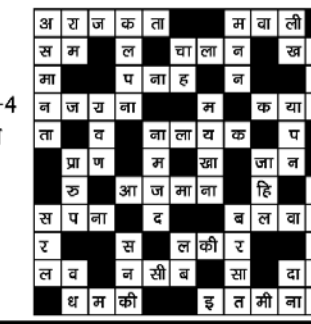

सूडोकू बवाल - 5952

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू बवाल - 5951 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

सहेली

विशेष : मित्रता दिवस
3 अगस्त

सावन में सहेलियों का साथ एक अलग तरह की खुशी देता है। सहेलियां मिलेंगी तो पुरानी यादों का झरोखा भी खुलेगा, ठंडी हवा की तरह तन-मन को पुलकित करेगा। सहेलियों का मिलते रहना बहुत जरूरी है, यह जीवन की नीरसता को छांटता है, भीतर उत्साह-उमंग भरता है, ऊर्जावान बनाता है। एक तो सावन, ऊपर से मित्रता दिवस का अवसर हो तो अपने मैत्री भाव की पेंगे जरूर भरिए।

सहेलियों का ना बिसरने वाला मैत्री भाव

आवरण कथा

मोनिका शर्मा

सावन की रिमझिम में हर स्त्री का मन अपनी सखियों को याद करता है। इस हरियल मौसम में उनका दिल उम्र के कुछ पड़ाव पीछे चला जाता है। आज की आपा-धापी में सखियों संग खिलखिलाती कल के दौर की एक लड़की स्त्रीमन में दस्तक देती है। भूला-सा कुछ स्मरण हो आता है। स्नेह के सरस भाव से बंधी डोर कुछ प्यारे लम्हों को दिलो-दिमाग में बांध लेती है। अनुभूतियां ठहर-सी जाती हैं। जो संग-साथ के अनमोल पलों को याद करने की ओर मोड़ती हैं। साथ ही यह भी याद दिलाती हैं कि जीवन के हर दौर में सहेलियों का साथ जरूरी है। अपने करीबी रिश्तों-नातों से परे मन से जुड़ने वाले चेहरों संग प्रेमिल भावों को पोसने की सोच हमेशा रखनी चाहिए। ऐसे भाव जीवन से जोड़ते हैं और सदा जोड़े रखते हैं।

स्मृतियों का सुख

असल में स्मृतियों का अपना सुख है। सहेलियों के साथ बीते समय का अपना आनंद है। यादों में दस्तक देती दोस्ती, चेहरे पर मुस्कुराहट ले आती है। आंखों में एक स्नेहपूरित चमक उतरने लगती है। मुस्कुराहटों के साझेपन का उल्लास सावन में झरती बूंदों सा आंखों से बहने लगता है। साथ झूला झूलने वाली सहेलियां, तीज-त्योहार साथ मनाने वाली सखियां भी याद

आती हैं। सहपाठी सहेलियों के साथ जीए आत्मीय पल और बचपन की खिलखिलाहट फिर लौट आती है। आखिर जीवन के सबसे प्यारे पड़ाव पर एक दूजे को चिढ़ाना और शरारतें करना, अपना मन कैसे भूल सकता है? मायके की यादों वाली पोटली में एक हिस्सा तो सहेलियों का ही होता है। औपचारिकताओं से परे यह सुख आत्मा की गहराई से जुड़ा

होता है। तभी तो संजीवनी बन हमेशा मन को पोषण देता स्त्रियों का मैत्री भाव, पारिवारिक संबंधों से भी बढ़कर होता है। दुनियावी रीत निभाते हुए सखियों के रास्ते अलग हो जाते हैं। घर-बार बसाने के लिए सबकी अपनी-अपनी राह होती है। शहर क्या देश तक बदल जाते हैं। हां, वे मित्रता की अनमोल निधि को अपने साथ लाना नहीं भूलतीं। नए संसार में कभी ना रीतने वाले इसी खजाने से निकले खुशियों के पल उनके सहभागी होते हैं।

समाज से जुड़ा सखी भाव

स्त्रियों की संवेदनाएं स्वयं तक ही सिमटकर नहीं रहतीं। अपनी सखियों संग बना निश्छल नेह के नाते का यह जुड़ाव व्यक्तिगत चाहतों से ही नहीं, समाज-परिवार के दायित्वों से भी जुड़ा होता है। मेलजोल के समय उनकी बातों में परिवेश की चिंता भी होती है। कई स्त्रियां तो समाज की साझी समस्या का हल तलाशने के दौर में ही सहेली बनती हैं। उनका मन ही नहीं, विचार भी मिलते हैं। तर्क से ज्यादा भावनाओं के धरातल पर जीवन जीना हर स्त्री का नैसर्गिक गुण होता है। बस, मन जुड़ गया तो जुड़ गया। मित्रता के मार्ग में महिलाओं का मन नाप-तौल कर डग नहीं भरता। खुशी, उत्साह और उमंग समेटने का भाव सबसे ऊपर होता है। एक-दूजे के जज्बातों को समझना सबसे अहम होता है। शिकायतों के पुलिंदे भी अधिकार से खोले जाते हैं। स्त्रियों की दोस्ती के इंद्रधनुष में इंसानी जीवन का सतरंगी अंदाज पूरी ठसक से मौजूद रहता है।

तकनीकी से जुड़ते मन के तार

आभासी संसार ने पीछे छूटी अनुभूतियों से जोड़ने का काम किया है। तकनीकी मंचों पर अपनी खोई सखियों को ढूंढकर स्त्रियां बच्चों सी खिलखिलाती हैं। मानो खुद से ही फिर मुलाकात हुई हो। स्थिर से हो चले जीवन में एक हलचल सी महसूस होती है। भाव-विभोर हो अपने बच्चों, अपनी सखियों की तस्वीरें दिखाती हैं। समय के साथ बदलावों को लेकर कभी हैरान होती हैं तो कभी संयत हो जीवन के उतार-चढ़ाव के विषय में सोचने लगती हैं। जैसे मुड़कर देखती हों, ठहर कर सोचती हों। भूला-बिसरा सा फिर कुछ समेट लेना चाहती हों। उस दौर की बेरोक-टोक सी उजली हंसी अपने पल्लू की गांठ

में बांध लेना चाहती हों। उसी आंगन में जाकर चहकना चाहती हों, जहां उनका बचपन बीता। बचपन, जिसका सबसे अहम हिस्सा तो सहेलियों के संग जिए लम्हे ही रहे। कितने सावन और वसंत इस यात्रा का हिस्सा रहे। वर्षों बाद आभासी संसार में जुड़ने भर से यह लगाव-चाव मन पर मौसम की घटाओं की तरह छाने लगता है। यह हमें आह्लादित कर देता है। a

बच्चों के लिए भी जरूरी है दोस्ती

बच्चे हों या बड़े, हर किसी के जीवन में दोस्त बहुत मायने रखते हैं, दोस्ती का बहुत महत्व होता है। दोस्त बनाने की कला, उनकी महत्ता को समझने और पूरी गंभीरता से दोस्ती निभाने का पाठ बच्चे अपने घर-परिवार से ही सीखते हैं। इसलिए सभी पैरेंट्स को इस बारे में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

परवरिश

सरस्वती रमेश

यह सही है कि बड़ों से अलग बच्चों की अपनी मासूम और प्यारी सी दुनिया होती है। इसमें घर-परिवार के सदस्यों के अलावा स्कूल में उनके संग पढ़ने वाले और आस-पड़ोस के दूसरे बच्चे भी शामिल होते हैं। यही उनके दोस्त बनते हैं, जिनके साथ वे खेलते हैं, खाते हैं, पढ़ते हैं, मस्ती करते हैं। कभी-कभी एक-दूसरे से रूठ जाते हैं फिर मनाते भी हैं। बच्चों की ये दोस्ती बहुत प्यारी होती है। बच्चे दोस्ती के मूल्य को समझें और उसे भावी जीवन में अच्छी तरह निभाएं, इसके लिए शुरुआत से ही पैरेंट्स को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

बच्चे की भावनाओं को समझें: कई पैरेंट्स बच्चों की दोस्ती की भावना को लेकर गंभीर नहीं होते हैं। इससे उनके कोमल मन को चोट लग सकती है। जैसा राजू के साथ हुआ। दरअसल, राजू और सोनू बेस्ट फ्रेंड हैं। सोनू की बर्थ-डे पार्टी में जाने के लिए राजू कई दिनों से बहुत उत्साहित था। सोनू का घर राजू के घर से कुछ दूरी पर है, इसलिए वह अकेला नहीं जा सकता था। सोनू के बर्थ-डे पार्टी वाले दिन राजू ने अपनी मम्मी से सोनू के घर पहुंचाने के लिए कहा। लेकिन उसकी मम्मी ने मना कर दिया क्योंकि उन्हें पड़ोस में किटी पार्टी में जाना था। अपने बेस्ट फ्रेंड की बर्थ-डे पार्टी में न जा पाने से राजू बहुत उदास हो गया। उसने अपने हाथों से सोनू को गिफ्ट देने के लिए प्यारा सा ग्रीटिंग कार्ड भी बनाया था। यह बात आपको छोटी सी लग सकती है लेकिन समझने वाली बात यह है कि बचपन की ऐसी मासूम दोस्ती से बच्चों का गहरा जुड़ाव होता है। यह जुड़ाव उनके भीतर भावनाओं और आपसी संबंधों के बीज बोता है। ये छोटी-छोटी खुशियां ही उनके मानसिक विकास और व्यक्तित्व निर्माण की पूंजी होती हैं। उन्हें इन खुशियों से महरूम करना ठीक नहीं। उन्हें दोस्तों के घर आने-जाने दें, उन्हें एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होने दें। इससे आगे चलकर भी वे दोस्ती की महत्ता समझेंगे, उन्हें सामाजिकता का बोध होगा।

साथ खेलने दें: बच्चों की सबसे ज्यादा दोस्ती खेलने के दौरान ही होती है। लेकिन कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को हर समय घर के भीतर ही रखते हैं। उन्हें बच्चों के कपड़े, जूते या हाथ गंदे होने और फिर बीमार होने या गलत सोहबत में पड़ने का भय सताता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि बच्चे साथ खेलने से परिवार के बाहर के लोगों से आत्मिक व्यवहार करना सीखते हैं। उनके साथ तालमेल बैठाना, बातचीत करना, शेयर करना, हारना-जीतना और छोटे-मोटे विवाद को निपटाना भी बच्चे दोस्तों के संग खेलने के दौरान ही सीखते हैं। ये सब बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी होता है।

प्यार से समझाएं: अकसर बच्चे खेलते-खेलते आपस में झगड़ भी पड़ते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे को दोस्त और दोस्ती के महत्व को प्यार से समझाना चाहिए, उनके बीच फिर से मेल कराने का प्रयास करना चाहिए। पुरानी बातों को याद दिलाकर अपने बच्चे के उस दोस्त की अच्छाइयों को बताना चाहिए। भूलकर भी बच्चों के आपसी विवाद में उनके पैरेंट्स से शिकायत नहीं करनी चाहिए और ना ही उनके घर झगड़ने जाना चाहिए।

मदद करना भी सिखाएं: अगर आपका बच्चा आपको बताता है कि उसका कोई दोस्त कई दिनों से स्कूल नहीं आ रहा है तो पता करने की कोशिश कीजिए कि क्या बात है? हो सकता है वो बीमार हो या उसके घर में कोई परेशानी आ गई हो। संभव हो तो अपने बच्चे के साथ उसके घर जाइए। अगर वो बीमार है तो इसका मतलब है स्कूल में पढ़ाए जाने वाले उसके चैप्टर छूट रहे होंगे। ऐसे में आप अपने बच्चे को प्रेरित करिए कि ठीक होने पर कोर्स पूरा करने में वह अपने दोस्त की जरूर मदद करे। इससे बच्चा समझेगा कि संकट के समय अपने दोस्तों की हर संभव मदद करनी चाहिए। a

प्यारे दोस्तों के लिए अट्रैक्टिव फ्रेंडशिप बैंड्स

ट्रेंड

श्रुति

बदलते ट्रेंड के साथ फ्रेंडशिप बैंड्स भी बदलते जा रहे हैं। अब इन बैंड्स में कई लेटेस्ट वैरायटीज भी अवेलेबल हैं, जो काफी अट्रैक्टिव लगती हैं। आप इनमें से कोई भी अपने प्यारे फ्रेंड के लिए चुन सकती हैं। मार्केट में खूबसूरत फ्रेंडशिप बैंड्स की ढेरों वैरायटी देखने को मिल रही हैं। इनमें सिंपल से लेकर डिजाइनर लुक तक की बड़ी रेंज मौजूद हैं। इन्हें फ्रेंडशिप के अलावा नॉर्मल डेज में भी बांधा जा सकता है।

थ्रेड बैंड्स: सबसे क्लासिक और इमोशनल टच वाला बैंड माना जाता हैं थ्रेड फ्रेंडशिप बैंड। थ्रेड वाले क्रोशिए के ब्रांडेड फ्रेंडशिप बैंड्स आउट ऑफ फैशन नहीं होते। थ्रेड्स को अलग-अलग रंगों में नॉट करके ब्रेडेड स्टाइल दी जाती हैं। इनमें आपको ढेरों कलर और डिजाइन की वैरायटी मिल जाएगी। वैसे आजकल मल्टीकलर थ्रेड बैंड्स, सिंगल कलर क्लासिक स्टाइल, ट्राइबल थ्रेड बैंड्स काफी ट्रेंड में हैं।

चार्म ब्रेसलेट स्टाइल बैंड्स: चार्म बैंड्स युवा महिलाओं और कॉलेज गोइंग गर्ल्स के बीच बहुत ज्यादा पॉपुलर हैं। चार्म बैंड्स एक तरह के फ्रेंडशिप ब्रेसलेट होते हैं, जिनमें छोटे-छोटे मेटल, बीड या एक्रेलिक आइकन या फिगर लटकाए जाते हैं जैसे म्यूजिक नोटबुक, बटरफ्लाई मून, कॉफी कप, एनिमल, स्टार, कोट्स, एविल आई, लॉक-की, हार्ट या इंस्पायरिंग वर्ड आदि। इन्हें लकी चार्म माना जाता है। हर चार्म का कोई न कोई मतलब होता हैं। इन्हें एथनिक और इंडो वेस्टर्न दोनों स्टाइल की ड्रेस के साथ मैच किया जा सकता हैं। ये बैंड्स, लेयर्ड चेन या सिल्वर कंगन के साथ भी अच्छे लगते हैं। इस तरह के बैंड्स में, इनिशियल और मल्टी लेयर चार्म बैंड्स काफी ट्रेंड में हैं। इसमें एक नहीं बल्कि चार-पांच चार्म फिगर लगे होते हैं, जो आपको अलग लुक देंगे।

डिजिटल फ्रेंडशिप बैंड्स: ये सबसे अलग और इनोवेटिव फ्रेंडशिप बैंड्स हैं, जो आजकल काफी छाए हुए हैं। इस तरह के बैंड्स आप अपने फ्रेंड को दे सकती हैं। ये बैंड्स दिखने में बेहद स्टाइलिश लगते हैं। ये ऐसे बैंड होते हैं, जिसमें एक छोटा क्यू आर कोड प्रिंट या एम्बेडेड किया गया होता है। उस क्यू आर कोड को स्कैन किया जाता है तो वह आपकी ओर से रेडी किया गया कोई मैसेज, फोटो, वीडियो क्लिप, लिंक को खोलता है। ये बैंड्स आमतौर पर सिलिकॉन, लेदर या वाटरप्रूफ फैब्रिक के बने होते हैं। इन पर क्यूआर कोड को आर्ट की तरह डिजाइन किया जाता है। a

(एसेसरीज एक्सपर्ट स्मिता महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

बेस्ट फ्रेंड को दें स्पेशल गिफ्ट

आइडिया

श्वेता आयंगर

जब मौका हो फ्रेंडशिप-डे का तो आप अपनी सबसे प्यारी सहेली को कुछ यूनिक और स्पेशल गिफ्ट जरूर देना चाहेंगी। इस बार कुछ ऐसा दें, जो स्टाइलिश हो और आपकी फ्रेंड को स्पेशल भी फील कराए। जानिए, गिफ्ट के कुछ ऐसे ही यूनिक आइडियाज।

उपहार हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम होता है। कई मौकों पर हम उपहार के जरिए ही अपनी भावनाओं को प्रकट कर पाते हैं। तो फिर आने वाले फ्रेंडशिप-डे पर अपनी बेस्ट फ्रेंड से दोस्ती के अनमोल रिश्ते को और भी मजबूत बनाने के लिए आप कुछ खास उपहार देकर इस दिन को यादगार बना सकती हैं। जरूरी नहीं आपका गिफ्ट बहुत कीमती हो, लेकिन उसमें आपकी दोस्ती की फीलिंग झलकनी चाहिए।

संजोकर दें खूबसूरत यादें: आप अपनी फ्रेंडशिप पीरियड की यादें जैसे बचपन, स्कूल, कॉलेज, साथ में बिताए पलों से जुड़ी तस्वीरें लेकर उनका सुंदर-सा कोलाज बनाकर या वीडियोज बनाकर अपनी फ्रेंड को तोहफे के रूप में दे सकती हैं। ये यादें आपकी सहेली के लिए बेहद खास होंगी। इसके अलावा पर्सनलाइज्ड फोटो क्लॉक, डिजिटल फोटो फ्रेम, मेमोरी बुक या पिक्टोरियल मग आदि भी दे सकती हैं। हालांकि ये काफी पॉपुलर हैं लेकिन आपकी फ्रेंड को स्पेशल फील कराएंगे।

हुनर से सजा दें गिफ्ट: अगर आप थोड़ी क्रिएटिव हैं तो आप अपने हाथों से अपनी सहेली के लिए कार्ड, ब्यूटीफुल बैंड्स, रेजिन आर्ट की-चेन या कोस्टर आदि बनाकर उन्हें दे सकती हैं या अगर आप कुकिंग में एक्सपर्ट हैं तो उसकी पसंद की कोई डिश अपने हाथों से बनाकर खिला सकती हैं। अगर आपको कढ़ाई-बुनाई अच्छी तरह आती है, तो प्यारा सा स्टॉल, स्कार्फ, एक रूमाल का सेट (जिस पर दोस्त के नाम का पहला अक्षर उकेरा हो) भी डिजाइन करके दे सकती हैं। माना यह काफी पुराने तरीके हैं, लेकिन आज भी पसंद किए जाते हैं। क्योंकि इस तरह के तोहफे आपकी दोस्ती के रिश्ते को और प्यारा-अटूट बना देंगे।

दे सकती हैं एसेसरीज: फ्रेंडशिप-डे पर अपने फ्रेंड को गिफ्ट में एसेसरीज देना भी अच्छा ऑप्शन है। आप अपनी बेस्ट फ्रेंड को कुछ अट्रैक्टिव-स्टाइलिश एसेसरीज गिफ्ट में देना चाहती हैं तो आप कुछ अलग तरह के एसेसरीज को चूज करें। इसमें आप फ्रेंडशिप बैंड्स, ब्रेसलेट, ईयर रिंग्स, लॉकेट, पेंडेंट, बेल्ट, पर्स, बैग्स, हेयर एसेसरीज आदि गिफ्ट के तौर पर दे सकती हैं। ये आजकल स्टाइल स्टेटमेंट भी माने जा रहे हैं। इन्हें आपके फ्रेंड्स डेली यूज से लेकर पार्टी जैसे ऑकेजन में भी आसानी से कैरी कर सकते हैं। वहीं इनमें खास बात यह भी है कि इन एसेसरीज की डिजाइन को आप अपने दोस्त की पसंद के अनुसार भी कस्टमाइज करवा सकती हैं।

यकीन मानिए, इस तरह के तोहफे आपके फ्रेंड को बहुत पसंद आएंगे।

प्रेम भरी पाती: आपके बेस्ट फ्रेंड के लिए सबसे अच्छा उपहार यह भी हो सकता है कि आप उसके लिए अपने मन की बात, कविता, फ्रेंडशिप से जुड़ी यादें, सब कुछ एक लैटर में लिखकर दे सकती हैं। आजकल मार्केट में कई तरह के खूबसूरत वुडेन लेटर होल्डर भी मिलते हैं। जिस पर नक्काशी किए हुए स्टैंड में एक खाली लैटरनुमा शीट होती है। यह खुशबूदार होता है। इस पर आप अपने दोस्त को संदेश लिखकर दे सकती हैं। इसके अलावा प्यारे बॉक्स भी आते हैं, जिसमें आप लैटर रखकर अपने फ्रेंड को दे सकती हैं। इसे देखकर आपके दोस्त के चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी। मोबाइल और इंटरनेट के इस युग में आपका दिया इस प्रकार का तोहफा यकीनन आपके दोस्त का दिल छू लेगा। a

(एसेसरीज एक्सपर्ट राही महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

परफेक्ट प्लेइंग इलेवन की खोज में भारत, शार्दुल और कंबोज पर सवाल

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है लेकिन ओल्ड ट्रैफर्ड में यादगार ड्रॉ हासिल करने के बावजूद भारत तीन दिन बाद ओवल में होने वाले पांचवें और अंतिम मैच से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश, खासकर सही गेंदबाजी संयोजन की तलाश में है।

भारत ने श्रृंखला के दौरान किसी विशेषज्ञ गेंदबाज की बजाय आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने को प्राथमिकता दी, जिस पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं, खासकर तब जब चोटिल नीतीश रेड्डी की जगह खेल रहे शार्दुल ठाकुर से ओल्ड ट्रैफर्ड में केवल 11 ओवर करवाए गए। लेकिन भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 2014 के बाद पहली बार 600 से अधिक रन दिए, इसलिए पिछले 40 दिन से बेंच पर बैठे हुए कुलदीप यादव जैसे विकेट लेने वाले गेंदबाज को टीम में शामिल करने का मामला पहले से कहीं अधिक मजबूत हो गया है।

भारत ने किसी विशेषज्ञ गेंदबाज की बजाय आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने को प्राथमिकता दी

तेज गेंदबाजों पर हो रही थकान हावी

अंशुल कंबोज का टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण अच्छा नहीं रहा और उनकी जगह पूरी तरह से फिट आकाशदीप या प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का सपना देख रहे होंगे। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हालांकि रविवार को ड्रॉ के बाद अपने चिरपरिचित आक्रामक लहजे में सभी तेज गेंदबाजों को फिट घोषित कर दिया, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि तेज गेंदबाज, विशेषकर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पर अब थकान हावी हो रही है।

कुलदीप को टीम में शामिल करने के लिए प्रयास : चौथे टेस्ट के दौरान भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने कहा, ' हम कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करने के लिए रास्ता तलाश रहे हैं लेकिन इसके लिए हमारे चोटी के छह बल्लेबाजों को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा, 'कुलदीप विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और इस समय वह बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, इसलिए हम उन्हें टीम में शामिल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। 'पहले की योजना के अनुसार बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत इस श्रृंखला के तीन टेस्ट मैच में ही खेलना है।

भारत चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ खेल सकता है

ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा भारत के शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल थे और इन दोनों ने अपने धैर्य का शानदार नमूना पेश करते हुए शतक लगाए और मैच को ड्रा करने में अहम भूमिका निभाई। यदि ओवल में भी यही तरीका अपनाया जाता है तो ध्रुव जुरेल सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आएंगे और भारत शार्दुल ठाकुर को बाहर करके चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ खेल सकता है। शार्दुल का वैसे भी एक गेंदबाज के रूप में पर्याप्त उपयोग नहीं किया जा रहा है। चौथे गेंदबाज के रूप में कुलदीप यादव को शामिल किया जा सकता है क्योंकि पिच से स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है या फिर एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को भी शामिल किया जा सकता है। भारतीय टीम प्रबंधन ने स्वयं स्वीकार किया है कि वह कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन आठवें नंबर तक बल्लेबाज रखने की रणनीति के कारण वह ऐसा नहीं कर पा रहा है।

हम यह दिखाने में सफल रहे कि हम महान टीम क्यों हैः गिल

मैनचेस्टर। भारतीय कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के आखिरी दिन ऐतिहासिक प्रदर्शन से हार टालने का विश्वास लोकेश राहुल के साथ उनकी साझेदारी से उपजा है और टीम ने ऐसा करके यह जता दिया वे 'महान टीम' क्यों है। भारतीय टीम ने पहली पारी में 311 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में बिना कोई रन बनाए दो विकेट गंवा दिए थे लेकिन गिल, रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम को हार से बचाया। इस परिणाम से भारत के पास अब पांच मैचों की श्रृंखला में बराबरी करने का मौका होगा। गिल ने कहा, '140 ओवर तक एक ही मानसिकता बनाए रखना बहुत चुनौतीपूर्ण है। एक अच्छी टीम और एक महान टीम में यही अंतर होता है। मुझे लगता है कि हमने आज यह दिखाया कि हम एक महान टीम हैं।' उन्होंने कहा, ' शून्य रन पर दो विकेट गंवाने के बाद मुझे लगता है कि मेरे और केएल (राहुल) भाई के बीच की साझेदारी ने उम्मीद जगा दी थी कि हम इस काम को कर सकते हैं। मैं बेहद, बेहद खुश हूं। जिस स्थिति में हम कल थे, वहां से ड्रॉ हासिल कर पाना बेहद संतोषजनक है।'

दिव्या देशमुख ग्रैंडमास्टर बनने वाली चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी

तीन दिन चला क्लासिकल चेस, दिव्या ने पहले रैपिड टाई-ब्रेकर में खेला ड्रॉ, दूसरे में जीती

एजेंसी ▶▶| मैबातुमी (जॉर्जिया)

जॉर्जिया के बातुमी में सोमवार को खेले गए फाइनल के टाईब्रेकर मुकाबले में दिव्या ने काले मोहरों से खेलते हुए हम्पी को हराया और फिडे महिला शतरंज विश्व कप का ताज अपने नाम किया। तीन दिन तक चले क्लासिकल चेस के रोमांच ने फैंस को दांतों तले अंगुली चबाने पर मजबूर कर दिया। हम्पी और दिव्या देशमुख ने पहले रैपिड टाई-ब्रेकर में ड्रॉ खेला और फिर दिव्या ने दूसरे में जीत हासिल की। जीत हासिल कर दिव्या फूट फूटकर रो पड़ीं। उनकी मां भी वहीं मौजूद रहीं और दिव्या ने उन्हें गले लगा लिया।

भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल करते हुए हमवतन और अपने से कहीं अधिक अनुभवी कोनेरू हम्पी को टाईब्रेकर में हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीता। इस जीत से 19 साल की दिव्या ने ना सिर्फ यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता बल्कि साथ ही ग्रैंडमास्टर भी बन गईं, जो टूर्नामेंट की शुरुआत में असंभव लग रहा था। वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली सिर्फ चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी हैं।

टाईब्रेकर की पहली बाजी में दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका

सोमवार को समय नियंत्रित टाईब्रेकर की पहली बाजी में सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका लेकिन दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन को हराकर जीत दर्ज की। दिव्या अब हम्पी, डी. हरिका और आर. वैशाली के साथ देश की ग्रैंडमास्टर बनने वाली महिलाओं की सूची में शामिल हो गई हैं। हम्पी 38 साल की हैं और 2002 में ग्रैंडमास्टर बनीं जबकि दिव्या का जन्म 2005 में हुआ। दिव्या ऊर्जा से भरी थीं और उन्होंने शुरुआती टाईब्रेकर में हम्पी पर दबाव बनाए रखा और अपनी दिग्गज प्रतिद्वंद्वी को थका दिया और फिर दूसरे टाईब्रेकर में जीत दर्ज की।

दो क्लासिकल बाजी ड्रॉ होने के बाद पहला समूह साबित हुआ निर्णायक

हम्पी ने खो दिया था अपना संयम

नागपुर की इस खिलाड़ी ने शनिवार और रविवार को खेले गए दो क्लासिकल मुकाबलों के ड्रॉ होने के बाद टाईब्रेकर में जीत दर्ज की। दो क्लासिकल बाजी ड्रॉ होने के बाद टाईब्रेकर का पहला समूह निर्णायक साबित हुआ, जिसमें हम्पी ने अपना संयम खो दिया। विश्व कप और महिला विश्व चैंपियनशिप को छोड़कर हम्पी ने अंतरराष्ट्रीय शतरंजमें सब कुछ जीता है लेकिन किस्मत या फिर अपने धैर्य के कारण विश्व कप खिताब जीतने में नाकाम रही हैं।दिव्या ने दृढ़ निश्चय दिखाया और इस जज्बे का बोनस ग्रैंडमास्टर खिताब था, जो इस प्रतियोगिता के चैंपियन के लिए आरक्षित था।

दूसरी बाजी रही आक्रमक

दूसरी बाजी में हम्पी ने कैटलन ओपनिंग का इस्तेमाल किया और दिव्या फिर से अच्छी तरह तैयार थीं। हम्पी ने 40वीं चाल में अपना आपा खो दिया और प्यादों को गंवाकर विरोधी खिलाड़ी पर आक्रमण करने की कोशिश की। दिव्या को हालांकि इससे अधिक मुश्किल नहीं हुई। यह दिव्या का दिन था क्योंकि हम्पी के पास फिर से समय की कमी थी और उन्होंने फिर से गलती की, जिससे सैद्धांतिक रूप से दिव्या की जीत की स्थिति बन गई। इस बाजी में दिव्या की किस्मत लंबे समय तक बराबरी और जीत के बीच झूलती रही, जिसके बाद नागपुर की इस लड़की ने बाजी मार ली।

दिव्या ने किया पेट्रॉफ डिफेंस का इस्तेमाल

पेट्रॉफ डिफेंस का इस्तेमाल करते हुए दिव्या ने हम्पी को पहली टाईब्रेक बाजी में बेहतर स्थिति में होने का मौका दे दिया था। हम्पी ने हालांकि समय के दबाव में गलती की और जल्द ही वह ऐसी स्थिति में पहुंच गईं, जहां उनके पास दिव्या की रानी के खिलाफ एक रूक (हाथी), बिशप (ऊंट) और एक पॉन (प्यादा) था। हालांकि स्थिति लगभग बराबरी की रही और अंत में हम्पी ने आसानी से ड्रॉ कर लिया।

जीत के बाद कहा, अब मैं ग्रैंडमास्टर हूं

यह जीत ऐसे समय में मिली है जब भारत ने पुरुष शतरंज में काफी सफलता हासिल की है, जिसमें विश्व चैम्पियन डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंदा और अर्जुन एरिगेसी जैसे खिलाड़ी लगातार अच्छे परिणाम दे रहे हैं। अपने से दोगुनी उम्र की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत के बाद भावुक दिव्या अपने आंसू नहीं रोक पाईं। हम्पी ने दिव्या के खिलाफ हारने से पहले आखिर तक संघर्ष किया। दिव्या ने कहा, 'मुझे इसे (जीत को) समझने के लिए समय चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियति की बात थी कि मुझे इस तरह ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला क्योंकि इस (टूर्नामेंट) से पहले मेरे पास एक भी (ग्रैंडमास्टर) नॉर्म नहीं था और अब मैं ग्रैंडमास्टर हूं।

इनामी राशि 43 लाख रुपए

इस शानदार जीत के साथ ही दिव्या देशमुख भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं। ग्रैंडमास्टर की उपाधि शतरंज की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित मानी जाती है और इसे हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक होता है। इस जीत के बाद दिव्या को इनामी राशि के रूप में लगभग 43 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं हम्पी को करीब 30 लाख रुपए मिलेंगे।

पांच साल की उम्र से खेल रहीं शतरंज

9 दिसंबर 2005 को नागपुर में जन्मीं दिव्या ने पांच साल की उम्र से शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उनके माता-पिता डॉक्टर हैं। उनके पिता का नाम जितेंद्र और माता का नाम नम्रता है। दिव्या ने 2012 में सात साल की उम्र में अंडर-7 नेशनल चैंपियनशिप जीती। इसके बाद उन्होंने अंडर-10 (डरबन, 2014) और अंडर-12 (ब्राजील, 2017) कैटेगरी में विश्व युवा खिताब भी जीते। इसके बाद 2014 में डरबन में आयोजित अंडर-10 वर्ल्ड यूथ टाइटल और 2017 में ब्राजील में अंडर-12 कैटेगरी में भी खिताब अपने नाम किए। दिव्या ने 2023 में इंटरनेशनल मास्टर का खिताब भी प्राप्त कर लिया। 2024 में उन्होंने विश्व जूनियर गर्ल्स अंडर-20 चैंपियनशिप में भी परचम लहराया, जहां उन्होंने 11 में से 10 अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके अलावा, 45वें चेस ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में भी उनकी अहम भूमिका रही।

खबर संक्षेप

विश्व तैराकी चैंपियनशिपः फ्रीस्टाइल में 43वें स्थान पर रहे प्रकाश

सिंगापुर। भारत के अनुभवी तैराक साजन प्रकाश सोमवार को यहां विश्व तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। इस 31 वर्षीय बटरफ्लाई विशेषज्ञ ने 1:51.57 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में चौथा और कुल मिलाकर 43वां स्थान हासिल किया। शीर्ष 16 तैराक सेमीफाइनल में पहुंचे। रोमानिया के डेविड पोपोविसी ने 1:45.43 सेकंड के साथ हीट में सबसे तेज समय निकाला जबकि इटली के कार्लोस डी'अम्ब्रोसियो (1:46.67 सेकंड) सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले अंतिम तैराक रहे।

सीनियर ओपन में 24वें स्थान पर रहे अटवाल

लंदन। अर्जुन अटवाल छह बर्डी लगाने के बावजूद आईएसपीएस एचएएनडीए सीनियर ओपन गोल्फ के आखिरी दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेल कर संयुक्त 24वें स्थान पर रहे। वह चार दौर में 67-72-69-71 के कार्ड के साथ प्रतियोगिता में खेल रहे तीन भारतीयों में शीर्ष स्थान पर रहे। जीव मिल्खा सिंह (69) संयुक्त 56वें और ज्योति रंधावा (73) संयुक्त 61वें स्थान पर रहे।

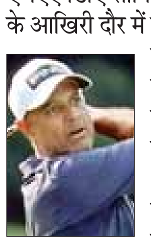

ओपन गोल्फ टूर्नामेंटः संयुक्त 39वें स्थान पर रही दीक्षा

आयरशर (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के चौथे दौर में एक अंडर 71 का कार्ड खेलने के बाद नौ स्थान के सुधार के साथ संयुक्त 39वें पायदान पर रही। दीक्षा दूसरे दौर में लचर प्रदर्शन के बाद तीसरे और चौथे दौर में अच्छी वापसी करते हुए 'मेजर' स्तर के टूर्नामेंट एआईजी महिला ओपन के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने में सफल रही।

इंग्लैंड टीम ने अंतिम टेस्ट के लिए ऑलराउंडर ओवरटन को किया शामिल

लंदन। तीन साल पहले अपने करियर का एकमात्र टेस्ट मैच खेलने वाले ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को भारत के खिलाफ गुरुवार से ओवल में शुरू हो रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। 31 वर्षीय ऑलराउंडर ने 2022 में लीड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना एकमात्र टेस्ट मैच खेला था, जिसमें उन्होंने दो विकेट लिए थे और 97 रन बनाए थे। उन्होंने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से तीन मैच खेले थे।

मकाऊ ओपन

सात्विक-चिराग की निगाहें खिताब तथा लक्ष्य और प्रणय की फॉर्म में वापसी पर

एजेंसी ▶▶| मकाऊ

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी रखते हुए सत्र का पहला खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेगी।

एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने पिछले सप्ताह चाइना ओपन सुपर 1000 में एक बार फिर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उन्हें मलेशिया के दूसरे वरीय आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह अभी तक खिताब नहीं जीत पाए हैं। उन्होंने इंडिया ओपन, सिंगापुर ओपन और मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के अलावा इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई। मकाऊ ओपन के शुरुआती दौर में उनका सामना लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग की मलेशियाई जोड़ी से होगा।

लक्ष्य सेन का पहला मुकाबला जियोन ह्योक जिन से

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन विश्व चैंपियनशिप से पहले अपनी लय फिर से हासिल करने की उम्मीद करेंगे। सेन का पहला मुकाबला कोरिया के जियोन ह्योक जिन से होगा। इस बीच 2023 के विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय चाइना ओपन के दूसरे दौर में बाहर होने के बाद वापसी की कोशिश करेंगे। वह अपने अभियान की शुरुआत क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे। सातवीं वरीयता प्राप्त किशोर खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी सभी की नजरों में होंगे, जिन्होंने पिछले महीने अमेरिकी ओपन सुपर 300 में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता था। पहले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे के हुआंग यू काई से होगा।विश्व विश्वविद्यालय खेलों की मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाले सतीश कुमार करुणाकरण बीडब्ल्यूएफ टूर में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। उनका पहला मुकाबला मलेशिया के जस्टिन होह से होगा।

डीसी ओपन : लेयला फर्नांडीज और मिनौर ने जीता खिताब

वाशिंगटन। लेयला फर्नांडीज और एलेक्स डी मिनौर ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग का खिताब जीता। कनाडा की 22 वर्षीय खिलाड़ी फर्नांडीज ने अगले महीने होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में अन्ना कालिन्स्काया को 6-1, 6-2 से हराया। अमेरिकी ओपन 2021 की उपविजेता फर्नांडीज ने अपनी चौथी एकल ट्रॉफी जीती। उन्होंने अपनी सभी ट्रॉफी हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंटों में जीती हैं। यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने किसी डब्ल्यूटीए 500 प्रतियोगिता में खिताब जीता। पुरुष वर्ग में सातवें वरीय एलेक्स डी मिनौर ने फाइनल में तीन चैंपियनशिप अंक बचाकर 12वें नंबर के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना पर 5-7, 6-1, 7-6 (3) की जीत के साथ अपना 10वां एटीपी और हार्ड कोर्ट पर आठवां खिताब जीता। ऑस्ट्रेलिया का यह 26 वर्षीय खिलाड़ी 2018 में डीसी ओपन में उपविजेता रहा था।

■ लेयला ने अन्ना कालिन्स्काया को 6-1, 6-2 से हराया

नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

मॉन्ट्रियल। नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कनाडा की बियांका आंद्रेस्कू, मॉन्ट्रियल में चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा के खिलाफ अपने पहले दौर के मैच के दौरान प्रतिक्रिया व्यक्त करती हुईं।

यूरो महिला 2025ः टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई स्पेन की ऐताना बोनमाटी

इंग्लैंड की बादशाहत कायम, स्पेन एक कदम पीछे

एजेंसी ▶▶| बासेल

गत विजेता इंग्लैंड ने विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से पराजित करके लगातार दूसरी बार महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) का खिताब जीता।

इंग्लैंड ने इस तरह से स्पेन से विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। स्पेन खिताबी हैट्रिक पूरी करने में नाकाम रहा। उसने विश्व कप के अलावा 2024 में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब भी जीता था। स्पेन ने मैरियोना काल्डेन्ते के 25वें मिनट में हेडर से किए गए गोल से बढ़त बनाई। इंग्लैंड की तरफ से एलेसिया रुस्सो ने 57वें मिनट में हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इससे अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा।

■ इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट के जरिए 3-1 से स्पेन को दी शिकस्त

स्पेन का खिताबी हैट्रिक पूरा करने का सपना टूटा

स्पेन की टीम इस मुकाबले को जीतकर फीफा वर्ल्ड कप 2023 और यूईएफए नेशंस लीग 2024 के बाद अपनी खिताबी हैट्रिक पूरी करने के इरादे से उतरी थी। हालांकि, इंग्लैंड की दमदार रणनीति और गोलकीपर हन्ना हैम्पटन के बेहतरीन प्रदर्शन ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

शूटआउट में इंग्लैंड ने दिखाया दम

पेनल्टी शूटआउट में इंग्लैंड की गोलकीपर हन्ना हैम्पटन ने मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने स्पेन की दो अहम पेनल्टी को बचाकर अपनी टीम को खिताब दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। इनमें एक किक स्पेन की स्टार खिलाड़ी ऐताना बोनमाटी की थी, जिन्हें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इसके अलावा मैरियोना काल्डेन्ते की पेनल्टी भी हैम्पटन ने शानदार तरीके से रोकी।

बेहतर खेल ही काफी नहीं

टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी स्पेन की ऐताना बोनमाटी चुनी गई। हार के बाद ऐताना बोनमाटी ने कहा कि हम टूर्नामेंट की सबसे अच्छी टीम थे, लेकिन कभी-कभी सिर्फ बेहतर खेल ही काफी नहीं होता। अब हमारी नजरें 2027 में ब्राजील में होने वाले अगले वर्ल्ड कप पर हैं।

निजी मुचलके की रकम जमा न कर पाने से नहीं हो रही थी रिहाई, हाईकोर्ट ने दुर्लभतम से दुर्लभतम मामला मानकर गरीब महिला आरोपी के मुचलके की राशि 70000 से 10000 रु की

जमानत मिलने के बाद भी जेल में काटने पड़े साढ़े 5 साल हाईकोर्ट ने घटाई मुचलके की राशि

हरिभूमि जबलपुर।

हत्या के आरोप में सजा काट रही महिला की आर्थिक दशा ठीक न होने के चलते वह जमानत मिलने के बावजूद जेल से नहीं छूट पा रही थी। जुर्माने की रकम तो उसने जमा कर दी, लेकिन निजी मुचलके के 70000 रु वह जमा नहीं कर पा रही थी। उसकी इस मजबूरी पर मप्र हाईकोर्ट ने संवेदनशीलता दर्शाई। मजस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने इसे दुर्लभतम से दुर्लभतम मामला माना। कोर्ट ने कहा कि सजा के निलंबन के दौरान अपीलकर्ता की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और स्वतंत्रता साढ़े पाँच साल से अधिक समय तक खतरे में रही है।कोर्ट ने निजी मुचलके की राशि घटाकर 10000 रु कर दी, ताकि महिला की रिहाई हो सके।

प्रकरण के अनुसार, 9 सितंबर, 2014 को, निचली अदालत ने जबलपुर निवासी अपीलकर्ता विद्या बाई को उसके पति सुरेंद्र उपाध्याय की हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया। इसके खिलाफ अपील पर 8 जनवरी, 2020 को, हाईकोर्ट ने यह मानते हुए सजा निलंबित कर दी कि अभियोजन पक्ष हत्या

साबित करने के लिए पूरी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाया। कोर्ट ने आदेश दिया कि उसे 70,000 रु के निजी मुचलके और निचली अदालत द्वारा लगाया गया जुर्माना जमा करने पर जमानत पर रिहा किया जाए। कोर्ट को बताया गया कि महिला ने जुर्माने की राशि जमा कर दी है, लेकिन निजी मुचलका जमा करने में असमर्थ है, इसलिए 8 जनवरी, 2020 के आदेश में संशोधन किया जाए। सुनवाई के बाद कोर्ट ने मुचलके की राशि घटाकर 10000 रु कर दी।

राज्य सरकार को निर्देश दिया कि यदि किसी अन्य मामले में अपीलकर्ता की आवश्यकता न हो तो 10,000 रुपये का निजी मुचलका भरने पर उसे जेल से रिहा किया जा सकता है।

पैरामेडिकल काउंसिल को डाटा पेश करने एक सप्ताह की मोहलत

जबलपुर। पैरामेडिकल कॉलेज मान्यता एवं प्रवेश घोटाला से जुड़े मामले में मप्र हाईकोर्ट ने पैरामेडिकल काउंसिल को डाटा पेश करने एक सप्ताह की मोहलत दी है। जस्टिस अतुल श्रीधरन की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने पिछली सुनवाई के दौरान काउंसिल को 28 जुलाई तक डाटा पेश करने कहा था। सोमवार को सुनवाई के दौरान काउंसिल की ओर से अतिरिक्त मोहलत मांगी गई। लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की ओर से नर्सिंग के बाद पैरामेडिकल कॉलेजों में अनियमितता को लेकर जनहित याचिका दायर की है। काउंसिल की ओर से कोर्ट को बताया गया कि पैरामेडिकल कॉलेजों की मान्यता निरीक्षण भी ऑनलाइन होने के कारण पूरा डाटा एमपी ऑनलाइन के पास संधारित है। सभी संस्थाओं की निरीक्षण रिपोर्ट जिला कलेक्टरों के पास संधारित है, इस कारण डाटा पेश करने में समय लगेगा।

साथ चलने से मना करने पर युवती को चाकू मारने वाले को सात वर्ष का कारावास

जबलपुर। जिला अदालत ने साथ चलने से इनकार करने पर युवती को चाकू मारने वाले को दोषी करार दिया।अपर सत्र न्यायाधीश एमडी रजक की कोर्ट ने प्राणघातक हमला करने के आरोपी जबलपुर निवासी मनीष ठाकुर को सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। एक हजार रुपये जुर्माना भी लगाया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक अभिषेक दीक्षित ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि पांच जून, 2024 को आरोपित की पीड़िता से पहचान थी। उसने संजय नगर, बड़ा पत्थर, रांझी निवासी पीड़ित युवती सोनाली कोल को गौरीघाट चलने के लिए कहा। उसने मना कर दिया। इससे आरोपित बुरी तरह नाराज हो गया। उसने चाकू निकालकर हमला कर दिया। गले में चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल सोनाली को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी जान बचाई। रांझी पुलिस ने शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध किया था। सुनवाई के बाद अदालत ने आरोपी को दोष सिद्ध पाकर सजा सुना दी।

सरकारी खर्च पर डॉक्टर बनने वालों को गांव में 5 साल तक करना होगा काम

अब सरकार मेडिकल छात्रों से साइन कराएगी बॉन्ड

जबलपुर। मध्य प्रदेश में सरकारी खर्चे पर मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए मेधावी छात्र-छात्राओं पर सरकार ने एक महत्वपूर्ण शर्त लगा दी है। सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को सरकार की यह शर्त पूरी करनी होगी। ऐसा न करने पर छात्र-छात्राओं को पढ़ाई में लगने वाली पूरी फीस सरकार को लौटानी होगी। राज्य सरकार ने तय किया है कि अब मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के तहत सरकारी और प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में दाखिला लेने वाले छात्र-छात्राओं की पूरी फीस सरकार भरेगी, लेकिन बदले में ऐसे सभी स्टूडेंट्स को एमबीबीएस के बाद 5 सालों तक ग्रामीण क्षेत्र के अस्पतालों में नौकरी करनी होगी।

राज्य सरकार ने इस शर्त को शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू कर दिया है। दरअसल, मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना में राज्य सरकार मेडिकल जैसे प्रोफेशनल कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स की पूरी फीस सरकार भरती है। अब मेडिकल की पढ़ाई करने पर स्टूडेंट्स किसी प्राइवेट या सरकारी कॉलेज से पढ़ाई करता है तो भी उसे 5 साल ग्रामीण क्षेत्र के अस्पताल में अपनी सेवाएं देनी होंगी। ऐसा न करने पर स्टूडेंट्स को पढ़ाई पर खर्च हुई पूरी फीस की राशि राज्य सरकार को देना होगा। इसके लिए अब राज्य सरकार प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेने वाले छात्रों से भी बॉड साइन कराएगी। यदि कोई स्टूडेंट्स पढ़ाई के बाद 5 साल के स्थान पर ढाई साल ही ग्रामीण क्षेत्र में सेवा देगा तो उसे आधी फीस वापस करनी होगी। हालांकि, राज्य सरकार ने यह भी तय किया है कि मेधावी विद्यार्थी योजना में उन्हीं स्टूडेंट्स को इस योजना का लाभ दिया जाएगा, जिनकी नीट यूजी में रैंक 1.5 लाख से ऊपर है। यानी यदि इससे नीचे की रैंक है तो योजना का लाभ नहीं मिल सकेगा।

गांवों में डॉक्टर्स नहीं जाना चाहते हैं

उधर, सरकारी मेडिकल कॉलेज से पढ़कर निकलने वाले डॉक्टर्स को बांड के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ किया जाता है, लेकिन डॉक्टर्स ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं देना ही नहीं चाहते। राज्य सरकार ने एमबीबीएस करने वाले 1977 और पीजी करने वाले 876 डॉक्टर्स को प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के सरकारी हॉस्पिटल में भेजने के आदेश जारी किए थे। इन्हें 15 दिन में हॉस्पिटल में ज्वाइन करने के आदेश दिए गए, लेकिन 280 डॉक्टर्स ही ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं देने पहुंचे। बाकी डॉक्टर्स ने ज्वाइनिंग ही नहीं दी। अब बॉड का उल्लंघन करने वाले डॉक्टर्स पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के मुताबिक इनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश में विशेषज्ञों के आधे से ज्यादा पद खाली

दरअसल, मध्य प्रदेश के सरकारी हॉस्पिटल्स में डॉक्टर्स की भारी कमी है। प्रदेश में 5449 स्वीकृत पदों में से 3948 पद खाली हैं और सिर्फ 1495 स्पेशलिस्ट ही काम कर रहे हैं। हालांकि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के मुताबिक डॉक्टर्स की कमी को पूरा करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए भर्ती की जा रही है।

अमानक पाई गई मूंग, सबंधित किसान को वापस कराई गई

जबलपुर। नॉन एफएक्यू मूंग वेयर हाउस के भीतर रखे जाने की मिली शिकायत पर शनिवार को निरीक्षण करने के बाद आज एक बार फिर अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन और सहायक संचालक कृषि ने पाटन विकासखण्ड के ग्राम जरोंद स्थित तेजस वेयरहाउस पहुंचकर यहां रखी पाई गई मूंग के स्लॉट बुकिंग के दस्तावेजों की जाँच की तथा वेयर हाउस के भीतर रखी मूंग का सर्वेयर से गुणवत्ता परीक्षण करवाया। परीक्षण में दो छोटे ढेर एवं दो ट्रॉली नॉन एफएक्यू मूंग का ऑनलाइन रिजेक्शन के बाद उसे सबंधित किसान को वापस करवाया गया तथा शेष एफएक्यू क्वालिटी की मूंग की तुलाई कराई गई। ज्ञात हो कि उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम के निर्देश पर अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी एवं सहायक संचालक कृषि रवि आम्रवंशी ने

शनिवार को जरोंद स्थित तेजस वेयरहाउस का निरीक्षण किया था।

शनिवार को किये गये निरीक्षण में इस वेयरहाउस के अंदर सात ढेर और ग्यारह ट्रेक्टर ट्रॉली मूंग अंदर रखी पाई गई थी। निरीक्षण के दौरान इन कृषि अधिकारियों ने सोमवार को नोडल अधिकारी एवं समिति प्रवंधक सर्वेयर की उपस्थिति में एफएक्यू होने पर ही इस मूंग की खरीदी करने के निर्देश दिये थे।

जनहित याचिका दायर कर जताई गई चिंता : हाईकोर्ट ने मुख्य याचिका के साथ सुनवाई की दी व्यवस्था

यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे की राख में सक्रिय हैं रेडियो एक्टिव पदार्थ

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र के समक्ष सोमवार को एक जनहित याचिका की सुनवाई हुई, जिसमें दावा किया गया कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे की राख में रेडियो एक्टिव पदार्थ है। यह चिंता का विषय है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने जनहित याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के बाद लंबित मुख्य जनहित याचिका के साथ सुनवाई किए जाने की व्यवस्था दे दी।

जनहित याचिकाकर्ता राजधानी भोपाल निवासी अधिवक्ता बीएल नागर व समाजसेवी साधना कार्णिक की ओर से अधिवक्ता

ऋत्विक दीक्षित ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का विनष्टीकरण लैंडफिल सेल प्रक्रिया से किया जाना चुनौती के योग्य है। ऐसा इसलिए क्योंकि रेडियो एक्टिव पदार्थ मिश्रित राख जमीन में दबाए जाने से मिट्टी व पानी दूषित होंगे। जिनके उपयोग से मानव व पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तकनीक सिर्फ जापान तथा जर्मनी के पास उपलब्ध

जनहित याचिका में कहा गया है कि भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड के 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे का विनष्टीकरण सफलतापूर्वक पीथमपुर स्थित सुविधा केंद्र में कर दिया गया है। जहरीले कचरे से 850 मीट्रिक टन राख व अवशेष एकत्रित हुआ है। राख में बड़ी मात्रा में मरकरी की मात्रा है। मरकरी को नष्ट करने की तकनीक सिर्फ जापान तथा जर्मनी के पास उपलब्ध है। यूनियन कार्बाइड फैक्टरी में जहरीला कचरा विगत 40 सालों से पड़ा हुआ था। कचरे में रेडियो एक्टिव पदार्थ होने के कारण उसमें नाभिकीय विखंडन की प्रक्रिया जारी थी। कचरे को नष्ट कर दिया गया है परंतु उसकी राख में जहरीले तत्व मौजूद हैं। जिस स्थान पर जहरीले कचरे की राख का विनिष्टीकरण किया जाएगा, उस क्षेत्र की मिट्टी व पानी दूषित होंगे। जिसका विपरीत असर मानव समुदाय व पर्यावरण पर पडेगा।

सरकारी व निजी विशेषज्ञों के मत अलग-अलग

जनहित याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि जहरीली राख के विनष्टीकरण करने के संबंध में सरकारी व निजी विशेषज्ञों के अलग-अलग मत हैं। इसीलिए जनहित याचिका में राहत चाही गई है कि विशेषज्ञों की राय प्राप्त कर जहरीली राख का विनिष्टीकरण अपेक्षाकृत अधिक वैज्ञानिक तरीके से किया जाए। ऐसा इसलिए ताकि मानव समुदाय व पर्यावरण पर उसका विपरीत असर न पड़े।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 5 ने रचा इतिहास

लगातार 300 दिन विद्युत उत्पादन करने का नया रिकार्ड

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के अभियंताओं व कार्मिकों के समर्पण, कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता ने 210 मेगावाट स्थापित क्षमता की यूनिट को लगातार 300 दिन तक संचालित करने में सफलता हासिल की है। यूनिट ने अपनी स्थापना के बाद दूसरी बार 300 दिन विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया। इस यूनिट ने दूसरी बार 1 अक्टूबर 2024 से

28 जुलाई 2025 तक 300 दिन सतत विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया। इससे पूर्व इस यूनिट ने इस यूनिट ने 27 अगस्त 2023 से 22 जून 2024 तक 300 दिन सतत विद्युत उत्पादन करने का नया रिकार्ड बनाया था। इस यूनिट के सतत बिजली उत्पादन करने से प्रदेश की बिजली की आपूर्ति को विश्वसनीय बनाने के पावर जनरेटिंग कंपनी के उद्देश्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की 250 मेगावाट स्थापित क्षमता की यूनिट नंबर 10 के खाते में सर्वाधिक 305 दिन सतत विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड दर्ज है। इस यूनिट ने यह उपलर्ब्धा वित्तीय वर्ष 2022-23 में हासिल की थी।

ऊर्जा मंत्री व अपर मुख्य सचिव ने दी बधाई

मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई व मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने अमरकंटक ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 5 के अभियंताओं व कार्मिकों को बधाई देते हुए उनकी सराहना करते हुए कहा कि समर्पण, कड़ी मेहनत व प्रतिबद्धता से लक्ष्य अर्जित करने का यह सर्वश्रेष्ठ व अनुकरणीय उदाहरण है।

किशोरी ने जहर खाकर आत्महत्या की

जबलपुर। लार्डगंज थाना अतंर्गत आगा चौक में जहरीली वस्तु का सेवन करने से एक किशोरी की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आगा चौक निवासी 17 वर्षीय गुड़िया रजक द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन करने से परिजनों द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार दौरान रात लगभग 8 बजे मृत्यु हो गई।

बुकिंग सिस्टम भोपाल से ब्लाक, जिला प्रशासन ने खड़े किये हाथ

नहीं हो रहे हैं मूंग उड़द के स्लॉट बुक, किसान परेशान

हरिभूमि जबलपुर।

लंबी जद्दोजहद के बाद शुरु हुई मूंग उड़द की खरीद बीच में अटक गई है। किसानों के स्लॉट बुकिंग विगत पांच दिनों से नहीं हो रहे हैं। किसान परेशान हैं। अधिकारी कह रहे हैं कि सिस्टम मे खराबी आ गई है। भोपाल बात चल रही है। ऐसा

पिछले 5 दिनों से बस यही जवाब "भोपाल बात हो रही है"

सरकार मूंग उड़द का उपार्जन पहले भी करना नहीं चाहती थी। किसानों के विरोध व दवाब के चलते सरकार को खरीद करनी पड़ रही है, लगता है सरकार केवल खरीद का ढोंग रच रही है, वास्तव में तो उसकी मंशा खरीद करने की है ही नहीं। वैसे भी अधिकांश किसान तो मंडियो में व्यापारियों को अपना उत्पाद ओने पोंनें दामों पर बेच चुके हैं अब थोड़े बहुत जो बचे हैं चक्कर काटने मजबूर हैं। व्यापरियो की "पो बारह" हो गई है अब वे किसानों के नाम पर मोटा कमीशन देकर माल खपा कर भारी मुनाफा कमा रहे हैं। उनका व चहेतो का मिट्टी कूड़ा सब तुल रहा है। आम किसान के लिए सौ अड़ंगे, और नियम खड़े है। मूंग उड़द खरीद भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। कोई सुनने वाला नहीं है।

भारत कृषक समाज के अध्यक्ष इंजी. के के अग्रवाल नें शासन प्रशासन से खरीद सिस्टम में तत्काल सुधार के साथ स्लॉट बुकिंग तथा खरीद अवधि में बढ़ोतरी की मांग की है। .. इस सम्बन्ध में मुख्य मंत्री तथा मुख्य सचिव भोपाल को मेल से पत्र प्रेषित किया गया है। कलेक्टर को भी वर्तमान स्थितियों की वास्तविकता से अवगत कराते हुए किसानों की मांग शासन तक पहुँचाने का आग्रह किया गया है।

बैद्यनाथ मेरी सखी बहुमूल्य जड़ी – बूटियों से युक्त, महिलाओ के लिए एक संतुलित व पोषक तत्वों से भरा टॉनिक है जो उन्हें पूरे माह एक्टिव, फिट और स्वस्थ रखनें में सहायक है।
पूरे माह सक्रिय रखने में सहायक।

आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!

श्रीमती ईशा शर्मा, राजनांदगांव
प्र. बरसात के दिनों में सर्दी, खाँसी की तकलीफ बनी रहती है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बतायें।
उ. **बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस (नारदीय)** 1–1 टैब पीसकर शहद + अदरक रस के साथ लेवें। **बैद्यनाथ कासविन** 2–2 चम्मच सुबह शाम लेवें। रात को सोने के पूर्व **बैद्यनाथ सितोपलादी चूर्ण** आधा चम्मच शहद के साथ लेवें।

श्री संजय नाईक धमतरी
प्र. मुझे शारीरिक कमजोरी लगती है। चैक किया गया तो डॉ. ने कैल्शियम की कमी बतलाई। कृपया उपाय बतायें।
उ. उम्र के 50 वर्ष बाद कैल्शियम की कमी होना सामान्य है। **सिद्धायु कैल्सिएक्टीव टॅबलेट** 1–1 टॅबलेट सुबह–शाम पानी के साथ लगातार 3 माह तक सेवन करें।

श्रीमती मंजूषा शाहू, रायपुर
प्र. मेरी 4 माह पूर्व डिलिवरी हुई है। शरीर में कमजोरी बहुत है। दूध भी कम आता है व थोडी सफेद पानी की शिकायत भी है। कृपया आयुर्वेदिक दवां बताये।
उ. महोदया, आप **बैद्यनाथ सुपारी पाक** 1–1 चम्मच सुबह–सायं सेवन करें। साथ ही **बैद्यनाथ शतावरी ग्रेन्युल्स्** 1–1 चम्मच सुबह शाम दूध के साथ सेवन करें। 3 माह तक इसका नियमित सेवन करें।

श्रीमती निशिगंधा वर्मा, दूर्ग
प्र. मेरी बेटी की उम्र 24 साल है, सफेद पानी कि शिकायत है, मासिक धर्म नियमित रूप से नही आता।
उ. **बैद्यनाथ मेरी सखी** 2–2 चम्मच समभाग जल में सुबह–शाम भोजन के बाद देवें। **बैद्यनाथ प्रदरान्तक रस** 1–1 टॅबलेट सुबह–शाम भोजन के बाद देवें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य

बैद्यनाथ के दवाइयों को साथ जानकारी हेतु सेवनविधी दी है। इस का प्रयोग वैद्यकिय परामर्श से करें।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4935 । www.baidyanath.co

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240